पुणे में बंगाल के मजदूर की पीट-पीटकर... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 01, अंक - 312 | गाजियाबाद / शुक्रवार 13 फरवरी 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रुपए

मैं एक समय में एक ही फिल्म करने... 11

114 नए राफेल खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी

फ्रेंच प्रेसिडेंट मैक्रों के भारत आने पर हो सकता है सौदा, 3.25 लाख करोड़ की डिफेंस डील

- सीसीएस से अंतिम मंजूरी के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के भारत दौरे पर डील होगी पक्की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के भारत दौरे से पहले केंद्र सरकार ने लंबे इंतजार के बाद वायु सेना के लिए फ्रांस से 114 राफेल फाइटर जेट खरीदे जाने को गुरुवार को मंजूरी दे दी। इसमें 18 विमान सीधे फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन कंपनी से निर्मित होकर भारत आएंगे। शेष 96 विमान भारत में निजी कंपनियों के साथ साझेदारी में बनाए जाएंगे। इनमें से कई ट्विन-सीटर ट्रेनिंग वर्जन भी होंगे। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) से गुरुवार को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) मिलने के बाद व्यावसायिक वार्ता शुरू होगी, फिर

अंतिम मंजूरी प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) देगी।

रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में आज डीएसी की बैठक साउथ ब्लॉक में हुई, जिसमें सशस्त्र सेनाओं के लिए कई अहम फैसले हुए। केंद्र ने फ्रांस के साथ सरकार से सरकार सौदे के तहत वायु सेना के लिए 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने को मंजूरी दे दी है। इन विमानों में 40-50 फीसदी मेक इन इंडिया हथियारों को इंटीग्रेट करने का पूरा अधिकार होगा। फ्रांस के साथ 3.25 लाख करोड़ रुपये का यह सैन्य हार्डवेयर सौदा किसी भी देश के साथ अब तक हुए अनुबंध से कम से कम पांच गुना बड़ा है। भारत के पास अभी 36 राफेल हैं और इस सौदे से 150 विमान हो जाने पर देश की हवाई ताकत कई गुना बढ़ने की उम्मीद है।

रक्षा बजट के लिए 7.8 लाख करोड़ मिले

केंद्रीय बजट 2026-27 में रक्षा मंत्रालय को 7.8 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो कुल बजट का 14.67% है। आधुनिकीकरण के लिए निर्धारित 2.19 लाख करोड़ रुपए में से 1.85 लाख करोड़ रुपए पूंजीगत खरीद के लिए तय किए गए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 24% अधिक है।

बजट का पैसा इस तरह खर्च किया जाएगा:

- 27.95% पूंजीगत खर्च: नए हथियार, विमान, टैंक, जहाज और अन्य सैन्य उपकरण खरीदने पर।
- 20.17% राजस्व खर्च: सेना के रोजमर्रा के संचालन, रखरखाव और जरूरी व्यवस्थाओं पर।
- 26.40% वेतन और भत्ते: सेना के जवानों और अधिकारियों की सैलरी पर।
- 21.84% रक्षा पेंशन: रिटायर्ड सैनिकों को पेंशन देने में।
- 3.64% सिविल संगठन: रक्षा मंत्रालय से जुड़े सिविल विभागों के खर्च पर।

अन्य खरीद परियोजनाएं

- राफेल डील के अलावा रक्षा मंत्रालय उन्नत हथियार प्रणालियों, नौसेना के जहाजों और पनडुब्बियों, मानव रहित हवाई वाहनों और ड्रोन की खरीद की दिशा में भी काम कर रहा है।
- विजुअल और वैल्यू एडिशन सुझाव।
- राफेल और पी-8आई के इंफोग्राफिक्स (रेंज, स्पीड, क्षमता)।
- वायुसेना की स्वीकृत बनाम मौजूदा स्क्वाड्रन संख्या का ग्राफ।
- रक्षा बजट का पाई-चार्ट।

महाराष्ट्र में अवैध बंगलादेशियों को काम देने वालों की खैर नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई बिल्डर, व्यापारी या उद्योगपति अवैध रूप से रह रहे बंगलादेशी नागरिकों को रोजगार देता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राज्य के गृह विभाग की ओर से हाल में जारी परिपत्र में सभी प्रशासनिक विभागों को कड़े निर्देश दिए गए हैं। इस आदेश के तहत ऐसे घुसपैठियों को न केवल रोजगार देने वालों, बल्कि उन्हें शरण या ठिकाना उपलब्ध कराने वालों के खिलाफ भी बिना किसी देरी के सख्त कानूनी कदम उठाए जाएंगे। सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि अवैध विदेशी नागरिकों को सहायता या नौकरी देना कानून के तहत गंभीर अपराध माना जाएगा और इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि पहचान के बाद दोषियों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें।

नील नदी में नाव पलटी, 21 मरे

खार्तूम (एजेंसी)। उत्तरी सूडान के नील नदी प्रांत में यात्री नौका के डूबने से 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोगों को जिन्दा बचा लिया गया है। नील नदी प्रांत की सरकार ने वीरवार को यह जानकारी दी। एक चश्मदीद ने बताया कि नाव में 30 से ज्यादा सवार मौजूद थे। नदी से निकाले गए शवों में 16 महिलाएं, पांच पुरुष शामिल हैं। आठ लोगों को जिन्दा बचा लिया गया है।

राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस नहीं लाएगी केन्द्र सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र सरकार राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव नहीं लाएगी। राहुल गांधी के भाषण के उन अंशों को हटाया जाएगा, जिसको वह सिद्ध नहीं कर पाए हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इससे पहले लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी के सदस्य निशिकांत दुबे ने सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की सदस्यता खत्म करने तथा उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगाने की मांग करते हुए लोकसभा में एक प्रस्ताव दिया। दुबे ने वीरवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि राहुल गांधी ने संसद में गलत आरोप लगाकर देश को गुमराह करने का काम किया है।

फर्जी लूट की सूचना देना शराबी को पड़ा महंगा, दस हजार का चालान

पिथौरागढ़ (एजेंसी)। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में एक व्यक्ति को फर्जी लूट की सूचना देना महंगा पड़ गया। पुलिस ने झूठी शिकायत दर्ज कराने और आपातकालीन सेवा का दुरुपयोग करने पर आरोपी का 10 हजार रुपये का चालान काटा। जानकारी के अनुसार मड़धुरा निवासी संतोष सिंह ने 112 पर कॉल कर जाजरदेवल पुलिस को सूचना दी थी कि अज्ञात लोगों ने उससे 50 हजार रुपये लूट लिए हैं। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष मनोज पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि शिकायत पूरी तरह फर्जी थी और कॉल करने वाला व्यक्ति शराब के नशे में था। पूछताछ में उसने झूठी सूचना देने की बात स्वीकार कर ली। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मौके पर ही 10 हजार रुपये का चालान किया। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि आपातकालीन सेवाओं का गलत इस्तेमाल न करें, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गंगनहर में पैर फिसलने से आईआईटी छात्र डूबा

रुड़की (एजेंसी)। गंगनहर किनारे घूमने गए एक छात्र का पैर फिसलने से नहर में गिरकर तेज बहाव में बह जाने का मामला सामने आया है। लापता छात्र की तलाश में एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जल पुलिस और रुड़की आर्मी की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से व्यापक सर्च अभियान चलाया जा रहा है, हालांकि समाचार लिखे जाने तक छात्र का कोई पता नहीं चल सका है। जानकारी के अनुसार आईआईटी का छात्र आशीष शुक्ला, जो एमबीए द्वितीय वर्ष का विद्यार्थी था, अपने साथियों के साथ गंगनहर किनारे घूमने गया था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह नहर में जा गिरा। तेज जलधारा के कारण वह देखते ही देखते बह गया, जिससे मौके पर मौजूद साथियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुड़की प्रदीप बिष्ट पुलिस बल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। इसके बाद एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जल पुलिस तथा रुड़की आर्मी की टीमों को भी मौके पर बुलाया गया। सभी एजेंसियों ने संयुक्त रूप से नहर और आसपास के क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान चलाया। गोताखोरों की मदद से कई स्थानों पर सर्च ऑपरेशन जारी है।

प्रधानमंत्री ने केंद्रीय बजट की सराहना कर आर्थिक विकास के लिए अहम बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वित्त मंत्री का भाषण साझा करते हुए केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना की और इसे आर्थिक विकास के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट सुधारों, छोटे उद्योगों, कौशल विकास, आधुनिक ढांचे के साथ स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों और देश के विकास के लिए सार्थक सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि लोकसभा में अपने भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बात का विस्तृत विवरण दिया कि इस वर्ष का बजट देश के आर्थिक परिवर्तन में किस प्रकार योगदान देगा। उन्होंने रिफॉर्म एक्सप्रेस, एमएसएमई को समर्थन, कौशल विकास, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों और अन्य पहलुओं पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि वित्त मंत्री ने इस बात का व्यापक विवरण दिया कि बजट राष्ट्र के आर्थिक परिवर्तन में किस प्रकार योगदान देगा।

मुख्यमंत्री ने पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ऑफ उत्तराखंड के संग की बैठक

लापरवाही बरतने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई : पुष्कर सिंह धामी

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विद्युत वितरण लॉस को न्यूनतम करने, विद्युत चोरी सख्ती से रोकने और वितरण लॉस में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश ऊर्जा निगम अधिकारियों को दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि आगामी ग्रीष्मकालीन सीजन को देखते हुए यूजेवीएनएल, पिटकुल एवं यूपीसीएल अभी से समस्त तैयारियां सुनिश्चित करें और सभी औपचारिकताओं को मार्च तक पूर्ण कर अप्रैल तक परियोजनाओं के शुभारंभ हेतु प्रस्तुत करें।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सचिवालय सभागार में पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लिमिटेड (पिटकुल) की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में सीएसआर मद में प्राप्त धनराशि के लिए पृथक खाता खोलकर उसका अधिकतम एवं बहु-रचनात्मक उपयोग सुनिश्चित करने को कहा गया। विभिन्न जनपदों में एडीबी पोषित उपकेंद्रों से संबंधित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

पिटकुल के प्रबंध निदेशक श्री यू.सी. ध्यानी ने बताया कि वर्तमान में एशियाई विकास बैंक पोषित 220 एवं 120 केवी उप संस्थानों की परियोजनाएं मंगलौर, सेलाकुई, आराघर, खटीमा, धौलाखेड़ा, लोहाघाट एवं सरवरखेड़ा में गतिमान हैं। जबकि नॉन-एडीबी पोषित 400, 220 एवं 132 केवी उप संस्थानों की परियोजनाएं पीपलकोटी, घनसाली, बनबसा, रानीहाट, ऋषिकेश, अल्ट्राटेक एवं सिमली में प्रगति पर हैं।

बैठक में ये रहे मौजूद

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर के सुधांशु व आर.मीनाक्षी सुंदरम, सचिव पंकज पांडेय, सी रवि शंकर, विनय शंकर पाण्डेय, प्रबंध निदेशक उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम डॉ. संदीप सिंघल, प्रबंध निदेशक यूपीसीएल अनिल कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सलमान खान के जीजा आयुष शर्मा को लॉरेंस गैंग ने दी धमकी

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सलमान खान के जीजा आयुष शर्मा को लॉरेंस गैंग से जुड़ा एक धमकी भरा ई-मेल मिला है। इससे पहले अभिनेता रणवीर सिंह को व्हाट्सएप पर धमकी मिली थी। एक अधिकारी ने वीरवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है। सूत्रों ने बताया कि आयुष शर्मा के बांद्रा स्थित कार्यालय को भेजे गए ईमेल में बड़ी रकम मांगी गई थी और मांग पूरी न होने पर गंभीर नतीजे भुगतने की चेतावनी दी गई थी। पुलिस ईमेल के स्रोत की और डिजिटल फुटप्रिंट्स की जांच कर रही है। पुलिस ने आयुष को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर चर्चा करने और मनोरंजन जगत से जुड़े लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन बैठक बुलाने की मांग की है।

फिल्म के नाम पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा-

'अभिव्यक्ति की आजादी किसी वर्ग को अपमानित करने का लाइसेंस नहीं'

- निर्माता को लगाई कड़ी फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली फिल्म 'घूसखोर पंडत' को लेकर उठा विवाद अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। अदालत ने इस फिल्म के टाइटल और कंटेंट को गंभीर मानते हुए फिल्म निर्माता को कड़ी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब यह नहीं कि उसके नाम पर किसी समुदाय या वर्ग विशेष को नीचा दिखाया जाए। अदालत ने इस मामले को सामाजिक सौहार्द से जुड़ा हुआ बताते हुए सख्त रुख अपनाया है। फिल्म के खिलाफ दाखिल

याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी), और फिल्म के निर्माता-निर्देशक नीरज पांडे को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह मामला केवल एक फिल्म या उसके नाम तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे समाज में पड़ने वाले व्यापक प्रभाव जुड़े हुए हैं। कोर्ट ने इस केस की अगली सुनवाई 19 फरवरी को तय की है। सुनवाई के दौरान जस्टिस बी. वी. नागरत्ना ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता समुदाय के किसी भी हिस्से को बदनाम करने का लाइसेंस नहीं है। ऐसे नाम देश में अशांति पैदा कर सकते हैं, खासकर तब जब समाज पहले से ही कई तरह के तनाव और विभाजन का सामना कर रहा हो। फिल्म निर्माता की ओर से अदालत को बताया गया कि विवाद के बाद फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया से हटा लिया गया है और फिल्म का नाम बदलने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

उप्र विधानसभा बजट : 12 लाख करोड़ से अधिक यूपी में आया निवेश

15 लाख से अधिक लोगों को मिला रोजगार

सदस्य ने सरकार के उत्तर से जताई असहमति

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा बजट सत्र के चौथे दिन गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान समाजवादी पार्टी की सदस्य डॉ. रागिनी के सवाल पर औद्योगिक विकास मंत्री नंदगोपाल गुप्ता 'नंदी' ने जवाब दिया। सवाल करने वाली सदस्य ने सरकार के उत्तर से असहमति जताई तो संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने उत्तर दिया।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया निवेश में तीन स्टेज होती है। पहली स्टेज एमओयू, फिर ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी और उसके बाद धरातल पर उतारने की बारी आती है। निवेश के लिए जो आता है वह हर प्रकार से तैयारी करता है। खोजबीन करता है। कानून व्यवस्था देखते हैं। कच्चे माल की उपलब्धता देखते हैं। फिर निवेश करते हैं।

संसदीय कार्य मंत्री ने सदन को अवगत कराया कि 12 लाख करोड़ से अधिक का निवेश आ गया। चार लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर आ गए हैं। 15 लाख से अधिक

कर्मकारों को रोजगार मिला है। रोजगार मिलने का प्रमाण है। कमचारी भविष्य निधि संगठन 2017 के पहले 21 लाख 24 हजार थी। आज 40 लाख 20 हजार हो गयी है।

राष्ट्रीय स्तर पर इंडस्ट्रियल ग्रोथ 11.9 है। यूपी की यही ग्रोथ 25 फीसदी है। यह सब आंकड़े कहते हैं कि उत्तर प्रदेश की क्या स्थिति है। सदस्य के निजी क्षेत्र में दलितों, पिछड़ों को नौकरी मिलने के सवाल पर खन्ना ने कहा कि निजी उद्योग क्षेत्र में कंपनियां अपनी जरूरत के हिसाब से नौकरी देती हैं। यहां आरक्षण के तहत किसी को नौकरी पर नहीं रखा जाता लेकिन सरकार के यह आंकड़े कहते हैं कि निवेश आये हैं और लोगों को नौकरियां मिली हैं। उल्लेखनीय है कि कल 11 फरवरी को राज्य का बजट पेश किया गया था।

विधानसभा में भी हंगामा, मंत्री नदी और रागिनी की बहस

विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान हंगामा हो गया। दरअसल, मंत्री नंद गोपाल नंदी रागिनी सोनकर के सवालों का जवाब देने के लिए खड़े हुए। वह पहले रागिनी के ही सवाल पढ़ने लगे। इस पर स्पीकर सतीश महाना ने टोका। इसके बाद मंत्री ने कहा- सवाल में आपने कुछ किया। पूछते ऐसे हैं, जैसे बच्चा पैर छूकर कहे कि बाबूजी प्रमाण करें, तो बच्चा खुश रहने के बजाय उसे रास्ता बताने लगे। कहे कि बैंगन लाए हैं, चोखा बनाएंगे। इस पर रागिनी भड़क गईं। फिर मंत्री ने कहा- प्रश्न का जवाब देंगे। आप कहां-कहां चली गईं। इसी बीच महाना ने टोका और कहा- मंत्रीजी, जो पूछा गया है, उसका जवाब दे दीजिए। इस पर मंत्री इन्वेस्टर समिट के बारे में बताने लगे। महाना ने कहा- यह तो डॉक्यूमेंट में लिखा है। जवाब में मंत्री ने कहा- सपा की सरकार 4 बार रही। इनकी इंस्टाग्राम की रील से शुरू होने वाली राजनीति फेसबुक तक आकर दम तोड़ देती है। इसके बाद हंगामा हो गया।

विधानसभा में उठा किन्नर समुदाय का मुद्दा

मंत्री असीम अरुण ने दिया जवाब

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में गुरुवार को किन्नर समुदाय का मुद्दा उठा। समाजवादी पार्टी के विधायक सचिन यादव ने कहा कि किन्नर समाज के लोगों को शिक्षा, राशनकार्ड, स्वास्थ्य, नौकरी जैसी सुविधाएं नहीं मिलती हैं। सरकार ने ट्रांसजेंडर कल्याण आयोग बनाया लेकिन उसका अध्यक्ष, सचिव, उपाध्यक्ष पुरुष हैं। ऐसे में उन्हें न्याय नहीं मिल सकता।

प्रश्नकाल के दौरान उठे सवाल के जवाब में सरकार का पक्ष रखते हुए समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि लोकतंत्र के इस मंदिर में इस प्रकार का पहला सवाल है। किन्नर समाज के बारे में जैसा सदस्य कह रहे हैं, ऐसा नहीं है। सरकार ने बहुत कुछ किया है। आगे भी करने वाली है।

उन्होंने बताया कि 2014 में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण बनाम भारत संघ जजमेंट से इसकी यात्रा शुरू हुई। मंत्री ने सरकार का पक्ष रखते हुए बताया कि थानों में अलग से एक सेल बनाई गई है। किन्नर समुदाय के साथी आज स्कूलों में, विश्वविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे हैं। बहुत से ऐसे हैं जो अपने पहनावे से अलग दिख जाते हैं लेकिन बहुत से अलग नहीं हो पाते। वे सब में शामिल हैं। उनकी पहचान नहीं हो पाती। पहचान हो पाए, इसके लिए सभी किन्नरों के लिए पहचान पत्र (ट्रांसजेंडर कार्ड) बनाये गए हैं और बनाये जा रहे हैं। स्वास्थ्य के लिए आयुष्मान कार्ड उनके लिए भी हैं। सरकार ट्रांसजेंडर महोत्सव का आयोजन करती है। उसमें समाज से जुड़े विषय पर चर्चा, परिचर्चा, फिल्मों का प्रदर्शन किया जाता है। उनके लिए मंच मुहैया कराया जाता है। इस समाज को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सरकार कार्य कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

रोजगार के लिए अंग्रेजी व कंप्यूटर भी सीखें मुस्लिम युवा: अंसारी

लखनऊ, एजेंसी। अल्पसंख्यक समाज के युवाओं के लिए भाषा शिक्षा को रोजगार से जोड़ना वक्त की जरूरत है। अरबी के साथ अगर अंग्रेजी, कंप्यूटर और तकनीकी कौशल भी सीखे जाएं तो युवाओं के लिए देश-विदेश में अवसरों के दरवाजे खुलते हैं। यह बात अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ व हज राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने मंगलवार को भाषा विश्वविद्यालय में अरबी विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन अवसर पर कही।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि शिक्षा, हुनर और रोजगार के बेहतर अवसर हर वर्ग तक पहुंचें। सरकार मदरसों और उच्च शिक्षण संस्थानों में भाषा शिक्षा को आधुनिक जरूरतों से जोड़ने के लिए प्रयासरत है। इस दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षकों, शोधार्थियों और बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे।
भाषा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. अनीस अंसारी ने कहा कि अरबी सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि इल्म, तहजीब और रूहानी विरासत की एक पूरी दुनिया है। अरबी के माध्यम से इस्लामी परंपरागत ग्रंथों के साथ ही खाड़ी देशों से जुड़े रोज़गार, व्यापार और कूटनीतिक अवसरों तक पहुंच बनती है। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि भाषाओं के जरिये समाज में सहअस्तित्व और आपसी समझ को बढ़ावा देना विश्वविद्यालय का उद्देश्य है।
सेमिनार संयोजक प्रो. मसूद आलम ने बताया कि इसमें तीन देशों के 15 से अधिक संस्थानों से 200 से ज्यादा विद्वान, शोधार्थी और छात्र भाग ले रहे हैं।

हाईकोर्ट ने निकांत जैन के खिलाफ अवैध वसूली व भ्रष्टाचार के मामले को रद्द किया

लखनऊ, एजेंसी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि सोलर मैन्युफैक्चरिंग परियोजना की मंजूरी के लिए परियोजना लागत के 5 प्रतिशत की रिश्वत मांगी गई। यह आपराधिक मामला प्रस्तावित सोलर पावर परियोजना से जुड़ा था।
हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने एक अहम फैसले में कारोबारी निकांत जैन के खिलाफ अवैध वसूली और भ्रष्टाचार के आरोप में चल रहे पूरे आपराधिक मामले को

रद्द कर दिया है। राजधानी के गोमतीनगर थाने से सबंधित यह आपराधिक मामला प्रस्तावित सोलर पावर परियोजना से जुड़ा था। न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश निकांत जैन की याचिका पर दिया। निकांत जैन को अभिषेक प्रकाश का करीबी माना जाता है। अदालत ने कहा कि शिकायतकर्ता ने स्वयं स्वीकार किया है कि शिकायत गलतफहमी के आधार पर दर्ज कराई थी।
मामले की एफआईआर 20 मार्च 2025 को गोमती नगर थाने में दर्ज की गई थी जो एक कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा सीएम को भेजी गई शिकायत पर आधारित थी।
शिकायत में आरोप लगाया गया था कि सोलर मैन्युफैक्चरिंग परियोजना की मंजूरी के लिए परियोजना लागत के 5 प्रतिशत की रिश्वत मांगी गई। निकांत की ओर से दलील गई दी कि आरोप अस्पष्ट, साक्ष्य विहीन और कारोबारी प्रतिद्वंद्विता व प्रशासनिक भ्रम का नतीजा हैं। यह भी तर्क दिया गया कि न तो कोई धनराशि दी गई न कोई संपत्ति या मूल्यवान प्रतिभूति सौंपी गई।
यह भी कहा गया कि विवेचना के दौरान नक्शा-नजरी नहीं बनाया गया और कथित एक करोड़ रुपये नकद की कोई बरामदगी भी नहीं हुई। कोर्ट ने भी पाया कि रिकॉर्ड पर ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे यह साबित हो कि अभियुक्त ने किसी लोक सेवक को अनुचित लाभ देने की पेशकश की हो।

सॉरी, फॉरगिव अस... लिखकर भाई-बहन ने चेकआउट से पहले दी जान

वाराणसी, एजेंसी। बड़ी बहन का अस्थि कलश लेकर काशी आए भाई और बहन ने सिगरा थाना के परेड कोठी के होटल सिटी इन के कमरा नंबर 2005 में विषाक्त का सेवन कर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खोला तो देखा कि दोनों की डेडबॉडी कमरे के फर्श पर पड़ी थी। कमरे में एक कागज पर सॉरी फॉरगिव अस लिखा मिला। पुलिस ने एफएसएल टीम को बुलाकर साक्ष्य संकलन कराया।

हैदराबाद के रहने वाले थे भाई-बहन
आधार कार्ड, पैन कार्ड से दोनों की पहचान हैदराबाद निवासी गणेश गौड़ गुनालापल्ली (46) और लक्ष्मी गुनालापल्ली (38) के रूप में हुई। पुलिस परिजनों से संपर्क में जुटी है। होटल मैनेजर आसिफ ने बताया कि दोनों ने आठ फरवरी को काशी दर्शन पूजन की बात कहकर होटल का कमरा बुक किया था। 10 फरवरी को चेक आउट था।

मौके पर छानबीन करती पुलिस – पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों के मां-पिता का निधन दो साल पहले हो चुका है। 28 जनवरी को बड़ी बहन अमला देवी का निधन हुआ था। दोनों बहन का अस्थि कलश लेकर आठ फरवरी को काशी पहुंचे। होटल लिया और दो दिनों तक भ्रमण किया। देखा जाए तो 10 फरवरी को बड़ी बहन की तेरहवीं भी थी। मंगलवार दोपहर दोनों को होटल छोड़ना था। जब होटल स्टाफ ने फोन किया और जवाब नहीं मिला तो उनके निजी नंबर पर कॉल किया। जवाब नहीं मिलने पर दरवाजा खटखटाया गया। शक होने पर पुलिस को बुलाया।

बड़ी बहन की अस्थियां विसर्जित करने आए थे

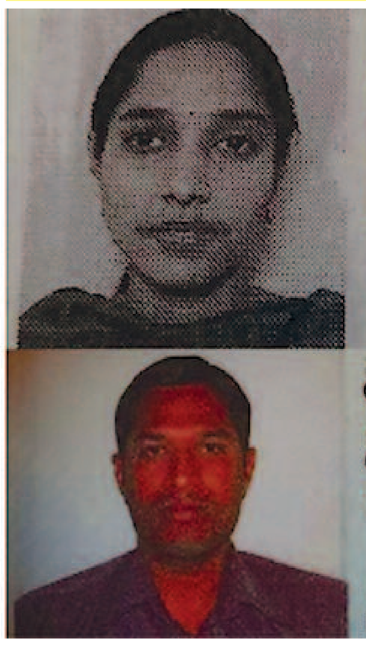

कमरे में ये मिला– कमरे से आधार कार्ड, पैन कार्ड, लैपटॉप, पासपोर्ट और 6.61 लाख रुपये मिले। मौके पर डीसीपी काशी जोन गौरव बंशवाल, सिगरा थाना प्रभारी ने कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। फिलहाल परिजनों का इंतजार किया जा रहा है।मृतक के परिजनों से संपर्क किया जा रहा है। कमरे से दवाइयां मिलीं। मृतकों में एक के मुंह से झाग आ रहा था। ऐसे में विषाक्त का सेवन करने की बात से इन्कार नहीं किया जा सकता। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। पूरा मामला क्या है इसकी जांच की जा रही है।

निकले थे कमाने..हादसे ने छीन लिया बेटा

पीलीभीत , एजेंसी। बेहतर भविष्य की आस में कमाई के लिए घर से निकले नेपाल निवासी सूरज ने हादसे में अपना बेटा गवां दिया। खुद भी गंभीर घायल सूरज की आंखों से अपने छोटे बेटे की फिक्र की वजह से आंसू तक नहीं निकल सके। घायल हालत में ही चिकित्सकों के पास जाकर बेटे की जानकारी लेते रहे। कई अन्य नेपाली नागरिक भी हादसे में घायल परिजनों को धैर्य बंधाते नजर आए। नेपाल में रहने वाले सूरज अपने 11 वर्षीय बेटे शुभान और छह वर्षीय सालिन को साथ लेकर भारत नेपाल मैत्री सेवा बस से दिल्ली जाने के लिए निकले थे। साथ में परिवार की महिला सदस्य भी थी। बस में आसपास जगहों के अन्य लोग भी सवार थे। सभी लोग काम-धंधे के लिए जा रहे थे। होनी को कुछ और ही मंजूर था। छुट्टा पशु के सामने आ जाने से बस और ट्रक की टक्कर में सूरज ने अपना बेटा खो दिया। छोटा बेटा सालिन और वह खुद भी घायल हो गए। इसके बावजूद सुबह नौ बजे वह चिकित्सकों से शुभान के शव के बारे में जानकारी कर रहे थे।

एसआईआर के लिए लगी भीड़, नो मैपिंग कार्य में दिखी तेजी

रायबरेली , एजेंसी। ब्लॉक मुख्यालय और ब्लॉक संसाधन केंद्र में मंगलवार को हरचंदपुर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के प्रथम चरण में नो मैपिंग का कार्य तेजी से किया गया। इस दौरान मतदाताओं की भीड़ देखी गई, जो अपने नाम सूची में शामिल कराने या संशोधन कराने के लिए उत्साहित दिखे। ब्लॉक परिसर में 8 और ब्लॉक संसाधन केंद्र में नौ सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) अलग-अलग काउंटरों पर सुबह से शाम तक उपस्थित रहे। बीएलओ द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, आवश्यक दस्तावेज लेकर पहुंचे मतदाताओं के नो मैपिंग का कार्य संपादित किया गया। उप जिलाधिकारी लालगंज मिथलेश त्रिपाठी ने बताया कि प्रथम चरण में लगभग 45 प्रतिशत नो मैपिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जिसमें लगभग 35 प्रतिशत सुनवाई पूरी हो चुकी है।

मतदाताओं को राहत देने की तैयारी

दूसरे चरण में 12 फरवरी से बूथ स्तर पर नो मैपिंग कार्य के साथ ही 29 हजार तार्किक विसंगतियों को दूर किया जाएगा। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य किसी भी मतदाता का नाम सूची से न छूटे और वे मतदान से वंचित न रहें। उन मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई है जिनके नाम वर्तमान 2025 की सूची से मेल नहीं खा रहे हैं।

दालमंडी में 14 नए मकान ध्वस्त

आगजनी और हंगामा करने वाले दो नामजद सहित आठ पर प्राथमिकी दर्ज

वाराणसी, एजेंसी। दालमंडी की सड़क चौड़ीकरण के लिए मंगलवार को भी ध्वस्तीकरण का अभियान चला। बुलडोजर की मदद से 14 नए भवन ध्वस्त किए गए। इसी बीच सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। दूसरी तरफ, गत सोमवार को आगजनी और हंगामा करने के मामले में दो नामजद सहित आठ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें पेट्रोल छिड़कर आग लगाने वाले अजमत का नाम भी शामिल है।

कड़ी सुरक्षा के बीच दालमंडी में ध्वस्तीकरण अभियान चल रहा है। सोमवार को जो 21 भवन ध्वस्त किए गए थे, उनका मलबा हटाने का काम भी जारी रहा। साथ ही नए भवन भी ध्वस्त किए गए। इसका विरोध हुआ। महिलाओं ने हंगामा किया। किसी ने दो महिलाओं

का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया जो पुलिस कर्मियों को खरी-खोटी सुना रही हैं।

यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसे देखते हुए ही पुलिस ने बैरिकेडिंग कर गली में लोगों की आवाजाही रोक लगा दी ताकि मकानों के ध्वस्तीकरण से कहीं कोई घायल न हो जाए। ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी की गई। वहीं, ट्रैफिक को वैकल्पिक मार्गों से निकाला गया। इस दौरान पुलिस, पीएसी और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

दालमंडी में मीडिया के प्रवेश पर प्रतिबंध – दो नामजद और छह अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

पुलिस ने आगजनी और हंगामा करने वाले दो नामजद और छह अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। दूसरी तरफ, हंगामा करने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार फारुख से मंगलवार को पूछताछ की गई। आगजनी करने वाले की तलाश की जा रही है। दालमंडी चौकी प्रभारी प्रकाश सिंह चौहान की तहरीर पर अजमत, फारूक खान सहित अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ चौक थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई।

181 मकान टूटेंगे, 191 करोड़ का मुआवजा– दालमंडी की सड़क चौड़ीकरण योजना में 50 से अधिक मकान ध्वस्त हो चुके हैं।

बरेली में सड़कों पर कुत्तों का आतंक, छतों पर बंदर मचा रहे उत्पात, लोगों ने गिनाईं समस्याएं

बरेली , एजेंसी। बरेली के पॉश इलाकों में कुत्तों और बंदरों से लोग परेशान हैं। छतों पर बंदर उत्पात मचाते हैं तो सड़कों पर कुत्तों का आतंक है। ये बातें गांधी उद्यान व रामपुर बाग वार्ड के लोगों ने मंगलवार को संवाद कार्यक्रम में कहीं। नगर के वीआईपी इलाकों में रामपुर बाग व गांधी उद्यान वार्ड की गिनती

होती है। यहां पर तमाम बड़े अधिकारियों के आवास व कॉलोनियां हैं। इसके बाद भी यहां पर जनसुविधाओं के नाम पर लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। गांधी उद्यान वार्ड में 15 हजार की आबादी व करीब 10 हजार मतदाता हैं। रामपुर बाग वार्ड में भी लगभग इतनी ही आबादी और मतदाता होंगे। इन वार्डों में बंदर के खौफ से हर कोई परेशान दिखा। किसी ने कहा कि बागवानी बंदर उजाड़ रहे हैं। घरों के बाहर लोगों का बैठना मुश्किल है। छत पर सूखने के लिए कपड़े डालो तो बंदर उठा ले जाते हैं या फिर फाड़ देते हैं। इसके लिए नगर निगम की तरफ से कोई सुधि न लेने से लोगों में निराशा है।

लोगों ने साझा की समस्या

संगीतकार गुरुदीप सिंह ने बताया कि किसी व्यक्ति ने अगर सड़क पर कूड़ा फेंक दिया तो सफाई कर्मचारी कहते हैं कि नगर पालिका से कहलवाएं, तब उठाएंगे। स्ट्रीट लाइट में ऑन-ऑफ की ऑटोमेटिक व्यवस्था न होने पर दिन में भी ये जलती रहती हैं। टैग लगे छुट्टा पशु भी सड़क पर घूम रहे हैं। दरवाजे पर गोबर कर रहे हैं। सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर अरुण शर्मा ने कहा कि समस्या को सुना जा रहा है, वहीं अधिकारी हमारी सुनते तक नहीं हैं। इससे हमारी समस्याओं का निस्तारण नहीं हो पा रहा है। अधिकारियों को चाहिए कि वे लोगों के बीच आकर उनकी परेशानी पर ध्यान दें। सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. राजेश अग्रवाल ने बताया कि सड़क पर कुत्तों की तरह बंदर भी झपट्टा मारते हैं। कुछ जगहों पर तो लोगों ने अपने पालतू कुत्ते तक सड़क पर छोड़ दिए हैं। नगर निगम और वन विभाग को चाहिए कि कुत्तों और बंदरों की पकड़ने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाए। रामपुर बाग के पार्षद राजेश अग्रवाल ने बताया कि राम वाटिका, खुर्रम गोटिया में पानी की समस्या से लोग जूझ रहे हैं। आवास विकास परिषद की कॉलोनी में सीवर की निकासी अच्छी न होने से लोगों के घरों में गंदा पानी भर जाता है। सीएम ग्रिड से सड़कें बनाकर सकरी करते जा रहे हैं। स्मार्ट मीटर लोगों के लिए सिरदर्द बन गए हैं। एजेंसी के जरिए सफाई से व्यवस्था चौपट होती जा रही है।

इन्होंने गिनाई अपनी समस्याएं

सबा खान, तुबा अहमद, श्वेता शर्मा, रागिनी अग्रवाल, कंचन शर्मा, शिक्षक रवि शर्मा, डॉ. सत्येंद्र पाल, सुधीर मित्तल जैन, हरिशंकर अग्रवाल आदि ने अपनी समस्याएं गिनाईं।

एम्स के ट्रॉमा सेंटर का मुद्दा गरमाया, दिल्ली तक पहुंची बात

रायबरेली , एजेंसी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में ट्रॉमा सेंटर का मुद्दा गरमा गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय से हरी झंडी मिलने के बाद भी सुविधा व मिलने पर यह बात दिल्ली तक पहुंच गई है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने सदन में मामले को उठाया। कहा कि एम्स रायबरेली के पीछे सोनिया गांधी का हाथ था, इसलिए अब राजनीतिक द्वेष के कारण इसे आगे नहीं बढ़ाया जा रहा है। हालात ये हैं कि नए बजट में सरकार ने एम्स रायबरेली को कुछ भी नहीं दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एम्स में ट्रॉमा सेंटर की सुविधा उपलब्ध होती तो गंगा एक्सप्रेसवे पर हुए दर्दनाक हादसे में घायल

युवतियों को बचाया जा सकता था। आठ अक्टूबर 2013 में एम्स की आधारशिला रखी गई थी, लेकिन आज 12 साल से ज्यादा बीत जाने के बाद भी ये अस्पताल अपनी पूरी क्षमता के साथ लोगों की सेवा के लिए तैयार नहीं हो पाया है। पहले इस अस्पताल में 960 बेड का प्रारूप था, लेकिन अभी 610 बेड हैं। यहां कुल 200 सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों की पोस्ट है, अभी सिर्फ 37 उपलब्ध हैं। वहीं यहां प्रोफेसर के 33 पद स्वीकृत हैं, जिनमें सिर्फ सात नियुक्त हैं।
वित्त विभाग में अटकी एम्स में ट्रॉमा सेंटर की फाइल– एम्स में हाईटेक ट्रॉमा सेंटर की फाइल वित्त विभाग में अटकी है। हालांकि स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे पास कर दिया है।

होली में अमृतसर, लालकुआं, अंबाला और राजकोट के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेनें- 27 तक होंगी संचालित

गोरखपुर , एजेंसी। पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि 05005/05006 बढ़नी-अमृतसर-बढ़नी होली स्पेशल ट्रेन का संचालन चार से 25 मार्च तक किया जाएगा। यह ट्रेन बढ़नी से प्रत्येक बुधवार और अमृतसर से प्रत्येक बृहस्पतिवार को कुल चार फेरे लगाएगी। इसके अलावा 05023/05024 गोमतीनगर-खातीपुरा-गोमतीनगर होली स्पेशल ट्रेन तीन से 25 मार्च तक चलाई जाएगी, जिससे उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान के यात्रियों को लाभ मिलेगा।

होली के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ और मांग को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने अमृतसर, लालकुआं, अंबाला और राजकोट

के लिए होली स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। मार्च में विभिन्न रूटों पर विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाएगा, जिससे यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिल सके।

इसके अलावा 05023/05024 गोमतीनगर-खातीपुरा-गोमतीनगर होली स्पेशल ट्रेन तीन से 25 मार्च तक चलाई जाएगी, जिससे उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान के यात्रियों को लाभ मिलेगा। इसी क्रम में 05045/05046 लालकुआं-राजकोट-लालकुआं साप्ताहिक होली स्पेशल ट्रेन एक से 30 मार्च तक और 05301/05302 मऊ जंक्शन-अंबाला कैंट-मऊ जंक्शन साप्ताहिक होली स्पेशल ट्रेन पांच से 27 मार्च तक संचालित की जाएगी।

इन ट्रेनों के माध्यम से पूर्वांचल, उत्तराखंड, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और गुजरात जैसे राज्यों के बीच यात्रा सुगम होगी। इन सभी होली स्पेशल ट्रेनों में शयनयान, सामान्य द्वितीय श्रेणी, वातानुकूलित श्रेणियों सहित पर्याप्त संख्या में कोच लगाए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक यात्रियों को सुविधा मिल सके।

त्योहार को देखते हुए परिवहन विभाग भी आने वाले दिनों में गोरखपुर से लखनऊ-दिल्ली और अन्य स्थानों के लिए बसों की सेवा शुरू कर सकता है।

निजी क्लीनिक की कफ सिरप बनी जहर

दो साल के मासूम ने दवा पीते ही तोड़ा दम, परिजनों में मचा कोहराम

कानपुर, एजेंसी। हमीरपुर जिले में मौदहा कस्बे के सिचौलीपुरवा मोहल्ले में मंगलवार शाम निजी क्लीनिक से मिली कफ सिरप पिलाने के बाद दो वर्षीय मासूम की मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। मोहल्ला सिचौलीपुरवा निवासी ब्रजेश का दो वर्षीय पुत्र कार्तिक सर्दी-जुकाम से पीड़ित था। मंगलवार शाम उसकी मां रोशनी उसे मोहल्ले में संचालित एक निजी क्लीनिक पर ले गई। परिजनों के अनुसार, क्लीनिक संचालित करने वाली महिला चिकित्सक ने बच्चे को देखने के बाद अपने पास से कफ सिरप दे दी। मां का कहना है कि घर पहुंचकर उसने बच्चे को एक ढक्कन सिरप पिला दिया। कुछ ही देर में बच्चा अचेत हो गया। शरीर में हरकत न होने पर वह घबराकर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया।

● **पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगी कार्रवाई–** परिजन उसे जिला अस्पताल भी ले गए, लेकिन वहां भी चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता ब्रजेश दिल्ली में काम करते हैं। उन्हें घटना की सूचना दे दी गई है। कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि मृतक के पिता की फौती सूचना के आधार पर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच की जा रही है।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बदली निगम मुख्यालय की तस्वीर, हुआ हाईटेक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नवयुग मार्केट स्थित नगर निगम मुख्यालय की तस्वीर बदलने में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक लगे हुए है। उन्होंने जहां नगर निगम मुख्यालय की झाड़ती हुई छत और टूटी हुई कुर्सियों को बदलवाया है तो वहीं उसे पूरी तरीके से हाईटेक करने का प्रयास भी किया है। मुख्यालय में आग लग जाने के बाद भी सदन कक्षा को भी हाईटेक किया जा रहा है। इसके अलावा नगर निगम मुख्यालय परिसर में बनाई गई आईटीएमएस बिल्डिंग को हाईटेक बनाया गया है और उसका इंफ्रास्ट्रक्चर भी आकर्षक पूर्ण बनाया गया है। इसके अतिरिक्त बायोडायवर्सिटी पार्क, सीनियर सिटीजन केयर सेंटर, टीएसटीपी प्लांट, सीएम ग्रिड, स्पोर्ट्स कंपलेक्स, इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर, निगम स्कूलों में डिजिटल लैब, प्राकृतिक पेंट प्लांट की शुरूआत उन्होंने की है, जिससे शहर को नया स्वरूप दिया जा सके। शहर के प्रमुख चौराहों का सौंदर्यकारण किया जा रहा है और शहर के प्रमुख मार्गो पर पेंटिंग का कार्य इस समय चल रहा है। मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय के जीर्णोद्धार का कार्य जोरों पर चल रहा है, जिसमें आवश्यकता को देखते हुए कार्य कराए गए है। पुरानी इलेक्ट्रिसिटी की व्यवस्था को बदलते हुए सभी तारों को बदल गया है। साथ ही प्रत्येक ताल पर लाइट के पैनल भी बदले गए है। अग्नि सुरक्षा संयंत्र भी सुचारु किया जा रहा है, जिसमें फायर प्रोटक्शन सिस्टम भी लगाए गए है। सदन कक्ष में विशेष रूप से स्प्रिंकलर नोजल भी लगाए गए है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि प्रत्येक सप्ताह में सभी विभागों के बने हुए कार्य स्थलों का जायजा लिया जा रहा है, जिसमें न केवल स्टाफ के बैठने की व्यवस्था को बेहतर किया जा रहा है, बल्कि हर विभाग में आगंतुकों का आवागमन रहता है। मुख्य समस्या फाइलों के रखरखाव की तथा स्टोर रूम की बनी हुई है, जिसको ध्यान में रखते हुए तैयारी की जा रही है। योजना बनाते हुए स्टोर रूम बनाने के लिए भी टीम को निर्देश दिए गए है।

वार्ड संख्या 16 में 19 विकास कार्यों का लोकार्पण, नागरिक सुविधाओं को मिली मजबूती

बिजनौर (शिखर समाचार) नगर पालिका परिषद बिजनौर द्वारा शहर में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने और विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से वार्ड संख्या 16 में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पूर्ण हुए 19 निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया गया। आयोजित लोकार्पण समारोह में नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष इंदिरा सिंह और भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. बीरबल सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर कार्यों का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में वार्डवासी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। समारोह को संबोधित करते हुए अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने कहा कि नगर पालिका परिषद का प्रमुख लक्ष्य नगर के प्रत्येक क्षेत्र तक सड़क, प्रकाश व्यवस्था और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि परिषद योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है ताकि किसी भी वार्ड में विकास कार्य अधूरे न रहें। नगर के समग्र विकास, स्वच्छता व्यवस्था और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आने वाले समय में भी अन्य वार्डों में इसी प्रकार के विकास कार्य कराए जाएंगे। इस अवसर पर स्थानीय सभासद अमित कुमार ठाकुर, संजय बिश्नोई, दीपक गर्ग मोनू, अभिषेक राणा, अफजल पहाड़ी, कासिम साहू, शमशाद अहमद, नीरज शर्मा, मनी चौधरी, सानू जिंगल और वंदना अग्रवाल सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य लोगों में सत्यवीर त्यागी, योगेश शर्मा, विजेंद्र सिंह, पवन कुमार, उज्जवल शर्मा और डॉ. अमित नारायण ने भी भाग लिया और विकास कार्यों की सराहना की। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी विकास कुमार, सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी, अवर अभियंता यशवंत सिंह, गौरव शर्मा और सोनिका गर्ग सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे। वार्डवासियों ने विकास कार्य पूरे होने पर प्रसन्नता जताते हुए नगर पालिका प्रशासन का आभार व्यक्त किया और कहा कि इन कार्यों से क्षेत्र की मूलभूत सुविधाएं और बेहतर होंगी।

एडिशनल सीपी केशव कुमार चौधरी ने थाना टीला मोड़ का निरीक्षण करते हुए की बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सिटीजन पुलिसिंग को मजबूत करते हुए थानों पर बेहतर व्यवस्था करने के लिए अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय/अपराध लगातार निरीक्षण कर रहे है। इतना ही नहीं गाजियाबाद के प्रत्येक थाने पर विवेचकों के साथ बैठक करते हुए लम्बित विवेचनाओं की पूर्ण जानकारी ले रहे है। एडिशनल सीपी ने थाना टीला मोड़ पर विवेचकों के साथ बैठक करते हुए थाने का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने सभी विवेचकों को निर्देशित किया कि महिला संबंधित अपराधों में त्वरित कार्यवाही करें, जिससे उन्हें न्याय दिलाते हुए आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दिलाई जा सके। हिनियस क्राइम में मजबूती के साथ साक्ष्य का संकलन करें, जिससे अपराधी के खिलाफ सख्त पैरवी हो सके। महिला संबंधित अपराधों में कोई भी विवेचक किसी भी तरह की कोई लापरवाही नहीं करें। इसके अलावा जिस भी विवेचनक के पास विवेचनाएं लंबित है, वह सभी जल्द से जल्द गुणवत्ता के साथ विवेचनाओं का निष्ठतारण करें। बैठक के बाद उन्होंने थाना टीला मोड़ का निरीक्षण किया और निरीक्षण के दौरान एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह व थाना अध्यक्ष टीला मोड़ रवि बालियान को सभी व्यवस्थाएं को पुख्ता रखने के आदेश दिए। थाने पर आने वाले फरियादियों के साथ मधुर व्यवहार किया जाए और उनकी सभी समस्या सुनी जाए। महिला परामर्श केंद्र पर आने वाली महिलाओं की शिकायत पर प्रभावी कार्यवाही की जाए और इसकी सूचना आला अधिकारियों को भी दी जाए। थाने पर रजिस्टर मेंटेन किया जाए और उनका ढंग से रखरखाव किया जाए। सीसीटीवी कैमरे चालू रहने चाहिए और उनकी रिकॉर्डिंग को भी सेव करने की व्यवस्था करें।

पूर्व मंत्री मदन चौहान पर जानलेवा हमले के प्रयास मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, देसी पिस्टल बरामद

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (शिखर समाचार) जनपद में अपराध की रोकथाम और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व मंत्री मदन चौहान पर जानलेवा हमले के प्रयास के मामले में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त देसी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार यह घटना उस समय की है जब पूर्व मंत्री मदन चौहान ग्राम हिरणपुरा में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। उसी दौरान उन पर जानलेवा हमला करने का प्रयास किया गया था। मामले में दर्ज मुकदमा संख्या 73/2026, धारा 109(1) और 352 भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने दोनों वांछित आरोपियों को बागड़पुर तिराहे से गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली प्रभारी देवेंद्र बिष्ट ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में अपने नाम शिवम लोधी पुत्र राकेश लोधी निवासी राजीव नगर, कस्बा व थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़ तथा शुभम भाटी पुत्र शिवकुमार निवासी मीठो शरणार्थी कॉलोनी, कस्बा व थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़ बताए हैं। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से एक देसी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए, जिन्हें घटना में प्रयुक्त होना बताया जा रहा है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक युवराज सिंह, उपनिरीक्षक गौरव आर्य, मुख्य आरक्षी पवन कुमार और आरक्षी मनीष कुमार शामिल रहे।

ट्रक बुकिंग के नाम पर 43 हजार की ठगी, पुलिस ने पीड़ित को 20 हजार रुपए दिलाए वापस

हापुड़ (शिखर समाचार) थाना धौलाना क्षेत्र के एक उद्यमी से साइबर ठगों ने ट्रक बुकिंग कराने के नाम पर 43 हजार रुपए की ठगी कर ली। मामले की शिकायत मिलने के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ठगी गई रकम में से 20 हजार रुपए पीड़ित को वापस दिला दिए हैं, जबकि शेष धनराशि की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। जानकारी के अनुसार धौलाना क्षेत्र निवासी उद्यमी शैलेन्द्र सिंह ने ट्रक बुकिंग के लिए इंटरनेट पर संपर्क नंबर खोजा था। इसी दौरान वह एक साइबर ठग के जाल में फंस गए।

ठग ने खुद को ट्रांसपोर्ट सेवा से जुड़ा प्रतिनिधि बताते हुए उन्हें मोबाइल पर एक एप्लीकेशन फाइल डाउनलोड करने के लिए कहा। जैसे ही पीड़ित ने वह फाइल अपने मोबाइल में स्थापित की, ठग ने दूरस्थ तरीके से फोन का नियंत्रण हासिल कर लिया। इसके बाद साइबर ठग ने बैंक खाते की जानकारी का दुरुपयोग करते हुए खाते से 43 हजार रुपए निकाल लिए। खाते से रकम कटने का संदेश मिलने पर पीड़ित को ठगी का पता चला, जिसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस से शिकायत की। थाना प्रभारी अवनीश शर्मा ने बताया कि शिकायत मिलते ही साइबर टीम की मदद से कार्रवाई शुरू की गई। त्वरित प्रयासों के चलते 20 हजार रुपए पीड़ित के खाते में वापस करा दिए गए हैं। बाकी धनराशि की वापसी के लिए संबंधित बैंक और साइबर प्रकोष्ठ के माध्यम से आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि ट्रक या अन्य सेवाओं की बुकिंग करते समय केवल अधिकृत और सत्यापित माध्यमों का ही उपयोग करें तथा किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में कोई फाइल या एप्लीकेशन स्थापित न करें।

तीन मंजिला मकान की छत से गिरा ढाई साल का मासूम, खेलते समय हुआ दर्दनाक हादसा

रबूपुरा (शिखर समाचार) कस्बे के मोहल्ला आंबेडकर नगर में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में ढाई वर्षीय मासूम की मौत हो गई। मासूम तीन मंजिला मकान की छत पर खेलते समय अचानक रेलिंग से नीचे गिर गया। घटना के बाद पूरे मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गमगीन माहौल में बच्चे का अंतिम संस्कार कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार मोहल्ला आंबेडकर नगर निवासी पंकज की पत्नी खुशबू दोपहर के समय अपने तीन मंजिला मकान की छत पर कपड़े सुखा रही थीं। उसी दौरान उनका ढाई वर्षीय बेटा शिवम भी छत पर खेल रहा था। खेलते-खेलते शिवम छत पर लगी रेलिंग पर चढ़ गया। इसी बीच अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे नीचे जा गिरा।

नीचे गिरते ही जोरदार आवाज सुनकर परिवार के लोग और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। बच्चे को गंभीर हालत में तुरंत स्थानीय चिकित्सक के पास ले जाया गया, लेकिन जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

महाशिवरात्रि पर ट्रैफिक व्यवस्था: हापुड़ जिले में 13 से 16 फरवरी तक रूट डायवर्जन लागू

हापुड़ (शिखर समाचार) महाशिवरात्रि पर्व के मद्देनजर यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने जिले में 13 फरवरी दोपहर 12 बजे से 16 फरवरी शाम 4 बजे तक विशेष रूट डायवर्जन लागू करने का निर्णय लिया है। इस दौरान ट्रक, कैंटर, ट्रैक्टर सहित सभी मालवाहक भारी वाहन तथा हल्के व्यावसायिक वाहन जैसे जीप, पिकअप आदि निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से संचालित किए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानजय सिंह ने बताया कि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ और ट्रैफिक दबाव को देखते हुए यह व्यवस्था लागू की जा रही है।

दिल्ली से मुरादाबाद/बरेली जाने वाला यातायात

दिल्ली व गाजियाबाद से मुरादाबाद और बरेली जाने वाले भारी वाहन लालकुआं से दादरी, सिकंदराबाद तथा डासना से पेरिफेरल एक्सप्रेसवे होते हुए दादरी जीटी रोड उतरकर सिकंदराबाद, बुलंदशहर, नरौरा, बबराला, बहजोई, डिबाई और चंदौसी के रास्ते मुरादाबाद जाएंगे। डासना से छिजारसी टोल प्लाजा पहुंचने वाले भारी वाहनों को यू-टर्न कराकर वापस पेरिफेरल एक्सप्रेसवे की ओर भेजा जाएगा।

हरियाणा/राजस्थान/दिल्ली एनसीआर से मेरठ व उत्तराखंड की ओर

मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, हरिद्वार और देहरादून जाने वाले सभी भारी वाहन छिजारसी टोल प्लाजा से निजामपुर फ्लाईओवर, सोना फ्लाईओवर, ततारपुर चौराहा और टियाला अंडरपास से मेरठ किठौर होकर आगे बढ़ेंगे।

मेरठ से मुरादाबाद

मेरठ से मुरादाबाद जाने वाला यातायात मवाना रोड, मीरापुर बैराज, बिजनौर कोतवाली देहात, नगीना, धामपुर, कांठ और छजलैट होते हुए मुरादाबाद जाएगा।

मुरादाबाद/उत्तराखंड से दिल्ली, गाजियाबाद

मुरादाबाद से छजलैट, कांठ, धामपुर, नगीना, बिजनौर, मीरापुर बैराज, मवाना, परीक्षितगढ़, किठौर, टियाला अंडरपास, ततारपुर चौराहा, सोना फ्लाईओवर, निजामपुर फ्लाईओवर और छिजारसी टोल प्लाजा होते हुए यातायात दिल्ली गाजियाबाद पहुंचेगा। वैकल्पिक रूप से मुरादाबाद से संभल, बबराला, नरौरा, डिबाई, बुलंदशहर और सिकंदराबाद मार्ग भी उपयोग किया जा सकेगा।

गजरौला से दिल्ली गाजियाबाद

गजरौला चौपला से मंडी धनौरा, चांदपुर, हल्दौर, बिजनौर, मीरापुर बैराज, मवाना, परीक्षितगढ़, किठौर, टियाला अंडरपास, ततारपुर चौराहा, सोना फ्लाईओवर और निजामपुर फ्लाईओवर होकर वाहन दिल्ली/गाजियाबाद जाएंगे।

मेरठ से दिल्ली गाजियाबाद

मेरठ से आने वाले वाहन टियाला, ततारपुर चौराहा, सोना फ्लाईओवर, निजामपुर फ्लाईओवर और छिजारसी टोल प्लाजा होकर गुजरेंगे।

छोटे वाहनों के लिए भी विशेष व्यवस्था

दिल्ली गाजियाबाद से मुरादाबाद/बरेली जाने वाले छोटे वाहन डासना से पेरिफेरल एक्सप्रेसवे होते हुए दादरी जीटी रोड, सिकंदराबाद, बुलंदशहर, नरौरा, बबराला, बहजोई, डिबाई और चंदौसी मार्ग से जाएंगे।

हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली एनसीआर से मेरठ व उत्तराखंड की ओर जाने वाले छोटे वाहन भी छिजारसी टोल प्लाजा से निजामपुर, सोना फ्लाईओवर, ततारपुर चौराहा और टियाला अंडरपास होकर मेरठ किठौर मार्ग से गुजरेंगे।

मेरठ से मुरादाबाद, मुरादाबाद से दिल्ली तथा गजरौला से दिल्ली जाने वाले छोटे वाहनों पर भी वही वैकल्पिक मार्ग लागू रहेंगे, जो भारी वाहनों के लिए निर्धारित किए गए हैं।

श्रम कानून वापस लेने की मांग को लेकर भाकपा ने सौंपा ज्ञापन

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के कार्यकताओं ने श्रमिक विरोधी बताए जा रहे चारों श्रम कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी की अनुपस्थिति में कानूनगो को सौंपा। कार्यकताओं ने सरकार की नीतियों के विरोध में व्यापक आंदोलन की चेतावनी भी दी। गुरुवार को भाकपा नेता शराफत हुसैन के नेतृत्व में बढ़ापुर क्षेत्र के कार्यकर्ता तहसील परिसर पहुंचे और अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि मजदूरों के अधिकारों को प्रभावित करने वाले चारों श्रम कानून तत्काल प्रभाव से निरस्त किए जाएं। पार्टी ने आरोप लगाया कि इन कानूनों से श्रमिकों की सुरक्षा और सुविधाओं में कमी आएगी, जिससे व्यापक स्तर पर मजदूर वर्ग प्रभावित होगा। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि 12 फरवरी 2026 को पूरे देश में श्रमिक संगठनों द्वारा हड़ताल का आह्वान किया गया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा किसानों के हितों के विरुद्ध किए गए व्यापारिक समझौतों को रद्द करने तथा मनरेगा कानून को पहले की तरह प्रभावी रूप से बहाल करने की मांग भी उठाई गई। कार्यकताओं ने कहा कि श्रमिकों और किसानों के हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में शराफत हुसैन, हरपाल सिंह, हरकिशन सिंह, सलीम अंसारी, मोहम्मद शहजाद, जियाउल इस्लाम, असलम, जहीर कुरैशी, साजिद, मूसा और संजीव कुमार सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जलालपुर में बाबा का बुलडोजर: पाइपलाइन रोड पर अवैध दुकानों और गोदाम का हुआ सफाया

आरव शर्मा

गाजियाबाद(शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण के खिलाफ अपनी सख्त कार्रवाई जारी रखते हुए गुरुवार को मुरादनगर क्षेत्र के ग्राम जलालपुर में भारी विरोध के बीच ध्वस्तीकरण की बड़ी कार्रवाई की। प्राधिकरण की टीम ने पाइपलाइन रोड पर निमार्णाधीन अवैध दुकानों और एक लोहे के गोदाम को पूरी तरह जमींदोज कर दिया।

विरोध पर भारी पड़ा प्राधिकरण का दस्ता

प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के सख्त निर्देशों के बाद प्रवर्तन जोन-02 की टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। ग्राम जलालपुर के खसरा संख्या-158 पर असलम और लियाकत अली द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृत कराए लगभग 300 वर्ग मीटर क्षेत्र में अवैध निर्माण किया जा रहा था। भूखंड के सामने के हिस्से में चार दुकानों का निर्माण कार्य चल रहा था, जिसे प्राधिकरण ने अवैध घोषित कर दिया।

जीडीए की चेतावनी: अवैध निर्माण पर नहीं मिलेगी राहत

जीडीए के अधिकारियों ने साफ किया है कि क्षेत्र में बिना नक्शा पास कराए किसी भी प्रकार का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ध्वस्तीकरण की इस कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन जोन-2 के प्रभारी, सहायक अभियंता, अवर अभियंता और भारी संख्या में प्राधिकरण का पुलिस बल मौजूद रहा।

प्राधिकरण की इस अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध कोलोनाइजरों में हड़कंप मचा हुआ है। विभाग ने स्पष्ट संदेश दिया है कि सरकारी नियमों को ताक पर रखकर किए गए निमार्णों पर आने वाले दिनों में भी इसी तरह का एक्शन जारी रहेगा।

कार्रवाई के दौरान निर्माणकताओं और कोलोनाइजरों ने दस्ते का रास्ता रोकने और काम बंद न करने का भारी विरोध किया। हालांकि, पुलिस और प्रवर्तन दस्ते की मुस्तैदी के आगे उनकी एक न चली। देखते ही देखते जेसीबी ने निमार्णाधीन दुकानों के साथ-साथ लोहे के फ्रेम से बने अवैध गोदाम और साइड ऑफिस को ढहा दिया।

जनपद स्तरीय बाल उत्सव में बच्चों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा, चयनित प्रतिभागी मंडल स्तर पर करेंगे जनपद का प्रतिनिधित्व

हापुड़ (शिखर समाचार) प्रगति, स्वाभिमान और सफलता की ओर 2.0 बाल उत्सव कार्यक्रम जनपद स्तर पर धूमधाम और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रीतु तोमर ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम में विभिन्न विकास खंडों से आए बच्चों ने अपनी रचनात्मक क्षमता, कल्पनाशीलता और अभिव्यक्ति कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बाल उत्सव जैसे आयोजन विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति क्षमता को निखारने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि मेरे बदलाव की कहानी और चित्रकथा पुस्तक आधारित गतिविधियों से बच्चों में सामाजिक सरोकारों की समझ विकसित होती है। ऐसे मंचों के माध्यम से बालिकाओं सहित सभी बच्चों को आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। बाल उत्सव के अंतर्गत जिले के सभी विकास खंडों से लगभग 60 बच्चों ने भाग लिया। जिला नोडल बालिका शिक्षा मीनाक्षी शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि 30 बच्चों ने मेरे बदलाव की कहानी विषय पर तथा 30 बच्चों ने चित्रकथा पुस्तक आधारित चार्ट-पोस्टर पर रचनात्मक कार्य प्रस्तुत किया। दोनों प्रतियोगिताओं से चयनित पांच-पांच बच्चों को मंडल स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग के लिए भेजा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मीना मंच के माध्यम से बच्चों ने बालिका सशक्तिकरण से जुड़े अपने अनुभव और विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए, जिन्हें उपस्थित अधिकारियों और शिक्षकों ने सराहा। प्रतिभागी बच्चों ने पूरे उत्साह और लगन के साथ दोनों विषयों पर कार्य किया। प्रस्तुत कार्यों का अनुश्रवण जनपद स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों कविता सिंह, प्रतिष्ठा, मोनिका अग्रवाल, शानू, रश्मि शर्मा और भावना शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन अंजू आजाद तथा संजय शर्मा ने किया।

जिला समन्वयक (बालिका शिक्षा) पूजा सैनी ने बताया कि जनपद स्तर से चयनित प्रतिभागी मंडल स्तर पर हापुड़ का नाम रोशन करेंगे और बेहतर प्रदर्शन के लिए उन्हें मार्गदर्शन भी दिया जाएगा।

इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी योगेश गुप्ता, देशराज वत्स, मनोज गुप्ता, जिला समन्वयक अमित शर्मा, नाजिम हुसैन, निखिल रावत, खिजर इकबाल, संजय कुमार यादव, राज्य संदर्भ समूह के सदस्य भारत शर्मा, सोहनवीर सिंह सहित सभी सहायक संदर्भ व्यक्ति, नोडल शिक्षक, सुगमकर्ता शिक्षक तथा विभिन्न विकास खंडों से आए बच्चे उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर मेरठ परिक्षेत्र में सुरक्षा के अभेद्य इंतजाम: 37 राजपत्रित अधिकारी और 3 हजार पुलिसकर्मी संभालेंगे कमान

मेरठ(शिखर समाचार)। आगामी फाल्गुन महाशिवरात्रि पर्व को देखते हुए मेरठ परिक्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा घेरा तैयार किया है। डीआईजी मेरठ रेंज कलानिधि नैथानी ने परिक्षेत्र के सभी जनपदों (मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़) के लिए विस्तृत सुरक्षा कार्ययोजना जारी की है। 13 फरवरी से 16 फरवरी 2026 तक चलने वाले इस उत्सव में मुख्य पर्व 15 फरवरी को मनाया जाएगा, जिसके लिए पुलिस बल को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

जोन और सेक्टर में बंटा परिक्षेत्र, चप्पे-चप्पे पर रहेगी नजर

सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए पूरे परिक्षेत्र को 29 जोन और 88 सेक्टर में विभाजित किया गया है। कानून व्यवस्था की निगरानी के लिए 37 राजपत्रित अधिकारी तैनात किए गए हैं, जिनमें 7 अपर पुलिस अधीक्षक और 30 क्षेत्राधिकारी (सीओ) शामिल हैं। इसके अलावा 139 निरीक्षक, 783 उप-निरीक्षक, 777 मुख्य आरक्षी, 927 आरक्षी, 265 होमगार्ड/पीआरडी के जवान और पीएसी की 5 कंपनियां मोर्चा संभालेंगी। आपात स्थितियों से निपटने के लिए 54 क्विक रिएक्शन टीमें (QRT) भी गठित की गई हैं।

प्रमुख मंदिरों और कांवड़ मार्गों पर विशेष निगरानी

परिक्षेत्र के 21 मुख्य मंदिरों, जहां 5,000 से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, वहां विशेष प्रबंध किए गए हैं। बागपत के पुरा महादेव मंदिर, मेरठ के बाबा ओघड़नाथ मंदिर, बुलंदशहर के बाबा अंबकेश्वर महादेव और हापुड़ के सबली मंदिर पर जलाभिषेक के लिए भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है। प्रशासन ने 28 मुख्य कांवड़ मार्गों, 21 मेलों, 14 घाटों और 89 शिविरों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। संवेदनशीलता के आधार पर 165 हॉट-स्पॉट चिन्हित किए गए हैं, जबकि जनपदों की सीमाओं पर 58 बैरियर और 37 पिकेट स्थापित किए गए हैं।

भीड़ प्रबंधन और सीसीटीवी-ड्रोन से मॉनीटरिंग

डीआईजी कलानिधि नैथानी ने निर्देश दिए हैं कि भीड़ नियंत्रण के लिए 'होल्डिंग एरिया' बनाए जाएं और मंदिरों के प्रवेश व निकास द्वार पर मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) का कड़ाई से पालन हो। सुरक्षा की डिजिटल निगरानी के लिए ड्रोन और आईपी कैमरों का उपयोग किया जाएगा, जिनका सीधा एक्सेस कंट्रोल रूम के पास होगा। कांवड़ मार्गों और मंदिरों में लगे सीसीटीवी कैमरों की 24 घंटे मॉनीटरिंग की जाएगी। इसके साथ ही बम निरोधक दस्ता (BDS), एंटी-सबोटॉज चेक (AS Check) टीम और खुफिया विभाग (LIU) को भी सक्रिय कर दिया गया है।

सामाजिक सौहार्द और असामाजिक तत्वों पर जीरो टॉलरेंस

त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए अब तक धर्मगुरुओं और शांति समितियों के साथ 122 गोष्ठियां और शिविर संचालकों के साथ 71 बैठकें की जा चुकी हैं। डीआईजी ने स्पष्ट किया है कि सांप्रदायिक विवादों या अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जाएगी। सोशल मीडिया सेल को भ्रामक सूचनाओं पर तत्काल खंडन और वैधानिक कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी और एंटी-रोमियो स्क्वाड तैनात रहेंगे।

यातायात प्रबंधन और बुनियादी सुविधाएं

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यातायात डायवर्जन प्लान लागू किया गया है। पार्किंग स्थलों को मंदिर परिसर से दूर चिन्हित किया गया है ताकि जाम की स्थिति न बने। साथ ही, पुरा महादेव मंदिर के पास चल रहे निर्माण कार्यों को समय से पूरा करने और निर्माण सामग्री हटाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि कांवड़ियों को कोई असुविधा न हो। आपातकालीन स्थिति के लिए मंदिरों में इमरजेंसी गेट की व्यवस्था और फायर टेंडर की तैनाती भी सुनिश्चित की गई है।

संक्षिप्त डायरी

बेटे जैसा था दामाद, वही रखता था हमारा ख्याल

हाथरस(एजेंसी)। सादाबाद इलाके के गांव मड़नई की बेटी सीमा व उसके परिवार के साथ हुई दिल दहला देने वाली घटना से सभी सन्न हैं। अंतिम संस्कार कर देर रात लौटे सीमा के पिता ने बताया कि उनका दामाद बेटे जैसे था। वह मंगलवार की सुबह दवा दिलवाने के लिए आ रहा था, लेकिन सुबह पूरे परिवार की मौत की खबर आई। सीमा के पिता विजेंद्र ने बताया कि 2016 में उन्होंने बेटी सीमा की शादी मनीष से की थी। खेतीबाड़ी अच्छी थी और परिवार में ऐसी कोई कमी नहीं थी, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो। शनिवार को वह पत्नी वीरेन को दवा दिलाने के लिए मथुरा गए थे। वहां से लौटकर बेटी सीमा के घर गांव खप्परपुर में रुक गए थे। रविवार को वहां ठहरने के बाद सोमवार की शाम को लौटे। विजेंद्र ने बताया कि इस बीच मनीष या सीमा ने ऐसी कोई बात नहीं बताई, जिससे लगे कि वे परेशान हैं। सभी सामान्य थे। विजेंद्र ने बताया कि उन पर एक ही बेटी थी। उसे पहले एक बेटा हुआ था, जो जन्म लेते ही खत्म हो गया था। बेटी को विदा करने के बाद से ही पत्नी बीमार रहने लगी थीं। तीन साल पहले उन्हें फालिज की परेशानी हुई, तब से वे बीमार चल रही थीं। कुछ ठीक होने के बाद पिछले सप्ताह उन्हें फिर से फालिज का अटैक आया। इस पर मनीष ने ही उन्हें मथुरा दिखाया था। जब भी दवा लेने जाना होता था तो मनीष साथ जाता था। लाभ न होने पर सोमवार को उसने वादा किया था कि वह मंगलवार को आएगा और दूसरी जगह दिखाएगा। फफकते हुए विजेंद्र ने कहा कि वह बेटे से भी बढ़कर ख्याल रखता था, लेकिन कभी अपनी परेशानी बयां नहीं की। विजेंद्र ने कहा कि सीमा व उसका परिवार ही हमारे जीने का सहारा था।हत्याकांड और आत्महत्या की खबर ने गांव को सन्न कर दिया है। सीमा के पिता और परिवार के अन्य सदस्यों की आंखों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। देर रात अंतिम संस्कार के बाद विजेंद्र व परिवार के अन्य लोग गांव पहुंचे। सुबह से इनके यहां ढांढ़स देने वालों का तांता लगा रहा।घटना के कारण मंगलवार को विजेंद्र पत्नी को दिखाने नहीं जा पाए थे। बुधवार की सुबह वह अपने छोटे भाई के बेटों के साथ पत्नी को दवा दिलाने के लिए जलेसर के पास गए। वहां कोई वैद्य बताया गया है। यहीं पर दामाद ले जाने वाला था।चचेरे भाई राजेश ने बताया कि उनके ताऊ विजेंद्र छह भाई हैं। छह में से एक की मृत्यु हो चुकी है। सभी का परिवार गांव में रहता था। राजेश ने बताया कि चाचा-ताऊ को मिलाकर हम 11 भाई और 11 ही बहनें थीं। हमारी एक बहन चली गई।

आगरा में चलती स्कूटी पर व्यापारी हमला, 30 सेकेंड में 15 रॉड मारे लहूलुहान होकर सड़क पर गिरा

आगरा(एजेंसी)। एक युवक ने स्कूटी सवार व्यापारी पर रॉड से हमला कर दिया। हमले से वह सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद हमलावर ने करीब उन पर 15 से ज्यादा वार किए। कुछ देर बाद उसका एक साथी वहां पहुंचा।साथी ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह लगातार हमला करता रहा। साथी ने किसी तरह रॉड छीनी। इस दौरान हमलावर ने घायल व्यापारी का सिर स्कूटी से भी दे मारा। थोड़ी देर बाद दोनों आरोपी मौके से भाग गए। घटना 26 जनवरी को रात रात करीब 10:30 बजे एकता थाना क्षेत्र में मारूती सिटी मार्ग पर हुई। इसका सीसीटीवी वीडियो अब सामने आया है। पीड़ित आरोप है कि शिकायत देने के बाद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज नहीं किया गया। आरुषि विहार, बाधमा रेजीडेंसी के रहने वाले रजत शर्मा (45) चिप्स कंपनी की एजेंसी चलाते हैं। 26 जनवरी की रात करीब 10:30 बजे वह स्कूटी से घर लौट रहे थे। सड़क पर एक युवक लड़खड़ाते हुए पैदल चल रहा था। उसके हाथ में लोहे की रॉड थी। जैसे ही रजत वहां से गुजरे, हमलावर ने उनके चेहरे पर रॉड से वार कर दिया। इसके बाद रजत गिर पड़े। फिर हमला ने करीब 15 से ज्यादा वार किए। कुछ देर बाद उसका एक साथी वहां पहुंचा। उसने रॉड छीनी। इसके बाद दोनों आरोपी मौके से भाग गए। गंभीर रूप से घायल रजत किसी तरह स्कूटी उठाकर घर पहुंचे। परिजन उन्हें नर्सिंग होम ले गए। एक आंख बुरी तरह जख्मी होने के कारण उन्हें इलाज के लिए आरपी सेंटर, एम्स दिल्ली ले जाया गया, जहां आंख बचाने के लिए दो ऑपरेशन किए गए हैं। रजत शर्मा ने कहा- मेरे पिता 28 जनवरी को एकता थाने गए थे। इंस्पेक्टर हंसराज भदौरिया से मिले। उन्होंने शिकायत दर्ज नहीं की। कहा कि पहले इलाज कराएं। बेटा जब बात करने की स्थिति में हो जाए, तब बताएं।बेहतर पुलिस व्यवस्था बनाने के लिए ताजगंज थाना क्षेत्र से अलग कर एकता थाना बनाया गया। लेकिन इसके बाद भी पीड़ित की एफआईआर दर्ज नहीं की गई। एक व्यापारी की आंख की रोशनी जा सकती है।पुलिस ने हमलावरों का पता क्यों नहीं लगाया। घर वाले कई बार थाने के चक्कर लगा चुके हैं। इंस्पेक्टर क्राइम से मिले। उन्होंने कहा कि एम्स से सप्लीमेंटरी रिपोर्ट लेकर आएं तब मुकदमा लिखा जाएगा।

संभल में अवैध मदरसे पर बुलडोजर एक्शन, सरकारी जमीन पर बना था

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के बनियाठेर के नरौली नगर पंचायत में अवैध मदरसे पर बुलडोजर एक्शन हुआ। सरकारी जमीन पर बना मदरसा गिराया गया। बुलडोजर एक्शन के लिए प्रशासनिक टीम मौजूद है। कई थानों की पुलिस फोर्स और पीएसी भी तैनात है।

जानकारी के अनुसार, चंदौसी के नरौली के मोहल्ला बंजारी कुआं में सरकारी भूमि पर बने मदरसे पर बृहस्पतिवार को प्रशासन का बुलडोजर चला। अधिकारियों की मौजूदगी में बुलडोजर ने मदरसे को ध्वस्त करने की कार्रवाई की। इस दौरान मौके पर भीड़ जुटी रही।तहसीलदार चंदौसी रवि सोनकर की ओर से 22 जनवरी को दो गाटा संख्या की भूमि को लेकर बेदखली के आदेश किए गए थे। यह भूमि राजस्व अभिलेखों में रास्ता और खाद के नाम दर्ज है। बृहस्पतिवार को एसडीएम और सीओ पुलिस बल और टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद बुलडोजर ने मदरसे को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की। आसपास के लोग भी मौके पर इकट्ठा हो गए। सुरक्षा की दृष्टि से भारी पुलिस बल मौके पर तैनात है। कार्रवाई चल रही है।

तीन दिवसीय भक्तमाल कथा का शुभारंभ, गुरु महिमा का भावपूर्ण वर्णन

मनीष गोयल

मुरादनगर (शिखर समाचार)। टंकी रोड स्थित रामलीला मैदान में श्याम परिवार सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय भक्तमाल कथा का गुरुवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ शुभारंभ हुआ। कथा प्रारंभ होते ही पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भक्ति रस में डूब गए और पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा।

कथाव्यास हनुमान बाबा ने अपने मुखारविंद से कथा का रसपान कराते हुए गुरु महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि ठाकुर की प्राप्ति का सच्चा माध्यम भक्त, भक्ति, भगवान और गुरु हैं। संपूर्ण सृष्टि नारायण तत्व से परिपूर्ण है और गुरु उसी दिव्य तत्व का साकार स्वरूप हैं। भगवान नारायण शेष शैया पर विराजमान हैं, अर्थात नारायण स्वयं गुरु की गोद में स्थित हैं। इस प्रकार गुरु ही भक्ति मार्ग को प्रशस्त करते हैं और जीव को ईश्वर तक पहुंचाने का सेतु बनते हैं।

उन्होंने बताया कि भक्तमाल का श्रवण करने से काल का भय दूर होता है और जीवन में भक्ति का प्रकाश फैलता है। भक्तमाल की रचना संत नाभादास ने की थी, जिनका जन्म हनुमान वंश में हुआ। उन्होंने संतों के जीवन चरित्रों का अद्भुत संकलन कर भक्ति परंपरा को अमर स्वरूप प्रदान किया। उनका जीवन भक्ति, संत सेवा और गुरु निष्ठा का श्रेष्ठ उदाहरण रहा। बाद में संत प्रियादास ने भक्तमाल पर विस्तृत टीका लिखकर संतों के जीवन प्रसंगों को और अधिक स्पष्ट किया।

कथा के दौरान भजन-कीर्तन चलते रहे, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। इस अवसर पर योगेंद्र गुप्ता लिली, वीरेंद्र गुप्ता, संजय गोयल, विनोद धनगर, प्रदीप गोयल, मनोज गुप्ता, पंकज गर्ग, कुलदीप शर्मा, यशु अग्रवाल, सचित गोयल, वासु गुप्ता, भूपेंद्र पाल, नितिन गर्ग, मनोज सिंघल, विकास गोयल, नवीन सिंघल, ललित गोयल, पंकज यादव, अंकित कुमार, विश्रांत कौशिक, कृष्णावतार अग्रवाल, कुलदीप गर्ग, राजेश गुप्ता, राकेश गर्ग, अंबरीष अलंकार, अरुण बंसल, प्रमोद अरोड़ा, संजीव त्यागी, अमित त्यागी, राजेश सिंघल, मनीष गर्ग, बुद्धगोपाल गोयल, अरविंद भारतीय, नीरज सिंघल, मीनू गोयल, खुशबू सिंघल, गीता चौधरी, तनु शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

आगरा में 24 किलो गांजे के साथ दो तस्कर गिफ्तार

आगरा(एजेंसी)। पुलिस और ANTF टीम में दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों अभियुक्त उड़ीसा से आगरा होते हुए अलीगढ़ गांजा ले जा रहे थे। मुखबिर के द्वारा सूचना मिली थी, कि कुछ युवकों द्वारा बड़ी संख्या में गांजा लेकर जा रहे है। इसके बाद ट्रांस यमुना और ANTF टीम ने घेराबंदी कर चेकिंग अभियान चलाया गया। जहां पर दो युवक 24 किलो गांजा के साथ पकड़े गए। पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एसीपी छत्ता ने बताया-ट्रांस यमुना पुलिस को मुखबिर ने सूचना दी थी। पता चला की दो लोग उड़ीसा से बड़ी मात्रा में गांजा लेकर निकलेंगे। इसके बाद आगरा में ही उनकी घेराबंदी की गई, और टीम के द्वारा चेकिंग अभियान को तेज कर दिया।इसके बाद एक गाड़ी को रोका गया, जिसमें से दो युवक से 24 किलोग्राम अवैध गांजा पकड़ा गया। तस्कर उड़ीसा से आगरा होते हुए अलीगढ़ जा रहे थे। इन अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

अमित गर्ग बने शामली नगर व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष, व्यापारियों ने बजट पर जताई नाराजगी

शामली (शिखर समाचार) पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल की बैठक प्रांतीय मुख्यालय सुभाष चौक पर प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें संगठन विस्तार, नई कार्यकारिणी के दायित्व और व्यापारियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए अमित गर्ग को शामली नगर व्यापार मंडल का नगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया। पदाधिकारियों और व्यापारियों ने उनका स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की अपेक्षा जताई। प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग ने कहा कि प्रदेश, जिला और नगर स्तर पर नई कार्यकारिणी का कार्यकाल एक जनवरी से प्रारंभ हो चुका है। सभी पदाधिकारियों को अपने पद की गरिमा के अनुरूप जिम्मेदारी निभानी चाहिए और व्यापारी हितों की रक्षा के लिए सक्रिय रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती से ही व्यापारियों की आवाज शासन और प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाई जा सकती है। बैठक में व्यापारियों ने प्रदेश सरकार के बजट की समीक्षा करते हुए नाराजगी व्यक्त की। उनका कहना था कि इस बार भी बजट में व्यापारियों से जुड़ी प्रमुख समस्याओं और मांगों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया, जिससे व्यापारी वर्ग में निराशा का वातावरण है। व्यापारियों ने कहा कि प्रदेश में व्यापारियों की संख्या बहुत बड़ी है और आने वाले चुनावी वर्ष में उनकी भूमिका निर्णायक साबित होगी। बताया गया कि वर्तमान नगर अध्यक्ष के अस्वस्थ होने के कारण पूर्व नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित गर्ग को नगर अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है, ताकि संगठनात्मक कार्य प्रभावित न हों और गतिविधियां निरंतर चलती रहें। बैठक में सुभाष चंद्र धीमान, नरेंद्र अग्रवाल, महेश धीमान, ऋषभ जैन, पंकज वालिया, जितेंद्र जैन, राजीव गर्ग, गौरव गर्ग सहित अनेक व्यापारी मौजूद रहे।

अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के विरोध में भाकियू का प्रदर्शन, जिलाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

शामली (शिखर समाचार) गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने शामली कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद किसानों ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान को सौंपते हुए अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को तत्काल रद्द करने की मांग उठाई। किसानों ने कहा कि प्रस्तावित व्यापार समझौता देश के कृषि क्षेत्र और किसान हितों के खिलाफ है।

भाकियू पदाधिकारियों ने बताया कि 12 फरवरी को देशभर के किसान संगठनों द्वारा धरना प्रदर्शन और ज्ञापन के माध्यम से इस समझौते का विरोध किया जा रहा है। उनका कहना है कि यदि इस समझौते को लागू किया गया तो भारतीय कृषि व्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और छोटे व सीमांत किसानों की स्थिति और कमजोर होगी।

ज्ञापन में कहा गया कि यदि सोयाबीन, मक्का, गेहूं, दुग्ध उत्पाद और दालों पर आयात शुल्क में कमी की जाती है तो भारी अनुदान और अत्यधिक मशीनीकृत खेती वाले अमेरिकी उत्पाद भारतीय बाजार में कम कीमत पर पहुंचेंगे। इससे पहले से न्यूनतम समर्थन मूल्य की लड़ाई लड़ रहे भारतीय किसान प्रतिस्पर्धा में टिक नहीं पाएंगे। इससे घरेलू उत्पादन और किसानों की आय पर सीधा असर पड़ेगा। किसान यूनियन ने दुग्ध क्षेत्र को लेकर भी गंभीर चिंता जताई। पदाधिकारियों ने कहा कि भारत का दुग्ध मॉडल छोटे और सीमांत किसानों की सहकारी व्यवस्था पर आधारित है। यदि विदेशी दुग्ध उत्पादों का आयात बढ़ा तो लाखों दुग्ध उत्पादक परिवारों की आजीविका संकट में पड़ सकती है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था कमजोर होगी।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि व्यापार संतुलन के नाम पर कृषि अनुदान में कटौती और सार्वजनिक खरीद प्रणाली को कमजोर करने का दबाव बढ़ सकता है। इससे न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और देश की खाद्य सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। किसानों ने बीज क्षेत्र में निजी कंपनियों के बढ़ते नियंत्रण को भी खतरनाक बताते हुए कहा कि इससे किसानों की पारंपरिक बीज स्वतंत्रता समाप्त हो सकती है।

भाकियू पदाधिकारियों ने कहा कि यह मामला केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों की आय, ग्रामीण रोजगार, खाद्य सुरक्षा और राष्ट्रीय आर्थिक स्वायत्तता से जुड़ा विषय है। उन्होंने केंद्र सरकार से अमेरिका भारत व्यापार समझौते को तुरंत निरस्त करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्ष सांता प्रधान, मास्टर जाहिद, मोहित शर्मा, कपिल खाटियान, शोकेन्द्र सिंह, अमरपाल बालियान, विरेन्द्र, इमरान, उदयवीर सिंह, कविता चौधरी, योगेन्द्र पंवार, मुम्मकिल पहलवान सहित अनेक किसान कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्लोबल शांति केयर अस्पताल में विशाल नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, 320 मरीजों की जांच कर दी गई विशेषज्ञ सलाह

शामली (शिखर समाचार) शहर के कैराना रोड स्थित ग्लोबल शांति केयर अस्पताल में गुरुवार को एक विशाल नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें अलग अलग रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बड़ी संख्या में पहुंचे मरीजों की जांच कर उन्हें परामर्श और उपचार संबंधी मार्गदर्शन दिया। शिविर सुबह से ही शुरू हो गया था और देर तक मरीजों की भीड़ लगी रही। कुल 320 मरीजों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। अस्पताल प्रशासन द्वारा पंजीकरण से लेकर जांच और परामर्श तक की व्यवस्था सुव्यवस्थित रखी गई, जिससे मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

शिविर में नाक, कान और गला रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋषभ जैन (एमबीबीएस, एमएस, ईएनटी) ने नाक, कान और गले से जुड़ी समस्याओं से ग्रसित मरीजों की विस्तार से जांच की और उन्हें आवश्यक दवाइयों व उपचार के बारे में जानकारी दी। इस दौरान जरूरतमंद मरीजों के लिए नि:शुल्क एंडोस्कोपी जांच सुविधा भी उपलब्ध कराई गई, जिससे रोग की सही पहचान कर तुरंत परामर्श दिया जा सका।

स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. कनिका ने महिला मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, नियमित जांच, पोषण और सावधानियों के बारे में विस्तार से समझाया। महिलाओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर परामर्श लिया। वहीं मेदांता अस्पताल से पूर्व में संबद्ध रहे डॉ. मुरली मनोहर ने सामान्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों का परीक्षण कर उन्हें उचित उपचार और बचाव के उपाय बताए।

अस्पताल के निदेशक कुशांक चौहान ने बताया कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य शामली और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को अनुभवी चिकित्सकों द्वारा बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद मरीजों को ध्यान में रखते हुए समय समय पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाते हैं और आगे भी इस तरह के जनहितकारी स्वास्थ्य शिविर जारी रहेंगे।

गौतम बुद्ध नगर की कानून व्यवस्था और विकास परियोजनाओं की मुख्यमंत्री ने की विस्तृत समीक्षा, फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर पार्क को लेकर दिए कड़े निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा के सेक्टर 38 स्थित सभागार में जनपद गौतम बुद्ध नगर की कानून व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन और चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति को लेकर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले की वर्तमान स्थिति, जनसुविधाओं, निवेश परियोजनाओं और आगामी औद्योगिक कार्यक्रमों की तैयारियों पर गहन चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में कानून व्यवस्था हर हाल में सुदृढ़ और प्रभावी बनी रहनी चाहिए। औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण यहां सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और नागरिक सुविधाओं पर विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और सभी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। विकास कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखने पर भी उन्होंने जोर दिया।

बैठक में यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर 28, ई 01 में फॉक्सकॉन (हॉन हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड) द्वारा प्रस्तावित सेमीकंडक्टर पार्क परियोजना की तैयारियों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। यह परियोजना 48 एकड़ भूमि पर लगभग 4000 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की जानी प्रस्तावित है और इसे उत्तर प्रदेश का पहला सेमीकंडक्टर पार्क बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि परियोजना को विश्वस्तरीय तकनीकी मानकों के अनुरूप विकसित किया जाए, ताकि प्रदेश को उच्च तकनीकी निवेश का बड़ा केंद्र बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की उच्च तकनीक आधारित औद्योगिक परियोजनाएं प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को गति देंगी और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उत्पन्न करेंगी। अनुमान है कि इस परियोजना से लगभग 3000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से इससे जुड़े अनेक अन्य अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजना के क्रियान्वयन में पर्यावरणीय मानकों का पूरी तरह पालन कराया जाए तथा आसपास के क्षेत्रों के निवासियों को भी इसका अधिकतम लाभ दिलाया जाए।

बैठक में तीनों प्राधिकरणों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त और संबंधित विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने और नियमित समीक्षा के माध्यम से कार्यों को गति देने के निर्देश भी दिए।

कुलपति डॉ सुरेन्द्र सिंह की पुत्री के विवाह समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नवदंपति को एक जिला एक उत्पाद के उपहार भेंटकर दिया आशीर्वाद

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति डॉ सुरेन्द्र सिंह की पुत्री के विवाह के शुभ अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नोएडा स्थित उनके आवास पहुंचे और नवविवाहित दंपति को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं प्रदान कीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने परंपरागत भारतीय संस्कृति और प्रदेश की स्थानीय कला को बढ़ावा देने की पहल के तहत नवदंपति को एक जिला एक उत्पाद योजना के अंतर्गत चयनित उत्पाद उपहार स्वरूप भेंट किए। विवाह समारोह में पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिवारजनों से भेंट की और वर-वधू को सुखद, समृद्ध और सफल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो परिवारों का पवित्र संबंध होता है और यह सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। समारोह का वातावरण

पारिवारिक, सौहार्दपूर्ण और गरिमामय रहा। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पहले से ही आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। सुरक्षा और स्वागत की तैयारियां सुव्यवस्थित रहीं। कार्यक्रम में शिक्षाजगत, सामाजिक क्षेत्र और प्रशासन से जुड़े कई गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। अतिथियों ने नवदंपति को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री द्वारा भेंट किए गए एक जिला एक उत्पाद योजना के उपहारों को प्रदेश की पारंपरिक कारीगरी और स्थानीय उद्योगों के प्रोत्साहन का प्रतीक माना जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक जिले की विशिष्ट उत्पाद परंपरा को पहचान दिलाना और उसे राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाना है। विवाह जैसे पारिवारिक अवसर पर इन उत्पादों को उपहार के रूप में देना स्थानीय शिल्प और स्वदेशी उत्पादों के प्रति प्रोत्साहन का संदेश भी माना जा रहा है। समारोह शांतिपूर्ण और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहां परिवार और अतिथियों ने मिलकर इस शुभ अवसर को यादगार बनाया।

मार्ट कर्मचारी से मारपीट के विरोध में दूसरे दिन भी धरना, कार्रवाई के आश्वासन पर समाप्त

मोदीनगर (शिखर समाचार) दिल्ली मेरठ मार्ग पर गोविंदपुरी क्षेत्र में पुलिस चौकी के सामने स्थित एक बड़े खुदरा स्टोर (मार्ट) में कार्यरत कर्मचारी के साथ मार्ट के अधिकारी द्वारा कथित रूप से बंधक बनाकर मारपीट किए जाने के विरोध में भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक के बैनर तले चल रहा धरना बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। धरने में दूसरे दिन बड़ी संख्या में किसान और स्थानीय लोग पहुंच गए, जिसके चलते दिल्ली मेरठ मार्ग पर कई घंटों तक यातायात प्रभावित और अवरुद्ध रहा। जानकारी के अनुसार मेरठ के परतापुर थाना क्षेत्र के गांव गेझा निवासी मनीष कुमार शर्मा उक्त मार्ट में कर्मचारी के रूप में तैनात है। आरोप है कि किसी बात को लेकर मार्ट के एक अधिकारी ने उसे बंधक बनाकर मारपीट की। घटना से आक्रोशित किसान यूनियन से जुड़े लोगों ने आरोपी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर मार्ट के बाहर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया था, जो दूसरे दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर मौजूद संगठन के जिला अध्यक्ष मनोज त्यागी ने चेतावनी दी कि जब तक आरोपियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं होगी, तब तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। बढ़ती भीड़ और मार्ग जाम की स्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और लोगों को समझाकर शांत करने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। बाद में मार्ट प्रबंधन से जुड़े अधिकारी अमित मौर्य और प्रताप मौके पर पहुंचे।

उन्होंने प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया। आश्वासन मिलने के बाद किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने धरना समाप्त करने की घोषणा कर दी। धरने के कारण दिल्ली मेरठ मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कई घंटों तक यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। पुलिस ने बाद में यातायात को सामान्य कराया।

बच्चा चोर के शक में महिला से मारपीट, वीडियो वायरल, दो आरोपी गिरफ्तार

जेवर (शिखर समाचार) क्षेत्र के गांव नगला जहानु में बच्चा चोर होने के शक में एक मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बुधवार को एक मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला प्लास्टिक का कट्टा लेकर गांव में लकड़ियां इकट्ठा कर रही थी। इसी दौरान कुछ युवकों ने उसे देखा और बच्चा चोर होने का शक जताया। देखते ही देखते कुछ लोग वहां इकट्ठा हो गए और महिला को घेरकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को भीड़ से छुड़ाकर थाने ले आई। मारपीट के दौरान मौजूद किसी व्यक्ति ने घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त है और बोल नहीं पाती। वह पास के ही गांव से भटकते हुए नगला जहानु पहुंच गई थी। पुलिस ने मारपीट के मामले में हनीफ और सोहेल को गिरफ्तार कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल में खेल दिवस समापन समारोह का भव्य आयोजन, विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह और प्रतिभा

गाजियाबाद (शिखर समाचार) सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल में गुरुवार 12 फरवरी को खेल दिवस के समापन समारोह का भव्य और उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। प्ले ग्रुप से लेकर कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा, अनुशासन तथा खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की संस्थापक एवं निदेशक डॉ. माला कपूर ने गुब्बारे उड़ाकर किया। इस अवसर पर आलोक यात्री, प्रधान अध्यापिकाएँ सोनिया सेहरा, एकता कोहली, मीना उत्तम सहित समस्त अध्यापक उपस्थित रहे। समारोह की शुरूआत मार्च पास्ट से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने अनुशासन, एकता और आत्मविश्वास का प्रभावशाली परिचय दिया।

इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा योग प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया, जिसने स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का संदेश दिया। विभिन्न योग आसनों के माध्यम से बच्चों ने एकाग्रता, लचीलापन, मानसिक स्थिरता और सकारात्मक सोच का प्रदर्शन किया।

प्री-प्राइमरी कक्षाओं के नन्हे विद्यार्थियों ने अपने जोशपूर्ण प्रदर्शन से सभी का मन मोह लिया। उनकी प्रस्तुतियों और उत्साहवर्धन ने पूरे मैदान का वातावरण ऊर्जा और आनंद से भर दिया। छोटे बच्चों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम की शोभा को और बढ़ा दिया।

प्राथमिक कक्षाओं की खेल गतिविधियों में डम्बल ड्रिल, हुला हूप, जिम्नास्टिक और स्टिक ड्रिल मुख्य आकर्षण रहे। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने शारीरिक शक्ति, संतुलन, फुर्ती, तालमेल और टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त रिले दौड़, बाधा दौड़ और सामान्य दौड़ प्रतियोगिताओं ने बच्चों में सहयोग, धैर्य, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को मजबूत किया।

विभिन्न दौड़ प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। कक्षा आठ के उत्कृष्ट खिलाड़ियों चंदन यादव तथा कशिश को विशेष रूप से सम्मान मिला।

इस अवसर पर डॉ. माला कपूर ने कहा कि खेल जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों और आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया गया, जिनके सहयोग से खेल दिवस समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और खेल भावना को बढ़ावा देने वाला प्रेरणादायक अवसर सिद्ध हुआ।

यूपी बनेगा दुनिया का 'अककैपिटल': YEIDA में लगेगा $25 बिलियन का महा-निवेश, 1 गीगावॉट एआई कंप्यूट हब के लिए MoU

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा(शिखर समाचार) उत्तर प्रदेश को भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था का इंजन बनाने की दिशा में अब तक की सबसे बड़ी छलांग लगाई गई है। ऊर्जा और तकनीक क्षेत्र के दिग्गज 'एएम ग्रुप' (AM Group) और राज्य सरकार की निवेश एजेंसी 'इन्वेस्ट यूपी' के बीच एक ऐतिहासिक समझौते (MoU) पर हस्ताक्षर हुए हैं। इस समझौते के तहत यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (YEIDA) क्षेत्र में 1 गीगावॉट (GW) क्षमता का हाई-परफॉर्मेंस एआई कंप्यूट हब स्थापित किया जाएगा।

लगभग 2.1 लाख करोड़ रुपये (25 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के भारी-भरकम निवेश वाली यह परियोजना न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि दक्षिण एशिया के सबसे बड़े तकनीकी केंद्रों में से एक होगी।

5 लाख चिपसेट्स और 289 एकड़ का साम्राज्य

यीडा ने इस महा-परियोजना के लिए सेक्टर 28 में 114 एकड़ और सेक्टर 8ऊ में 175 एकड़ भूमि के लिए लेटर ऑफ इंटेंट (LOI) जारी कर दिया है। इस हब में लगभग 5 लाख अत्याधुनिक हाई-परफॉर्मेंस चिपसेट्स लगाए जाएंगे, जो जटिल डेटा प्रोसेसिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की जरूरतों को पूरा करेंगे। परियोजना का पहला चरण 2028 तक चालू हो जाएगा, जबकि 2030 तक यह अपनी पूरी 1 गीगावॉट की क्षमता से काम करने लगेगा।

पूरी तरह 'ग्रीन' होगा भारत का यह सिलिकॉन वैली

इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खासियत इसका पर्यावरण के अनुकूल होना है। एएम ग्रुप, जिसे ग्रीनको ग्रुप के संस्थापकों का समर्थन प्राप्त है, इस डेटा सेंटर को 247 कार्बन-फ्री ऊर्जा से संचालित करेगा। इसके लिए पवन, सौर और पम्प्ड स्टोरेज आधारित बिजली का उपयोग किया जाएगा, जिससे यह दुनिया का सबसे स्वच्छ और टिकाऊ एआई हब बनेगा।

रोजगार और अर्थव्यवस्था को लगेंगे पंख

इस निवेश से प्रदेश में हाई-टेक नौकरियों की बाढ़ आने वाली है। विशेषज्ञों का मानना है कि:

- हजारों उच्च-कुशल इंजीनियरों और डेटा वैज्ञानिकों को सीधे रोजगार मिलेगा।
- हार्डवेयर निर्माण, सॉफ्टवेयर विकास और कूलिंग तकनीक जैसे क्षेत्रों में एक नया स्थानीय इकोसिस्टम तैयार होगा।
- बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) आकर्षित होगा।

एआई का लोकतंत्रीकरण: छोटे डेवलपर्स को भी मिलेगा मौका

एएमजी एआई लैब्स 'एआई के लोकतंत्रीकरण' पर काम कर रही है। इसका उद्देश्य भारतीय डेवलपर समुदाय को महंगे और दुर्लभ चिपसेट्स तक आसान पहुंच उपलब्ध कराना है। इससे स्वास्थ्य, ऊर्जा, विनिर्माण, ऑटोमोबाइल और गेमिंग जैसे क्षेत्रों में स्वदेशी एआई समाधान विकसित करने में तेजी आएगी।

दावोस का संकल्प अब धरातल पर

उत्तर प्रदेश सरकार ने वैश्विक मंच (दावोस) पर प्रदेश को एआई हब बनाने का जो संकल्प लिया था, यह परियोजना उसी का परिणाम है। ग्रीनको ग्रुप के संस्थापकों द्वारा प्रवर्तित एएम ग्रुप वर्तमान में देश के 20 राज्यों में ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम कर रहा है, और अब उत्तर प्रदेश के इस निवेश के साथ वे भारत को 'इंटेलिजेंट इकोनॉमी' की कतार में सबसे आगे खड़ा करने जा रहे हैं।

आनन्द मार्ग प्रचारक संघ ने श्रद्धा व सेवा भाव से मनाया नीलकंठ दिवस

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। आनन्द मार्ग प्रचारक संघ द्वारा 12 फरवरी को विश्वभर में नीलकंठ दिवस श्रद्धा और सेवा भावना के साथ मनाया गया। इसी क्रम में नोएडा के सेक्टर 150 में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कीर्तन, सामूहिक ईश्वर प्रणिधान और स्वाध्याय संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान आसपास की बस्तियों में करीब 200 अति पिछड़े और जरूरतमंद लोगों को भोजन तथा मिष्ठान का वितरण किया गया। इस तिथि का विशेष महत्व बताते हुए संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि 12 फरवरी 1973 को संघ के प्रवर्तक आनन्दमूर्ति को बांकीपुर, बिहार केंद्रीय कारागार में दवा के रूप में सुनियोजित ढंग से विष दिया गया था, जिससे उनका कंठ नीला पड़ गया और शरीर पर गंभीर प्रभाव पड़ा। उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति को पत्र लिखकर न्यायिक जांच की मांग की थी, लेकिन उस समय की केंद्र सरकार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। बाद में निजी चिकित्सकों की टीम और चक्रवर्ती आयोग ने भी विष दिए जाने की पुष्टि की। न्याय न मिलने पर उन्होंने 1 अप्रैल 1973 से अनिश्चितकालीन उपवास शुरू किया, जो 5 वर्ष 4 माह 1 दिन तक चला और 2 अगस्त 1978 को न्यायालय से सम्मानपूर्वक बरी होने के बाद समाप्त हुआ। तभी से अनुयायी इस दिन को नीलकंठ दिवस के रूप में मनाते हैं। नोएडा इकाई के प्रवक्ता प्रवीर कुमार ने बताया कि आनन्द मार्ग प्रचारक संघ एक सामाजिक और आध्यात्मिक संस्था है, जो आत्म मोक्षार्थ जगत हिताय च के सिद्धांत पर आधारित होकर 188 से अधिक देशों में सेवा कार्य कर रही है। संस्था द्वारा अनाथालय, चिकित्सालय, गुरुकुल, नि:शुल्क विद्यालय और चिकित्सा केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। बाढ़, भूकंप और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं में स्वयंसेवक राहत और सहायता शिविर लगाते हैं। वर्तमान में गाजा और यूक्रेन के युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में भी भोजन, चिकित्सा और वस्त्र सहायता शिविर संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नोएडा इकाई द्वारा सेक्टर 150 की बस्ती में बच्चों के लिए नियमित पीपुल्स डे स्कूल चलाया जा रहा है, जहां लगभग 80 बच्चों को पूरी तरह नि:शुल्क शिक्षा दी जा रही है। बच्चों को लेखन सामग्री, बैग, कॉपी तथा अल्पाहार भी मुफ्त उपलब्ध कराया जाता है। द्विमासिक सामूहिक भोजन कार्यक्रमों के माध्यम से 150 से 200 जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया जाता है। समय-समय पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर भी आयोजित होते हैं, जिनमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श, जांच और दवा वितरण किया जाता है। कार्यक्रम में रामकेश, प्रवीर कुमार, हितेश, यशोदा, रंजना और तुषार सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। आयोजन को मानव सेवा, त्याग और आध्यात्मिक चेतना के संदेश को जन जन तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास बताया गया।

विदेशी कृषि आयात के विरोध में किसानों का तहसील पर धरना, समझौता रद्द करने की मांग

जेवर (शिखर समाचार) अमेरिका भारत प्रस्तावित व्यापार समझौते के विरोध में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकताओं ने गुरुवार को तहसील परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। संगठन ने इस प्रस्तावित व्यापार समझौते को किसान विरोधी बताते हुए इसे तत्काल निरस्त करने की मांग उठाई है। बीकेयू टिकैत के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश चौ. पवन चौरोली के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता तहसील परिसर में एकत्र हुए। कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए कहा कि यदि यह व्यापार समझौता लागू हुआ तो देश के छोटे और सीमांत किसानों की आजीविका पर सीधा संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने आशंका जताई कि विदेशी कृषि उत्पाद सस्ते दामों पर भारतीय बाजार में आएंगे, जिससे स्थानीय किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाएगा। किसान नेताओं ने कहा कि अमेरिका की कृषि व्यवस्था भारी अनुदान और बड़े निजी कृषि फार्म मॉडल पर आधारित है, जबकि भारत की खेती छोटे और सहकारी ढांचे पर टिकी हुई है। ऐसे में प्रतिस्पर्धा समान स्तर पर संभव नहीं है। यदि सोयाबीन, मक्का, गेहूं, डेयरी उत्पाद और दालों पर आयात शुल्क में कमी की गई तो सस्ती विदेशी उपज बाजार पर कब्जा कर लेगी। इससे पहले से ही न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर संघर्ष कर रहे किसानों की स्थिति और कमजोर होगी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार को किसी भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौते से पहले किसानों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। यूनियन ने चेतावनी दी कि मांगों पर विचार नहीं हुआ तो आगे बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

पश्चिम बंगाल से नाबालिग के साथ भागकर पिलखुवा में रह रहे युवक को पुलिस ने किया बरामद

हापुड़ (शिखर समाचार) थाना पिलखुवा क्षेत्र में पश्चिम बंगाल से नाबालिग किशोरी को साथ लेकर आए दूसरे समुदाय के एक युवक को पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में बरामद कर लिया। यह मामला पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जनपद के काशीपुर थाना क्षेत्र से जुड़ा है, जहां से 23 जनवरी को 15 वर्षीय किशोरी लापता हो गई थी। इस संबंध में 24 जनवरी को किशोरी के पिता द्वारा स्थानीय थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। मामले की संवेदनशीलता और दोनों के अलग-अलग धर्म से संबंधित होने के कारण पश्चिम बंगाल पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए तकनीकी निगरानी की सहायता से युवक की स्थिति का पता लगाया। जांच के दौरान जानकारी मिली कि 19 वर्षीय युवक हापुड़ जनपद के पिलखुवा क्षेत्र में धौलाना रोड स्थित एक निर्माण कंपनी में काम कर रहा है और हाईवे पर पिलर संख्या 15 के पास किराये के मकान में किशोरी के साथ रह रहा है। सूचना की पुष्टि होने के बाद जांच अधिकारी उत्तम चटर्जी और सहायक उपनिरीक्षक सत्येंद्र प्रसाद सिंह पुलिस टीम के साथ पिलखुवा पहुंचे। यहां कोतवाली पिलखुवा पुलिस के सहयोग से संयुक्त छापेमारी की गई। पुलिस ने बताए गए पते पर दबिश देकर दोनों को सकुशल बरामद कर लिया। क्षेत्राधिकारी अनीता चौहान ने बताया कि पश्चिम बंगाल पुलिस टीम दोनों को अपने साथ लेकर चली गई है और आगे की वैधानिक कार्रवाई संबंधित थाना क्षेत्र में की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले में आगे की जांच जारी है।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट, फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संपादकीय

उत्तर प्रदेश का नया बजट और विकास की दिशा में संतुलित कदम की जरूरत

उत्तर प्रदेश का ताजा बजट प्रस्तुत हो चुका है और इसके साथ ही राज्य की विकास प्राथमिकताओं, आर्थिक दृष्टि और सामाजिक प्रतिबद्धताओं की नई रूपरेखा भी सामने आई है। देश के सबसे बड़े राज्य का बजट केवल आय व्यय का लेखा नहीं होता, बल्कि यह करोड़ों लोगों के जीवन, अवसरों और भविष्य की दिशा तय करने वाला नीति दस्तावेज भी होता है। इस बार के बजट में आधारभूत ढाँचे, निवेश, हवाई अड्डों, एक्सप्रेसवे, शहरी विकास, कृषि सहायता, सामाजिक कल्याण और तकनीकी विस्तार पर विशेष जोर दिखाई देता है। यह संकेत है कि राज्य सरकार विकास की गति को तेज रखने के साथ साथ अपनी राजनीतिक और सामाजिक प्राथमिकताओं को भी साधना चाहती है। फिर भी असली सवाल यह है कि क्या बजट की घोषणाएँ जमीन पर संतुलित और व्यापक बदलाव ला पाएंगी।

बजट में आधारभूत संरचना पर लगातार बढ़ता व्यय उत्तर प्रदेश की विकास रणनीति का केंद्रीय बिंदु बन चुका है। सड़क, एक्सप्रेसवे, मेट्रो विस्तार, क्षेत्रीय हवाई अड्डों और लॉजिस्टिक नेटवर्क के लिए प्रावधान यह दशार्ते हैं कि राज्य खुद को निवेश और उद्योग के बड़े केंद्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। बेहतर संपर्क व्यवस्था का सीधा असर उद्योग, व्यापार और पर्यटन पर पड़ता है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजनाओं और औद्योगिक गलियारों के लिए किए गए प्रावधान इसी सोच का विस्तार हैं। यदि ये परियोजनाएँ समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पूरी होती हैं, तो राज्य की आर्थिक गतिविधियों में वास्तविक तेजी आ सकती है।

इस बजट में कृषि और ग्रामीण क्षेत्र के लिए भी कई योजनाओं और अनुदानों का उल्लेख किया गया है। यह आवश्यक भी है क्योंकि राज्य की बड़ी आबादी अब भी खेती और उससे जुड़े कार्यों पर निर्भर है। सिंचाई, फसल भंडारण, कृषि प्रसंस्करण और ग्रामीण सड़कों के लिए बढ़ा प्रावधान सकारात्मक संकेत देता है। लेकिन अनुभव बताता है कि केवल योजना घोषित कर देने से ग्रामीण आय नहीं बढ़ती। जरूरत इस बात की है कि सहायता सीधे और समय पर किसानों तक पहुँचे, बिचौलिया तंत्र कमजोर हो और कृषि को बाजार से बेहतर जोड़ने की ठोस व्यवस्था बने। बजट में कृषि आधारित उद्योगों और मूल्य संवर्धन को जितना अधिक बढ़ावा मिलेगा, उतनी ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। युवा और रोजगार का प्रश्न इस बजट की कसौटी रहेगा। राज्य की आबादी में युवाओं का अनुपात बहुत बड़ा है। कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा, स्टार्टअप प्रोत्साहन और स्वरोजगार योजनाओं के लिए प्रावधान किए गए हैं, जो स्वागत योग्य हैं। परंतु युवाओं की अपेक्षा केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, वे वास्तविक रोजगार अवसर चाहते हैं। निवेश समझौतों और औद्योगिक परियोजनाओं को स्थानीय भर्ती से जोड़ना होगा। आईटी, विनिर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, रक्षा उत्पादन और सेवा क्षेत्र में जिला स्तर पर रोजगार मानचित्र बनाना समय की मांग है। यदि बजट प्रावधानों को रोजगार सृजन से सीधे जोड़ा गया, तो इसका सामाजिक प्रभाव अधिक दिखाई देगा। शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यय किसी भी राज्य के दीर्घकालिक विकास का आधार होता है। बजट में विद्यालयों के उन्नयन, डिजिटल शिक्षा, मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य ढाँचे के विस्तार की बात की गई है। यह दिशा सही है, लेकिन गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना होगा। केवल भवन और उपकरण पर्याप्त नहीं, प्रशिक्षित शिक्षक, डॉक्टर, नर्स और दवा उपलब्धता अधिक महत्वपूर्ण हैं। प्राथमिक शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किए बिना विकास का लाभ व्यापक नहीं हो सकता। बजट का एक बड़ा हिस्सा मानव संसाधन की गुणवत्ता सुधारने पर केंद्रित होना चाहिए।

~ मौलिक चिंतन ~

जिसे हम पा नहीं सकते, उस पर अड़े रहना और जो कर सकते हैं, उस पर ध्यान न देना, हमें कुछ भी बनने नहीं देता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

जातिगत भेदभाव पर बाजिव है विपक्ष की चिंता?

डॉ हिदायत अहमद खान

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसका संविधान है, जिसने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के आदर्शों को राष्ट्र जीवन का आधार बनाया। बावजूद इसके समय-समय पर जाति-संप्रदाय और धर्म के नाम पर भेदभाव किए जाने और हिंसा एवं मावलिंचिंग जैसी कष्टप्रद घटनाएं जब सामने आती हैं तो बेहद अफसोस होता है। ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक व्यवहार के बीच अब भी एक गहरी खाई मौजूद है। इस खाई को पाटने की बजाय और चौड़ी करने का कुत्सित कार्य गंदी राजनीति करने वाले तथाकथित नेता करते देखे जाते हैं। हर चुनाव से पहले इस पर चर्चा होती है और बदस्तूर घटनाएं भी होती हैं, इसलिए सभी कटघरे में खड़े होते हैं, फिर चाहे वह सत्ता पक्ष हो या विपक्ष। बहरहाल राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उठाया गया जातिगत भेदभाव का मुद्दा इसी खाई की ओर ध्यान आकर्षित करता है। इस संदर्भ में विपक्ष की चिंता न केवल उचित है, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श का आवश्यक हिस्सा भी है। ओडिशा के एक आंगनवाड़ी केंद्र में दलित महिला द्वारा भोजन बनाए जाने के कारण बच्चों के बहिष्कार की घटना केवल एक स्थानीय विवाद नहीं मानी जा सकती। यह उस मानसिकता का प्रतीक है, जो आधुनिक भारत के विकास और प्रगति के दावों को चुनौती देती है। आंगनवाड़ी केंद्र देश के सबसे संवेदनशील सामाजिक संस्थानों में से हैं, जहां बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा की नींव रखी जाती है। यदि वहीं जातिगत पूर्वाग्रह के आधार पर बहिष्कार जैसी स्थिति उत्पन्न होती है, तो यह न केवल एक कर्मचारी का अपमान है, बल्कि उन बच्चों के अधिकारों का भी हनन है, जिन्हें समान अवसर और पोषण मिलना चाहिए। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि संविधान का अनुच्छेद 14 सभी को कानून के समक्ष समानता का अधिकार देता है। अनुच्छेद 15 धर्म, जाति, लिंग आदि के आधार पर भेदभाव को निषिद्ध करता है, जबकि अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता के उन्मूलन की स्पष्ट घोषणा करता है। इसके अतिरिक्त अनुच्छेद 21(क) शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करता है और अनुच्छेद 47 राज्य को पोषण स्तर और जनस्वास्थ्य सुधारने की जिम्मेदारी सौंपता है। यदि जातिगत सोच के कारण पोषण कार्यक्रमों का बहिष्कार होता है, तो यह इन संवैधानिक प्रावधानों की भावना के विपरीत है। अतः ऐसे तमाम मामलों और घटित हुईं घटनाओं की जितनी निंदा की जाए कम होगी। राज्यसभा में कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष खड़गे ने इस संबंध में जिन अन्य घटनाओं का उल्लेख किया उनमें मध्य प्रदेश में आदिवासी मजदूर के साथ अमानवीय व्यवहार, गुजरात में दलित कर्मचारी की आत्महत्या और चंडीगढ़ में संस्थागत भेदभाव जैसी घटनाएं भी शामिल हैं। ये मामले दशार्ते हैं कि समस्या केवल सामाजिक स्तर तक सीमित नहीं है। यदि संस्थागत ढांचे में भी पूर्वाग्रह मौजूद हैं, तो यह स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम जैसे कठोर कानूनों का अस्तित्व तभी सार्थक है, जब उनका प्रभावी और निष्पक्ष क्रियान्वयन हो। यह भी सच है कि जातिगत भेदभाव का मुद्दा अक्सर राजनीतिक बहस का हिस्सा बन जाता है। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप होते हैं, जिससे मूल समस्या कभी-कभी राजनीतिक शोर में दब जाती है। किंतु इसका अर्थ यह नहीं कि मुद्दे की गंभीरता कम हो जाती है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि सरकार और समाज को आईना दिखाना भी है। यदि विपक्ष सामाजिक न्याय के प्रश्न को उठाता है, तो उसे केवल राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय व्यापक सामाजिक संदर्भ में समझा जाना चाहिए। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह ऐसी घटनाओं को अलग-थलग घटनाएं कहकर टालने के बजाय उनकी जड़ तक पहुंचे। त्वरित और निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। साथ ही, सामाजिक जागरूकता अभियान चलाकर यह संदेश देना भी उतना ही जरूरी है कि जातिगत भेदभाव न केवल अवैध है, बल्कि नैतिक रूप से भी अस्वीकार्य है। विशेष रूप से आंगनवाड़ी, विद्यालय और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में समानता और सम्मान के मूल्यों को व्यवहार में उतारने की जरूरत है। सामाजिक न्याय केवल विधायी प्रावधानों से स्थापित नहीं होता; वह समाज की मानसिकता में परिवर्तन से आता है। जब तक समाज के हर वर्ग में यह भावना विकसित नहीं होगी कि सम्मान और अधिकार जन्म से नहीं, बल्कि अच्छे मानव होने के नाते मिलते हैं, तब तक कठोर कानूनों की आवश्यकता बनी रहेगी। बच्चों के सामने यदि समानता का व्यवहार प्रस्तुत किया जाएगा, तभी वे भविष्य में भेदभाव से मुक्त समाज का निर्माण कर सकेंगे। ऐसे में जातिगत ही नहीं बल्कि किसी भी प्रकार का भेदभाव जो समाज और समुदाय को तोड़ने का काम करता है वाला प्रश्न किसी एक दल या विचारधारा का नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा का प्रश्न है। विपक्ष की चिंता इसलिए वाजिब है क्योंकि वह संविधान में निहित उस मूल भावना की याद दिलाती है, जिसे हम अक्सर भाषणों में दोहराते हैं पर व्यवहार में भूल जाते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि सामाजिक न्याय को राजनीतिक नारे से आगे बढ़ाकर राष्ट्रीय संकल्प बनाया जाए। तभी हम सही मायने में उस भारत की ओर बढ़ सकेंगे, जिसका सपना आजादी के दीवानों और संविधान निमार्ताओं ने देखा था।

जान के लिए खतरा बन रहे हैं लिव-इन रिलेशनशिप

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया है जिस में शार्ट फिल्मों में काम दिलाने के बहाने सनी युवतियों को शिकार बनाता था। इसके बाद उन्हें देह व्यापार के दलदल में धकेल देता था। पुलिस ने सनी के साथ उसकी मां रंजना और मां के प्रेमी प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया है। इस वारदात के मूल में लिवइन जिम्मेदार है।

आगरा के थाना खंदौली के यमुना एक्सप्रेसवे टोल प्लाजा के पास शुक्रवार को कंबल में लपेटकर फेंके गए महोबा की सोनाली के शव के मामले में पुलिस ने महिला के साथ लिव इन में रहने वाले प्रेमी सनी, उसकी मां रंजना और मां के प्रेमी प्रदीप को जेल भेजा है। मामले में मृतका की बहन भारती ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पूछताछ में सामने आया है कि सनी शार्ट फिल्मों में काम दिलाने के बहाने युवतियों को जाल में फंसाकर देहव्यापार करवाता था। दूसरी युवती से दोस्ती का विरोध करने पर उसने सोनाली की हत्या कर दी थी। दूसरा मामला मध्यप्रदेश में इंदौर के सुगनीदेवी कॉलेज परिसर में गंभीर हालत में मिली युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवती को राहगीरों ने घायल अवस्था में एमवाय अस्पताल पहुंचाया था। उसके हाथों और शरीर पर कई टैटू बने हुए थे, वहीं शरीर पर ब्लेड से काटने के निशान भी पाए गए थे। शुरूआती जांच में डॉक्टरों को उसके साथ ज्यादती की आशंका हुई, जिसके चलते सैंपल भी लिए गए थे। पुलिस जांच में सामने आया कि युवती पर हमला उसके लिव-इन पार्टनर ने किया था। आरोपी ने हत्या की नीयत से पत्थर से वार किया था। देर रात इलाज के दौरान युवती ने दम तोड़ दिया।

लिव-इन रिलेशनशिप या सहमति संबंध एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें स्त्री-पुरुष बिना विवाह किए पति-पत्नी की भांति रहने के साथ-साथ आपस में शारीरिक संबंध भी बना लेते हैं व कई तो बच्चे भी पैदा कर लेते हैं।

आपसी सहमति से कायम ऐसे संबंध पश्चिमी देशों में आम बात है। उनकी देखा-देखी भारत जैसे देशों में भी यह बुराई फैलने लगी है, जिसके दुखद परिणाम निकलने लगे हैं। लिव-इन रिलेशन में रहने वाले अपने पार्टनर की हत्या करने से भी संकोच नहीं करते पिछले दिनों में लगातार ऐसी वारदातों की झड़ी लगी हुई है।

आपको ऐसी कुछ और वारदातों से अवगत कराते हैं 27 नवम्बर, 2025 को दिल्ली के छावला इलाके में वीरेंद्र सिंह नामक व्यक्ति को जब उसकी लिव-इन पार्टनर ने शराब पीने से रोका तो वीरेंद्र सिंह ने गुस्से में आकर उसका गला दबा दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

30 नवम्बर, 2025 को चेन्नई (तमिलनाडु) में अपने पति को छोड़ कर गोविंदराज नामक व्यक्ति के साथ लिव-इन में रहने वाली प्रियंका नामक युवती ने किसी बात पर विवाद के चलते गोविंदराज को मार डाला।

8 दिसम्बर, 2025 को लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में रत्ना नामक विधवा ने अपनी 18 और 14 वर्षीय 2 बेटियों की सहायता से अपने लिव-इन प्रेमी सूर्य प्रताप सिंह की गला काट कर हत्या कर दी और पुलिस को बताया कि वह उसकी बड़ी बेटी पर बुरी नजर रखता था।

4 जनवरी, 2026 को ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश) में दक्षिण कोरिया के एक नागरिक की चाकू से गोद कर हत्या कर देने के आरोप में उसकी मणिपुर निवासी लिव-इन पार्टनर को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मृतक शराब पीने का आदी था और अक्सर युवती से मारपीट करता था जिसका अंजाम इस दुखद घटना के रूप में निकला। 8 जनवरी, 2026 को झांसी (उत्तर प्रदेश) में प्रीति नामक महिला के साथ लिव-इन में रह रहे रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी राम सिंह को प्रीति की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।12 जनवरी, 2026 को गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में आरती नामक महिला की हत्या के आरोप में उसके लिव-इन पार्टनर प्रवीण कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार दोनों में शराब पीने के बाद किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया जिस पर प्रवीण कुमार ने आरती की पसलियों और छाती पर ताबड़तोड़ वार कर-के उसे मार डाला।18 जनवरी, 2026 को बिजनौर (उत्तर प्रदेश) के चांदपुर मेंशीतल नामक एक महिला ने अपने लिव-इन पार्टनर हरिओम सिंह की हत्या कर दी। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान शीतल ने बताया कि रिलेशन के दौरान जब उसे गर्भ ठहरा तो हरिओम सिंह ने उसका गर्भपात करवा दिया और शादी के लिए बार-बार कहने पर भी वह मान नहीं रहा था। इस कारण वह नाराज होकर 15 जनवरी को अपने घर चली गई थी।घटना के दिन वह चांदपुर लौटी। दोनों ने पहले शराब पी। फिर दोनों के बीच झगड़ा हुआ और शीतल ने शादी के लिए दोबारा दबाव बनाया तो हरिओम ने खुद को फांसी लगाने की धमकी देते हुए घर के बैड पर खड़े होकर अपने गले में फंदा डाल लिया। यह देख गुस्से में आई शीतल ने उसके पैरों में यह कहते हुए लात मार दी कि मैं ही तुझे मार देती हूं।

इससे वह फांसी पर झूल गया और दम घुटने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद वह मोहल्ले के कुछ लोगों के साथ शव को खुद ही अपने साथ लेकर अस्पताल पहुंची और आत्महत्या की कहानी गढ़ दी लेकिन अंततः उसका भेद खुल गया और शीतल पकड़ी गई।

उच्च प्राचीन भारतीय संस्कृति को देखते हुए निःसंकोच यह बात कही जा सकती है कि लिव-इन रिलेशन किसी भी दृष्टि से भारतीय परिवारों के अनुकूल नहीं है। यह एक ऐसी बुराई है जिसका परिणाम दुखद ही निकलता है। अतः इस तरह के रिश्ते बनाने से बचना ही बेहतर है।आए दिन हो रही वारदातों से पता चलता है कि लिव-इन रिलेशनशिप की बुनियाद बेहद खोखले आपसी स्वार्थ और कपट पर टिकी हुई है और भारतीय समाज में अपराध को जन्म दे रही है।

डिजिटल क्रांति पर साइबर प्रहार गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा 'विश्वास' है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है।

डिजिटल युग ने भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं ने लेन-देन को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाया है। आज एक सामान्य नागरिक भी कुछ सेकंड में देश के किसी भी कोने में धन भेज सकता है, बिल जमा कर सकता है या निवेश कर सकता है। यही डिजिटल क्रांति ह्यनए भारतह्न और ह्यविकसित भारतह्न की आधारशिला मानी जा रही है। किंतु इसी क्रांति के साथ एक गहरी विडंबना भी उभरकर सामने आई है-डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर लूट की भयावह बढ़ोतरी। हजारों करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी की घटनाएँ न केवल आमजन को आर्थिक रूप से आहत कर रही हैं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा 'विश्वास' है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है। यदि बैंकिंग व्यवस्था में नकली नोटों की भरमार हो जाए तो मुद्रा पर विश्वास डगमगा जाता है, उसी प्रकार यदि डिजिटल लेन-देन में ठगी सामान्य अनुभव बन जाए, तो नागरिक डिजिटल माध्यमों से दूरी बनाने लगते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत हानि का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे के लिए भी खतरे की घंटी है। परंपरागत अपराधों और डिजिटल अपराधों की तुलना करें तो दोनों के स्वरूप और प्रभाव में महत्वपूर्ण अंतर दिखाई देता है। पहले चोरी या डकैती किसी सीमित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित होती थी, अपराधी की पहचान अपेक्षाकृत स्पष्ट होती थी और जांच प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संचालित होती थी। डिजिटल अपराधों में अपराधी अदृश्य है, वह किसी दूसरे राज्य या देश में बैठकर वारदात कर सकता है, और कुछ मिनटों में सैकड़ों लोगों को निशाना बना सकता है। पारंपरिक अपराध में जोखिम अपराधी के लिए अधिक था, डिजिटल अपराध में जोखिम कम और लाभ अधिक है। यही असंतुलन इसे अत्यंत खतरनाक बनाता है।

एक अन्य तुलनात्मक पक्ष यह है कि डिजिटल अपराधों में पीड़ित की मनोवैज्ञानिक स्थिति भी अलग होती है। ठगी का शिकार व्यक्ति स्वयं को अपराधी के सामने असहाय पाता है। पुलिस और साइबर क्राइम कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी जब उसे तकनीकी कारणों का हवाला देकर लौटा दिया जाता है, तो उसके भीतर व्यवस्था के प्रति गहरा अविश्वास जन्म लेता है। कई मामलों में यह देखा गया है कि शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया जटिल है, समुचित मार्गदर्शन नहीं मिलता, और समय पर कार्रवाई न होने से धन की रिकवरी असंभव हो जाती है। इससे यह धारणा बनती है कि डिजिटल अपराध का कोई वास्तविक दंड नहीं है। सरकार और न्यायपालिका ने समय-समय पर इस समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया है। शीर्ष अदालत द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर देखना इस बात का संकेत है कि यह केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक आक्रमण भी हो सकता है। किंतु नीति-निर्माण और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बनी हुई है। अनेक प्लेटफार्म और हेल्पलाइन स्थापित किए गए हैं, परंतु उनकी कार्यप्रणाली में त्वरित प्रतिक्रिया, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की कमी स्पष्ट दिखती है। यदि शिकायत के बाद प्रारंभिक 'गोल्डन ऑवर' में ही बैंक खाते फ्रीज करने और ट्रांजैक्शन ट्रैक करने की प्रभावी व्यवस्था न हो, तो बाद की प्रक्रिया औपचारिकता बनकर रह जाती है।

वित्तीय प्रणाली की दृष्टि से देखें तो डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना निवेश, उपभोग और बैंकिंग व्यवहार पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यदि आमजन को यह आशंका सताने लगे कि ऑनलाइन निवेश योजनाएँ या भुगतान सुरक्षित नहीं हैं, तो वह नकद लेन-देन की ओर लौट सकता है। यह प्रवृत्ति सरकार की कैशलेस अर्थव्यवस्था की नीति को कमजोर करेगी। इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेशकों के लिए भी यह संकेत नकारात्मक हो सकता है कि साइबर सुरक्षा का ढांचा पर्याप्त सुदृढ़ नहीं है। अतः यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक नीति का भी केंद्रीय प्रश्न है। समाधान के स्तर पर तुलनात्मक रूप से देखें तो विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के दायरे में रखा है। वहाँ विशेषीकृत एजेंसियाँ, उच्च प्रशिक्षित तकनीकी विशेषज्ञ, त्वरित डेटा साझा करने की प्रणाली और सख्त दंडात्मक प्रावधान हैं। भारत में भी साइबर क्राइम ब्यूरो और डिजिटल सुरक्षा तंत्र मौजूद हैं, परंतु उनकी क्षमता, संसाधन और प्रशिक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। स्थानीय पुलिस बल को केवल पारंपरिक अपराधों की नहीं, बल्कि डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन ट्रैकिंग और डेटा विश्लेषण की भी विशेषज्ञता दी जानी चाहिए। जब तक जांच एजेंसियाँ तकनीकी रूप से अपराधियों से एक कदम आगे नहीं होंगी, तब तक रोकथाम कठिन रहेगी।

एक महत्वपूर्ण पक्ष नागरिक जागरूकता का भी है। तकनीक जितनी उन्नत होती है, अपराधी भी उतने ही नए तरीके अपनाते हैं। अतः केवल सरकारी तंत्र पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता अभियान चलाना आवश्यक है, ताकि लोग संदिग्ध लिंक, कॉल और निवेश प्रस्तावों से सावधान रहें। किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि जागरूकता का दायित्व पीड़ित पर डालकर व्यवस्था अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती। सुरक्षा का मूल दायित्व तंत्र का है, नागरिक का नहीं। भ्रष्टाचार और लापरवाही भी इस समस्या को जटिल बनाते हैं। यदि बैंक या भुगतान प्लेटफार्म समय पर कार्रवाई नहीं करते, या आंतरिक मिलीभगत से फर्जी खाते संचालित होते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत विफलता है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट प्रणाली, जवाबदेही और कठोर दंड अनिवार्य हैं। डिजिटल प्लेटफार्मों की केवाईसी प्रक्रिया को अधिक कठोर और वास्तविक बनाना होगा, ताकि फर्जी पहचान के माध्यम से खाते खोलना कठिन हो।

अंततः डिजिटल क्रांति का उद्देश्य सुविधा, पारदर्शिता और समृद्धि है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसका नैतिक औचित्य कमजोर पड़ जाएगा। भारत जैसे विशाल देश में डिजिटल परिवर्तन को रोकना संभव नहीं, और न ही यह वांछनीय है। किंतु इसे सुरक्षित और विश्वसनीय बनाना अनिवार्य है। सरकार को नीति, तकनीक और प्रशासन-तीनों स्तरों पर समन्वित रणनीति अपनानी होगी। साइबर अपराध के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई, पीड़ितों को समयबद्ध राहत, जांच एजेंसियों का सशक्तीकरण और वित्तीय संस्थानों की जवाबदेही-ये सब मिलकर ही धोखाधड़ी मुक्त डिजिटल परिवेश का निर्माण कर सकते हैं। डिजिटल भारत की सफलता केवल ऐप्स और आंकड़ों से नहीं, बल्कि उस विश्वास से मापी जाएगी जो नागरिक अपने मोबाइल स्क्रीन पर उभरते हर ट्रांजैक्शन संदेश के साथ महसूस करता है। यदि यह विश्वास सुरक्षित रहा, तो डिजिटल क्रांति राष्ट्र को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगीय यदि यह टूट गया, तो समृद्धि का सपना भी अधूरा रह जाएगा। अतः समय की मांग है कि डिजिटल धोखाधड़ी को एक राष्ट्रीय चुनौती मानकर उसके समाधान की दिशा में ठोस, निर्णायक और पारदर्शी कदम उठाए जाएँ, ताकि विकसित भारत की आधारशिला मजबूत और अडिग रह सके।

इस खास वजह से होती है अंगुलियों में सूजन

शरीर के किसी हिस्से में अगर सूजन है तो यह बड़ी परेशानी का संकेत हो सकता है। शरीर के अलग-अलग अंगों में सूजन कई बीमारियों का लक्षण हो सकती है। विभिन्न हिस्सों में सूजन के जरिए ही रोग अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं। आमतौर पर पैरों के पंजे या अंगुलियों में सूजन ज्यादा रहती है। इसे चिकित्सा की भाषा में डेक्टलाइटिस कहते हैं।

किसी भी बीमारी या चोट को लेकर मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली प्रतिक्रिया देती है। इसी प्रतिक्रिया के तहत सूजन होती है। सूजन के अलावा दर्द भी हो सकता है या फिर कोई अन्य लक्षण नजर आ सकते हैं। डेक्टलाइटिस एक ऐसी ही सूजन है जो कि अंगुलियों या पैरों के पंजों में होती है और कई स्थिति में पूरे पैर या हाथ पर भी फैल सकती है। इससे अंगुलियां फूल सकती हैं। डेक्टलाइटिस की समस्या किसी प्रतिरक्षा प्रणाली के बदलाव के अलावा संक्रमण का कारण

क्या है इलाज और सावधानियां

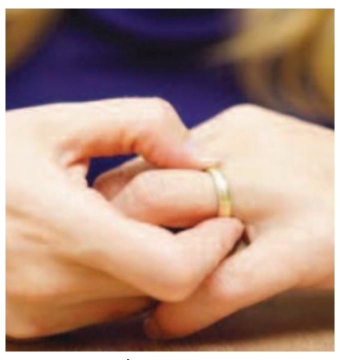

भी हो सकती है। इस स्थिति में प्रतिरक्षा प्रणाली स्वस्थ ऊतकों पर हमला कर देती है। यह किसी ऑटोइम्यून डिसऑर्डर के कारण हो सकता है। कई बार मरीज अंगुलियों में सूजन को नजरअंदाज कर देते हैं और उसे सामान्य समझकर टाल देते हैं। लेकिन ऐसा करने पर यह संक्रमण हड्डियों तक पहुंच जाता है। किसी भी स्थिति में चिकित्सक की सलाह के बिना सूजन उतारने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। आमतौर पर लोग मालिश करने लगते हैं, या लेप लगाने लगते हैं। ऐसी जगहों पर बेवजह दबाव डालने से बचना जरूरी है। इस सूजन के आम कारणों में से एक है सिकल सेल डिसीज। यह लाल रक्त कोशिकाओं से जुड़ी एक जेनेटिक समस्या है। ये कोशिकाएं वैसे तो डिस्क के आकार की होती हैं लेकिन सिकल सेल डिसीज में इसका आकार घुमावदार होता है। बच्चों में खासकर डेक्टलाइटिस के शुरुआती लक्षण के रूप में उभर सकता है। इसके साथ ही दर्द और बुखार की समस्या हो सकती है। यह छह महीने के बच्चे को भी हो सकता है।

टीबी के कारण भी डेक्टलाइटिस की समस्या उभर सकती है। इस स्थिति में फेफड़ों में सूजन आती है लेकिन कई बार हड्डियों में सूजन की वजह भी बन सकता है। इससे अंगुलियां सूज जाती हैं।

सूजन का कारण विशेष प्रकार के आर्थराइटिस के कारण भी हो सकता है

इस रोग के लिए त्वचा संबंधित संक्रमण भी कई बार अंगुलियों में सूजन का कारण बन सकते हैं। यह त्वचा की निचली परत ही नहीं, हड्डियों तक पहुंच जाते हैं। एक अन्य कारण में सारकॉइडोसिस भी शामिल है जो कि एक ऑटोइम्यून डिसीज है। इसके कारण लिवर, दिल, फेफड़ों और अन्य अंगों पर प्रभाव पड़ता है। यह जानलेवा भी हो सकती। हड्डियों के अलावा मांसपेशियां भी प्रभावित हो सकती है। अगुलियों में सूजन का कारण विशेष प्रकार के आर्थराइटिस के कारण भी हो सकता है। यह सराइटिक आर्थराटिस में ज्यादा देखने को मिलता है। इस तरह की सूजन से आर्थराइटिस के निदान में चिकित्सकों को मदद मिलती है। इस बीमारी को लेकर इलाज और सावधानियां समझ लेना जरूरी हैं। इसके लिए दवाइयों के अलावा फिजियोथैरेपी काम आएगी। साथ ही खानपान और लाइफस्टाइल में बदलाव जरूरी है। इस बात का ध्यान रखें कि सूजन किसी बीमारी का संकेत हो सकता है इसलिए नजरअंदाज करने की बजाए डॉक्टर से परामर्श जरूर लेना चाहिए।

बीमारी के कारण पुरुषों में खुदकुशी का खतरा अधिक

माना जाता है कि शारीरिक रोगों से पुरुषों के मुकाबले महिलाएं अधिक परेशान रहती हैं। लेकिन, एक नए अध्ययन में पता चला है कि शारीरिक बीमारी और चोट से पुरुष अधिक परेशान होते हैं। रोगों के चलते उनमें आत्महत्या करने का खतरा बढ़ जाता है। जबकि महिलाओं के साथ ऐसा नहीं होता। यह अध्ययन जेएएमए साइकाइट्री नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के शोधकर्ताओं द्वारा यह अध्ययन किया गया। उन्होंने डेनमार्क के लोगों का डाटा लिया और मशीन लर्निंग सिस्टम से आत्महत्या के जोखिम कारक का पता लगाने के लिए उसका विश्लेषण किया। एपिडेमिओलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर और अध्ययन के लेखक डॉ. जैमी ग्रेडस ने कहा कि आत्महत्या का अनुमान लगाना अविश्वसनीय रूप से चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि प्रत्येक आत्महत्या हर एक के जीवन के अलग-अलग जोखिम कारकों का परिणाम है। डॉ. ग्रेडस और उनके सहयोगियों ने 14,103 उन लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड में हजारों कारकों को देखा, जो 1995 से 2015 के बीच डेनमार्क में आत्महत्या से मरे थे।

दिमागी कसरत के लिए खूब पढ़िए किताबें, जानें क्या कहता है शोध

एक अध्ययन में पाया गया है कि किताबें पढ़ना दिमाग के लिए अच्छा होता है। ये आदत दिमाग की कसरत करवाती हैं और मानसिक क्षमता को बढ़ाने का काम करती हैं। यह अध्ययन बर्कले की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने किया।

शोधकर्ताओं ने कहा कि दिमाग को स्वस्थ बनाए रखने के लिए किताबें पढ़ना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि ये बात हम पहले से ही जानते हैं कि पढ़ना से बच्चों का विकास होता है। हालांकि उन्होंने शोध में पाया कि जो बच्चे कम उम्र से ही पढ़ना शुरू कर देते हैं, वे बौद्धिक परीक्षणों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं।

अध्ययन में यह भी पता चला कि पढ़ने से वयस्कों के दिमाग का विकसित होना जारी रहता है। अध्ययन के दौरान, लोगों को पढ़ने के लिए एक किताब दी गई और उनका एमआरआई किया गया। इसमें पता चला कि अलग-अलग तरह की किताबें पढ़ने से मस्तिष्क के विभिन्न हिस्सों का व्यायाम होता है। एक अन्य अध्ययन का कहना है कि जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, वैसे-वैसे पढ़ने से आपकी दिमागी क्षमता कमजोर होने की गति धीमी हो जाती है या फिर रुक जाती है। शोधकर्ताओं ने कहा, किताबों पर अंकित शब्द आपकी मानसिक क्षमता में सुधार कर सकते हैं। शोध के मुताबिक, किताबें केवल आपकी दिमागी क्षमता को ही नहीं बढ़ाती, बल्कि ये आपको एक अच्छा इंसान भी बनाती हैं।शोधकर्ताओं का कहना है कि अधिकतर लोग व्यस्त होने के कारण किताबें नहीं पढ़ पाते। हालांकि, अगर वे किताबें पढ़ने का एक उद्देश्य बना लेंगे तो व्यस्तता में भी समय निकाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन रोज एक-एक पेज पढ़ने से धीरे-धीरे उनको पूरी किताब पढ़ने की आदत हो जाएगी।

शोध

- कम उम्र से किताब पढ़ने वाले बच्चों को प्रदर्शन होता है बेहतर।
- किताबें पढ़ने से मस्तिष्क के हिस्सों का व्यायाम।

रेसिपी

कॉर्न बिरयानी

सामग्री

■ डेढ़ कप कॉर्न ■ 3 कप बासमती चावल ■ लंबाई में कटे हुए 2 बड़े प्याज ■ 3 बारीक कटे टमाटर ■ 2 टीस्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट ■ 6 बारीक कटी हरी मिर्च ■ 4 टेबलस्पून तेल ■ 4 टेबलस्पून घी ■ 200 ग्राम दही ■ 750 मिली पानी ■ स्वादानुसार नमक ■ 2 टीस्पून मिर्च पाउडर ■ 1/4 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ 1/4 कप बारीक कटा हरा धनिया ■ 1/4 कप मिंट की पत्तियां ■ 2 टुकड़े दालचीनी ■ 5 लौंग ■ 3 इलायची

विधि

आधे घंटे के लिए चावल को पानी में भिगो कर रख दें। पानी निकालने के बाद चावल को अलग रख दें। भारी तले वाले बर्तन में तेल और घी को एक साथ गरम करें। उसमें दालचीनी, इलायची और लौंग को फ्राई करें। उसमें प्याज को भूरा होने तक भूनें। उसके बाद उसमें टमाटर और अदरक-लहसुन का पेस्ट मिलाएं। अब उसमें हरी मिर्च, धनिया और मिंट की पत्तियां डालें। मक्के के दानों के साथ उसमें हल्दी, मिर्च, दही और नमक मिलाकर गाढ़ी ग्रेवी तैयार कर लें। इस ग्रेवी में पानी और चावल मिलाकर प्रेशर कुकर में पका लें। धनिया की पत्तियों से गार्निश कर सर्व करें।

रेसिपी

ऑलिव नॉन

सामग्री

■ 300 ग्राम मैदा ■ 100 मिलीलीटर मिल्क ■ 50 मिलीलीटर पानी ■ 50 ग्राम पिघला हुआ बटर, 5 ग्राम नमक ■ 50 ग्राम ग्रीन ऑलिव ■ 30 ग्राम ब्लैक ऑलिव ■ 3 ग्राम ऑरगेनो

विधि

एक बोल में मैदा, नमक, मिल्क, बटर, ऑरगेनो और पानी डालकर अच्छी तरह गूंथे। अब लगभग 60 ग्राम आटा लेकर आटे की बॉल्स तैयार करें और उस पर ऑयल से ब्रेश करें।सभी बॉल्स को ट्रांसपेरेंट प्लास्टिक से रैप करें और फ्रिज में लगभग 7-8 घंटे के लिए रख दें। फ्रिज से बॉल्स निकालकर रूम टेम्प्रेचर पर करीब 40-50 मिनट के लिए रखें। अब एक-एक कर बॉल को बेल लें और नान का शेप दें। ऊपर से बारीक कटे हुए ग्रीन और ब्लैक ऑलिव्स काटकर फैलाएं। गर्म तंदूर में नान को अच्छी तरह सेंक लें। अब तैयार ऑलिव नान पर बटर से ब्रशिंग कर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 3799

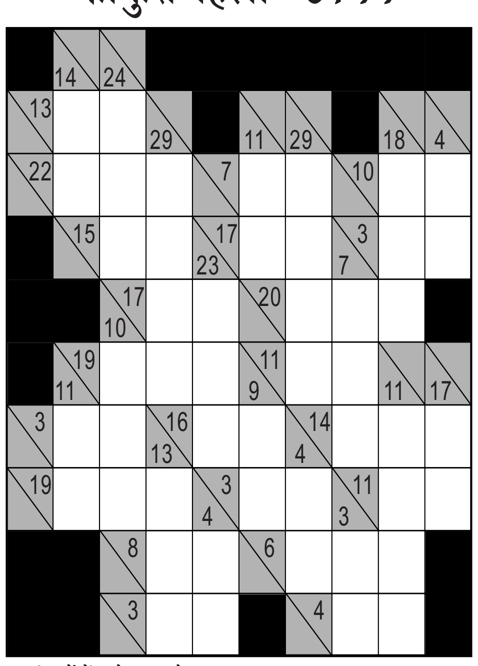

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

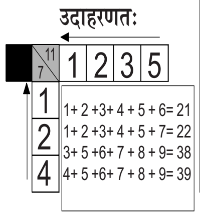

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3798 का हल

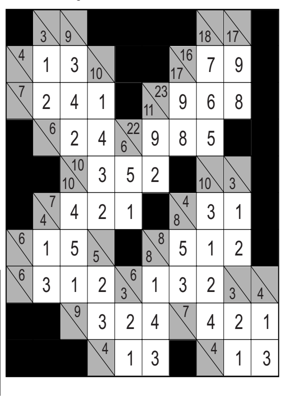

लॉफिंग जोक्स

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा– जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम–तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला– तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

□ □ □

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा –क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका– तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी– अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी– अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका – तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3799

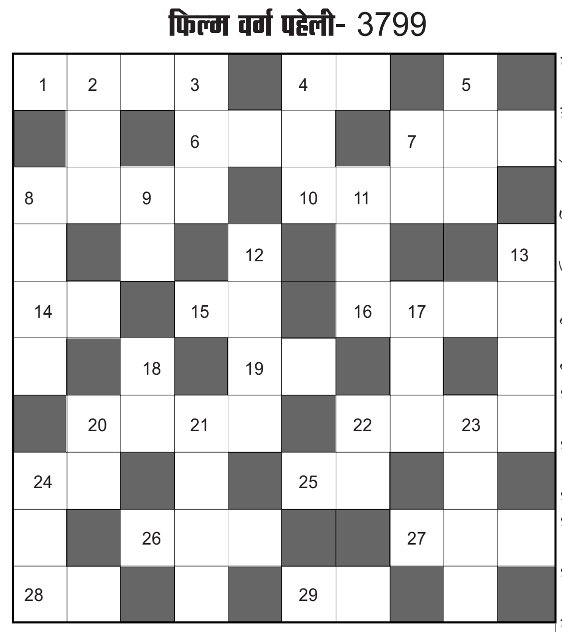

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3798

सूडोकु -3799

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3798 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 3799

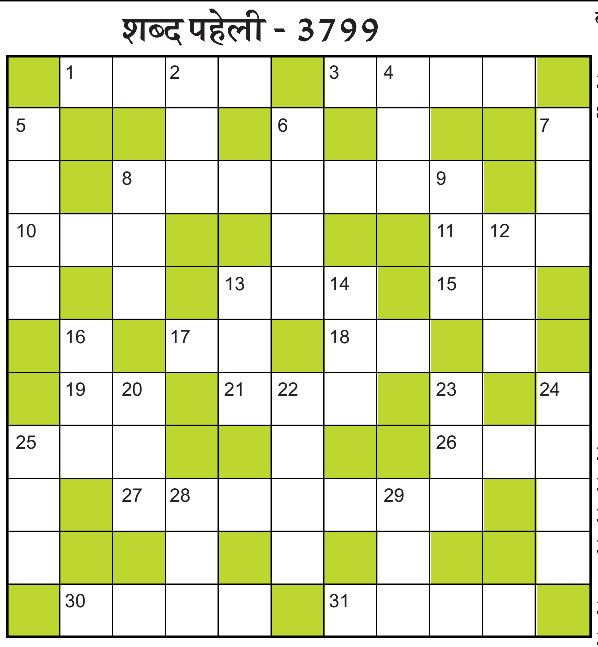

बाएँ से दाएँ

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली -3798 का हल

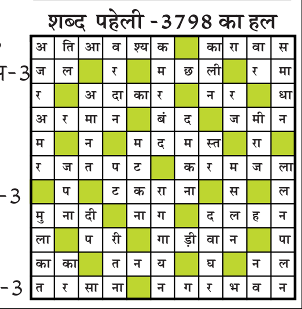

इंडिया इम्पैक्ट समिट: एआई महाशक्ति बनने की ओर भारत का बड़ा कदम

- 70-100 अरब डॉलर निवेश की संभावना, 100 से अधिक देशों के दिग्गज दिल्ली में जुटेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)।

नई दिल्ली में आयोजित होने जा रहे इंडिया इम्पैक्ट समिट में दुनिया भर के 100 से अधिक देशों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञ, शीर्ष कंपनियों के मुख्य कार्याधिकारी और राष्ट्र प्रमुख भाग लेंगे। दो दिवसीय इस सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। आयोजन में 35,000 से अधिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति की संभावना है और 70 से 100 अरब डॉलर तक के निवेश की घोषणाएं हो सकती हैं। भारत इस मंच के माध्यम से स्वयं को अमेरिका और चीन के बीच एआई क्षेत्र में एक वैकल्पिक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहता है। इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'संप्रभु एआई' को राष्ट्रीय लक्ष्य बताते हुए कहा कि भारत को एआई के पांच प्रमुख स्तरों- एप्लीकेशंस, मॉडल, चिपसेट, अधोसंरचना और ऊर्जा-में प्रतिस्पर्धी बनना होगा। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल डिजिटल बाजार है। चैटजीपीटी के डाउनलोड के मामले में भारत अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। सेंसरटॉवर के अनुसार 2025 में वैश्विक जनरेटिव एआई ऐप डाउनलोड का 16 प्रतिशत भारत से हुआ। विश्व आर्थिक मंच में प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार 86 प्रतिशत भारतीय कंपनियां एआई का उपयोग कर रही हैं या इसकी संभावनाएं तलाश रही हैं। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। अभी तक कोई भारतीय एआई कंपनी 1,000 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व के स्तर तक नहीं पहुंची है। सेमीकंडक्टर, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग और ऊर्जा अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश की आवश्यकता है।

साथ ही पारंपरिक आईटी सेवा कंपनियों के लिए एआई युग में प्रतिस्पर्धा बनाए रखना भी बड़ी परीक्षा होगी। इंडिया इम्पैक्ट समिट भारत की एआई महत्वाकांक्षा को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

सिएरा का 1.5 लीटर टीजीडीआई हायपेरियन इंजन है सबसे तेज: सर्वे

नई दिल्ली ।

टाटा सिएरा के इंजनों की परफॉर्मेंस सामने आई है, जिससे आप अपनी ड्राइविंग स्टाइल के मुताबिक सही वेरिएंट चुन सकते हैं। ऑटोकार इंडिया के डेटा के आधार पर सिएरा का 1.5 लीटर टीजीडीआई हायपेरियन इंजन सबसे तेज है, जबकि नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन अपेक्षाकृत स्लो परफॉर्मेंस देता है। 1.5 लीटर टीजीडीआई टर्बो-पेट्रोल इंजन ने परफॉर्मेंस के मामले में खुद को सबसे आगे साबित किया है। यह इंजन मात्र 10.09 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेता है, जो इसे अपने सेगमेंट की सबसे फास्ट कारों में शामिल करता है। टेस्ट ट्रैक नटराक्स पर कंपनी ने इस इंजन के साथ 222 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड भी हासिल की थी, हालांकि प्रोडक्शन मॉडल में इसकी टॉप स्पीड 190 किमी प्रति घंटे तक सीमित रखी गई है।

इतना ही नहीं, यह इंजन शक्तिशाली होने के साथ रिफाइंड और फ्यूल-एफिशिएंट भी है। यह वेरिएंट फिलहाल सिर्फ ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में उपलब्ध है। दूसरी ओर, 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल (रेवोट्रॉन) इंजन थोड़ा धीमा है और 0 से 100 की स्पीड पकड़ने में 17.34 सेकंड लेता है।

इसका टॉर्क डिलीवरी कम आरपीएम पर अच्छी है, जिससे यह शहर की ड्राइविंग के लिए बेहतर है। स्मूथ और रिफाइंड ड्राइविंग अनुभव होने के बावजूद ओवरटेकिंग के दौरान थोड़ी प्लानिंग की जरूरत पड़ती है। यह इंजन मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध है, जिसका गियरशिफ्टिंग अनुभव काफी अच्छा है। सबसे धीमा परफॉर्मेंस 7-स्पीड ड्यूल-क्लच ऑटोमैटिक के साथ आता है, जिसे 0-100 किमी/घंटा रफ्तार पकड़ने में 21.16 सेकंड लगते हैं। गियर शिफ्टिंग के समय हल्का पॉज महसूस होता है, जिससे इसका एक्सेलेरेशन थोड़ा रिलैक्स्ड लगता है। अगर आप एक बैलेंस्ड और बेहतर एक्सेलेरेशन वाले विकल्प की तलाश में हैं, तो 1.5 लीटर डीजल इंजन अच्छा विकल्प बनता है। यह इंजन मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों गियरबॉक्स के साथ आता है और 12.87 सेकंड में 0-100 की स्पीड पकड़ सकता है।

17.15 लाख करोड़ के पूंजीगत व्यय से विकसित भारत को मिली रफ्तार: वित्त मंत्री

बुनियादी ढांचा, बायोफार्मा, सेमीकंडक्टर और एमएसएमई पर जोर

नई दिल्ली ।

लोकसभा में बजट पर सामान्य चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार द्वारा किया गया 17.15 लाख करोड़ रुपये का प्रभावी पूंजीगत व्यय विकसित भारत के लक्ष्य को तेजी से हासिल करने में सहायक होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वित्त वर्ष 2027 के लिए प्रत्यक्ष पूंजीगत व्यय 12.22 लाख करोड़ रुपये निर्धारित है, लेकिन राज्यों और केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों को पूंजी हस्तांतरण सहित कुल प्रभावी व्यय 17.15 लाख करोड़ रुपये है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 प्रतिशत है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का जोर केवल राष्ट्रीय राजमार्गों तक सीमित नहीं है, बल्कि जलमार्गों के विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत कम करना और दूरदराज़ राज्यों को सस्ती एवं तेज परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है। इससे उन राज्यों को विशेष लाभ मिलेगा जो समुद्री बंदरगाहों से सीधे नहीं जुड़े हैं। सीतारमण ने कहा कि यह बजट 21वीं सदी के इस चरण का पहला बजट है और इसमें भविष्य को ध्यान में रखते हुए निवेश किया गया है। बायो-फार्मा क्षेत्र में बायोसिमिलर दवाओं के अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि गंभीर और दीर्घकालिक बीमारियों के इलाज में भारत अग्रणी बन सके। इसके साथ ही इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 की शुरुआत की गई है, जिससे देश तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा। कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण तकनीक में निवेश को 2070 तक नेट-जीरो लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया। श्रम-आधारित और विरासत उद्योगों के पुनरुद्धार के साथ एमएसएमई और मध्यम उद्योगों को वित्तीय सहयोग देने की भी घोषणा की गई है। मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पांच क्षेत्रीय केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जिनके चयन में पीएम गति शक्ति के मानदंड लागू होंगे। वित्त मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि ऋण-जीडीपी अनुपात को लक्ष्य बनाना नया कदम नहीं है, बल्कि इसे 2018 में एफआरबीएम संशोधन में शामिल किया जा चुका है।

मिस-सेलिंग रोकने के लिए आरबीआई का सख्त रुख

- बैंक स्टाफ के लिए नई गाइडलाइन जारी

नई दिल्ली ।

वित्तीय उत्पादों की भ्रामक बिक्री (मिस-सेलिंग) करने के मामले पर रोक लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सख्त रुख अपनाया है। बैंकिंग नियामक ने बीमा कंपनियों या म्युचुअल फंडों जैसे तीसरे पक्ष के उत्पादों और सेवाओं को बेचने के लिए बैंक कर्मचारियों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि पर रोक लगाने का प्रस्ताव किया है। आरबीआई ने कहा कि बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए यूजर इंटरफेस में कोई डार्क पैटर्न इस्तेमाल न हो। बीते सोमवार को जारी विनियमित इकाइयों द्वारा वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के विज्ञापन, मार्केटिंग और बिक्री के लिए संशोधित दिशानिर्देश के मसौदे में यह प्रस्ताव किया गया है कि कोई बैंक किसी भी तीसरे पक्ष के उत्पाद की बिक्री को अपने किसी उत्पाद के साथ जोड़कर नहीं करेगा। अगर बैंक अपने उत्पाद को बेचने के लिए तीसरे पक्ष के उत्पाद की खरीद पर निर्भर है तो ग्राहक को किसी दूसरी कंपनी से वही उत्पाद खरीदने का विकल्प दिया जाना चाहिए। अगर भ्रामक तरीके से बिक्री की बात साबित होती है तो बैंकों को पूरी रकम वापस करनी होगी और ऐसे उत्पादों की बिक्री से होने वाले किसी भी नुकसान के लिए बैंक ग्राहकों को हर्जाना भी देंगे। नियामक ने कहा कि बैंक यह सुनिश्चित करेगा कि उत्पादों और सेवाओं की बिक्री के लिए व्यावसायिक इकाइयों के बीच प्रतिस्पर्धा की नीतियां और कार्य न तो गलत बिक्री के लिए प्रोत्साहित करेंगे और न ही कर्मचारियों/प्रत्यक्ष बिक्री एजेंटों को उत्पाद/सेवाओं की बिक्री पर जोर देने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। प्रस्तावित नियम बैंकों और बीमा कंपनियों/म्युचुअल फंडों दोनों के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है क्योंकि वे अपने उत्पादों के वितरण के लिए बैंकों पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। दूसरी ओर बैंकों को ऐसे उत्पादों के वितरण के लिए फीस मिलती है।

पिछले साल नवंबर में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के बैंकिंग तंत्र में लोगों का भरोसा बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया था

और ऋणदाताओं से उत्पादों की भ्रामक बिक्री पर रोक लगाने की अपील की थी। बैंकिंग नियामक ने भी कहा था कि बैंकों को अपनी मुख्य कारोबारी गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए।

सोना-चांदी निवेश में तेजी, बदल रहा है निवेशकों का रुझान: रिपोर्ट

- निवेशकों को संतुलित और चरणबद्ध रणनीति अपनाने की सलाह

मुंबई ।

दुनिया भर में आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच सोना और चांदी निवेशकों के लिए फिर से आकर्षक विकल्प बन गए हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हालिया तेजी केवल अल्पकालिक उछाल नहीं, बल्कि दीर्घकालिक मजबूत ट्रेंड की शुरुआत हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार बड़े वैश्विक निवेशक अब सोने को अपने पोर्टफोलियो में स्थायी रूप से शामिल कर रहे हैं। पहले इसे केवल संकट के समय सुरक्षित निवेश माना जाता था, लेकिन अब यह लंबी अवधि की रणनीति का हिस्सा बन रहा है। केंद्रीय बैंकों की लगातार सोने की खरीद और ब्याज दरों में संभावित कटौती की उम्मीदें भी सोने की कीमतों को मजबूत आधार दे रही हैं। अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती और डॉलर की कमजोरी विशेष रूप से सोने के लिए सकारात्मक हैं। भारतीय निवेशकों के लिए रुपये की कमजोरी अतिरिक्त रिटर्न का अवसर देती है। चांदी की कीमतों में तेजी सिर्फ निवेश से नहीं बल्कि औद्योगिक मांग से भी प्रभावित है। सोलर पैनल, रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक व्हीकल जैसे क्षेत्रों में बढ़ती खपत चांदी की दीर्घकालिक कीमतों को समर्थन देती है। रिपोर्ट के मुताबिक नए निवेशकों को कुल पोर्टफोलियो का 5-10 फीसदी हिस्सा सोना और चांदी में रखने और निवेश चरणबद्ध करने की सलाह दी गई है। जिन निवेशकों की हिस्सेदारी 25-30 फीसदी से अधिक है, उन्हें पोर्टफोलियो की समीक्षा कर आंशिक मुनाफा वसूलने की सलाह दी गई है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 19 पैसे की तेजी के साथ ही 90.59 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 38 पैसे उछलकर 90.40 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी निवेश प्रवाह और केंद्रीय बैंक के संभावित हस्तक्षेप से इसे समर्थन मिला है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ये सुनिश्चित किया कि बैंकों में पर्याप्त नकदी बनी रहे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.55 पर खुला। फिर इसने गति पकड़ी और 90.40 तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 38 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया प्रारंभिक कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 90.56 तक भी पहुंचा। रुपया बुधवार को 22 पैसे की गिरावट के साथ 90.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ 96.78 पर रहा था।

भारतीय स्टेट बैंक बनी देश की चौथी सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनी

- मार्केट कैप में टीसीएस को पछाड़ कर हासिल किया मुकाम

मुंबई । देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने हाल ही में शेयर बाजार में शानदार प्रदर्शन करते हुए टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को पीछे छोड़ दिया है। बुधवार को बाजार बंद होने तक एसबीआई का मार्केट कैप 10.92 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि टीएसीएस का मार्केट कैप 10.52 लाख करोड़ रुपए था। इस वृद्धि के कारण एसबीआई अब देश की चौथी सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनी बन गई है। मार्केट कैप के आधार पर देश की शीर्ष पांच लिस्टेड कंपनियां इस प्रकार हैं- रिलायंस इंडस्ट्रीज- 19.87 लाख करोड़, एचडीएफसी बैंक- 14.16 लाख करोड़, भारती एयरटेल- 11.47 लाख करोड़, एसबीआई- 10.92 लाख करोड़ और टीसीएस का मार्केट कैप- 10.52 लाख करोड़ रपए था। एसबीआई के शेयरों में पिछले तीन कारोबारी सत्रों में लगभग 11 फीसदी की तेजी आई। निवेशकों का सरकारी बैंकों में बढ़ता भरोसा और मजबूत तिमाही नतीजे इस तेजी के मुख्य कारण हैं। एसबीआई ने तीसरी तिमाही में *21,030 करोड़ रुपए का लाभ दर्ज किया, जो बाजार अनुमानों से करीब 18 फीसदी अधिक है। बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम 9 फीसदी बढ़कर 45,190 करोड़ रुपए हो गई। घरेलू मार्जिन बढ़कर 3.12 फीसदी पर पहुंच गया, जबकि कुल मार्जिन 2.99 फीसदी स्थिर रहा। लोन पोर्टफोलियो में 15.6 फीसदी वृद्धि और जमा में 9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। क्रेडिट कॉस्ट केवल 0.29 फीसदी रही, जो बैंक की मजबूत वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। वहीं आईटी सेक्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण टीसीएस के शेयरों में पिछले पांच दिनों में लगभग 4 फीसदी की गिरावट** आई, जिससे रैंकिंग में बदलाव हुआ।

सेल का बिक्री लक्ष्य 2 करोड़ टन, ऋण घटाने और दक्षता बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली । स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने वित्त वर्ष 2025-26 में दो करोड़ टन स्टील बेचने का लक्ष्य रखा है। पिछले वर्ष इसकी बिक्री 1.79 करोड़ टन थी। अप्रैल-दिसंबर 2025 की नौ महीने की अवधि में कंपनी ने 1.66 करोड़ टन की बिक्री दर्ज की, जो 16.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। सेल ने अप्रैल-दिसंबर 2025 में 5,000 करोड़ रुपए का ऋण चुकाया। 31 दिसंबर तक कुल ऋण 24,852 करोड़ रुपए था, जबकि जनवरी 2026 में इसमें 2,000 करोड़ रुपए और कटौती हुई। कंपनी परिचालन दक्षता, लागत अनुकूलन और मजबूत कोष प्रबंधन पर जोर दे रही है। कंपनी के एक अे धिकारी के अनुसार ये कदम वित्तीय स्थिति सुधारने और विकास निवेशों के अवसर बनाने में मदद कर रहे हैं। सेल केंद्रित विपणन पहलों और बेहतर प्रबंधन के जरिये अपनी नींव मजबूत कर रही है। इस मजबूत आधार के साथ कंपनी वित्त वर्ष 2025-26 में दो करोड़ टन बिक्री हासिल करने की उम्मीद कर रही है।

पतंजलि फूड्स ने 9 महीनों में तोड़ा रिकॉर्ड, राजस्व 29,000 करोड़ के पार

- कंपनी ने तीसरी तिमाही में 594 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया

नई दिल्ली । बाजार की अनिश्चितता और वैश्विक मंदी के बीच बाबा रामदेव की अगुवाई वाली पतंजलि फूड्स ने वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में अभूतपूर्व सफलता दर्ज की। कंपनी का कुल राजस्व 29,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। हालिया तीसरी तिमाही में भी कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा, जिसमें राजस्व 10,500 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही से 16 फीसदी अधिक है। कंपनी ने तीसरी तिमाही में लगभग 594 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया। हालांकि ऐ बिटा 500 करोड़ रुपये के नीचे दर्ज किया गया, लेकिन कुल ग्रोथ ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया है। पतंजलि की सफलता के पीछे उसके एफएमसीजी सेगमेंट का अहम योगदान है। इस विभाग ने साल-दर-साल 39 फीसदी की वृद्धि दिखाई और कुल मुनाफे में महत्वपूर्ण हिस्सा रखा। खाद्य तेल का सेक्टर भी कंपनी के लिए रेवेन्यू का बड़ा स्तंभ बना। फूड ऑयल सेगमेंट ने 7,335 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न किया, जिसमें कुल तेल बिक्री का 85 फीसदी ब्रांडेड उत्पादों से हुआ। कंपनी ने न केवल अपने पुराने ग्राहकों को बनाए रखा बल्कि नए बाजारों में भी प्रवेश किया। बिस्कुट, नूडल्स और अन्य रोजमर्रा की चीज़ों की बढ़ती डिमांड ने रेवेन्यू में योगदान बढ़ाया।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 558 , निफ्टी 146 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले सकरात्मक संकेतों के बाद भी आईटी शेयरों में बिकवाली के कारण आई है। इससे दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाबा बीएसई सेंसेक्स 558.72 अंक टूटकर 83,674.92 और 50 शेयरों वाला एनएस निफ्टी 146.65 अंक फिसलकर 25,807.20 पर बंद हुआ। इन दौरान निफ्टी आईटी शेयरों में भारी गिरावट रही और ये 5.51 फीसदी टूटकर बंद हुए। निफ्टी रियल्टी , निफ्टी मीडिया , निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी सर्विसेज), निफ्टी एनर्जी और निफ्टी एफएमसीजी में भी गिरावट रही।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में तेजी रही। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बड़ी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 283.70 अंक फिसलकर 60,470.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 110.90 अंक नीचे आकर 17,344.10 पर बंद हुआ।सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, बीईएल, एसबीआई, टाइटन, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, भारती एयरटेल और टाटा स्टील के शेयर लाभ में रहे थे जबकि टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, एमएंडएम, एचयूएल, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई। आईटी कंपनियों में तेज बिकवाली के चलते बाजार पर दबाव बना रहा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 409 अंकों की गिरावट के साथ 83,825 के स्तर पर पहुंच गयावहीं निफ्टी भी 113 अंक फिसलकर 25,841 पर आ गया।। वहीं आज एशियाई बाजारों में मजबूती रही। जापान का निक्केई 225 पहली बार 58,000 के स्तर को पार कर गया। निक्केई 225 में 0.5 फीसदी की बढ़त रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 1.9 फीसदी उछला। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एएसएक्स 200 सूचकांक 0.6 फीसदी बढ़ा। वहीं अमेरिका में बुधवार को प्रमुख सूचकांक हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 लगभग स्थिर रहा जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.16 फीसदी फिसला और डॉव जोन्स 0.13 फीसदी गिरा।

आईसीआईसीआई समूह को एचडीएफसी बैंक में हिस्सेदारी बढ़ाने आरबीआई से मंजूरी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी और आईसीआईसीआई समूह की अन्य कंपनियों को एचडीएफसी बैंक में अपनी हिस्सेदारी 9.95 फीसदी तक बढ़ाने की अनुमति दे दी है। एचडीएफसी बैंक ने बुधवार देर रात यह जानकारी शेयर बाजार को दी। 6 फरवरी तक आईसीआईसीआई समूह के पास एचडीएफसी बैंक में कुल 4.07 फीसदी हिस्सेदारी थी। आरबीआई की मंजूरी के बाद समूह अब अपनी हिस्सेदारी रणनीतिक रूप से बढ़ा सकता है। आरबीआई ने यह अनुमति एक साल की अवधि के लिए दी है। साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि आईसीआईसीआई समूह की कुल हिस्सेदारी किसी भी समय 9.95 फीसदी से अधिक नहीं होनी चाहिए। यदि किसी वजह से हिस्सेदारी 5 फीसदी से नीचे चली जाती है, तो इसे फिर से 5 फीसदी या उससे अधिक बढ़ाने के लिए आरबीआई से नई मंजूरी लेनी होगी।

इसका मतलब है कि हिस्सेदारी बढ़ाने और बनाए रखने दोनों पर आरबीआई की निगरानी बनी रहेगी। एचडीएफसी बैंक भारत का सबसे बड़ा बैंक है, जिसकी बाजार पूंजीकरण लगभग 157 अरब डॉलर है।

आईसीआईसीआई समूह की हिस्सेदारी बढ़ाना रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बाजार की नजर अब इस बात पर टिकी है कि आईसीआईसीआई समूह कितनी तेजी से अपनी हिस्सेदारी बढ़ाता है और इसका एचडीएफसी बैंक के शेयरों पर क्या प्रभाव पड़ता है।

सैमसंग पेश करेगा नया गैलेक्सी एस26 एआई स्मार्टफोन

सोल । सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इस महीने अमेरिका में होने वाले गैलेक्सी अनपैक्ड 2026 इवेंट में अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन पेश करेगा। कार्यक्रम 25 फरवरी, को सैन फ्रांसिस्को में आयोजित होगा। कंपनी ने अपने आमंत्रण में कहा- द नेक्स्ट एआई फोन मेक्स योर लाइफ ईजियर। नए स्मार्टफोन, संभवतः गैलेक्सी एस26, में उन्नत एआई फीचर्स होंगे। यह फोन रोजमर्रा के काम आसान बनाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और गैलेक्सी एआई को सहज रूप से एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। फोन में नया प्राइवेसी फीचर भी शामिल होगा, जिससे यूजर्स स्क्रीन की जानकारी दूसरों से छिपा सकेंगे। इसके लिए किसी अतिरिक्त स्क्रीन गार्ड की आवश्यकता नहीं होगी। यूजर्स विभिन्न सेटिंग्स के माध्यम से स्क्रीन की विजिबिलिटी नियंत्रित कर पाएंगे, जिससे शोल्डर सर्फिंग से बचाव होगा। सैमसंग ने इस तकनीक को विकसित करने में पांच साल से अधिक समय लगाया। यह फीचर विशेष रूप से एस26 अल्ट्रा मॉडल में उपलब्ध हो सकता है और एआई के नए दौर की शुरुआत का संकेत देता है।

संस्थागत निवेशकों ने एथर एनर्जी में खरीदी 1.92 फीसदी हिस्सेदारी

- एनआईआईएफ ने यह सौदा अपनी सहयोगी इकाई एनआईआई-2 के माध्यम से किया

नई दिल्ली। नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) ने एथर एनर्जी में अपनी 1.92 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी है। एनआईआईएफ ने यह सौदा अपनी सहयोगी इकाई एनआईआई-2 के माध्यम से किया। दिसंबर तिमाही के अंत तक एनआईआईएफ के पास यह हिस्सेदारी थी, जो अब पूरी तरह बिक चुकी है। खुली बाजार में हुई इस लेनदेन में मॉर्गन स्टेनली, गोल्डमैन सैश, सोसाइटी जनरली, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी सहित प्रमुख संस्थागत निवेशकों ने कुल 73,33,219 शेयर खरीदे। औसत कीमत 710 रुपये प्रति शेयर रही, जिससे कुल सौदे का मूल्य लगभग 521 करोड़ रुपये बना। इस खरीद में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, टाटा म्यूचुअल फंड, इनवेस्को म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड, आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्यूचुअल फंड, व्हाइटओक कैपिटल म्यूचुअल फंड और टाटा एआईजी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी शामिल हैं। इस सौदे के बाद एनआईआईएफ एथर एनर्जी में पूरी तरह बाहर हो गया है, जबकि संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़ी है।

फ्रांसिस्को सेरुंडोलो अर्जेंटीना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। लोकल फेवरेट और टॉप सीड फ्रांसिस्को सेरुंडोलो बुधवार को बोलीविया के ह्यूगो डेलियन को 6-0, 7-6 (6) से हराकर अर्जेंटीना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। वर्ल्ड नंबर 19 सेरुंडोलो ने शुरुआती सेट में दम दिखाया और दूसरे सेट में आठ सेट पॉइंट बचाकर ब्यूनस आयर्स लॉन टेनिस क्लब के आउटडोर क्ले कोर्ट पर एक घंटे 24 मिनट में मैच अपने नाम कर लिया।

27 साल के सेरुंडोलो ने कहा, 'शुरुआत में चीजें जिस तरह से हुईं, उससे मैं खुश था लेकिन फिर उसने अग्रेसिव खेलना शुरू कर दिया और यह मुश्किल हो गया। मैंने कुछ सेट पॉइंट बचाए और मैं बस आगे बढ़कर खुश हूं।' सेरुंडोलो एटीपी 250 इवेंट के अगले राउंड में चेक रिपब्लिक के विट कोप्रिवा से भिड़ेंगे।

कोप्रिवा ने दिन में पहले इटली के आठवें सीड मातियो बेरेटिनी को 6-4, 6-3 से हराकर आगे बढ़े। बुधवार को दूसरे मैचों में, टॉमस एचेवेरी ने अर्जेंटीना के साथी रोमन बुरुचागा को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया और चिली के एलेजांद्रो टेबिलो ने ब्राजील के तीसरे सीड जोआओ फोंसेका को 6-3, 3-6, 7-5 से हराया।

टी20 विश्वकप : कप्तान दासुन शनाका की रिकॉर्ड तोड़ पारी, टी20 विश्व कप में श्रीलंका ने ओमान को बुरी तरह हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सह-मेजबान श्रीलंका ने पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 16वें मैच में ओमान पर 105 रनों की शानदार जीत दर्ज की। कप्तान दासुन शनाका के रिकॉर्ड तोड़ अर्धशतक और शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर टी20 विश्व कप 2026 की अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। कुसल मेंडिस (45 गेंदों में 61 रन), पवन रत्नायके (28 गेंदों में 60 रन) और दासुन शनाका (20 गेंदों में 50 रन) ने बल्ले से दबदबा बनाया, जबकि महेश थीक्षाना (4 ओवर में 2/11) और दुशमंथा चमीरा (20 ओवर में 2/19) ने गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया।

ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने के बाद, श्रीलंका ने पावरप्ले के दौरान शुरुआती झटके झेले, जिसमें कामिल मिश्रा (8) और पथुम निस्संका (13) आउट हो गए। हालांकि, ओमान द्वारा उलटफेर करने की कोई भी उम्मीद कुसल मेंडिस और पवन रत्नायके के बीच महज 50 गेंदों में खेली गई 94 रनों की तूफानी साझेदारी के सामने जल्द ही खत्म हो गई। रत्नायके ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए महज 28 गेंदों में 60 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल था। 14वें ओवर में उनके आउट होने के बाद दासुन शनाका के आने से ओमान की टीम ने और भी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की।

शनाका ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए सिर्फ 19 गेंदों में श्रीलंकाई बल्लेबाज द्वारा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक बनाने का सबसे तेज रिकॉर्ड कायम किया। पांच छक्के और दो चौकों सहित उनकी नाबाद पारी ने श्रीलंका को 20 ओवरों में 225/5 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया - जो टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर और पुरुष टी20 विश्व कप के इतिहास का चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। 226 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान की बल्लेबाजी शुरू होने से पहले ही लड़खड़ा गई। दुशमंथा चमीरा ने पहले छह ओवरों में दो विकेट लेकर जतिंदर सिंह को एक रन पर और हम्माद मिर्जा को नौ रन पर आउट कर दिया।

अनुभवी मोहम्मद नदीम ने भले ही कुछ हद तक संघर्ष की उम्मीद जगाई हो, लेकिन चोटिल वानिंदु हसरंगा की अनुपस्थिति में श्रीलंका के स्पिन-प्रधान आक्रमण के सामने ओमान की टीम पूरी तरह से पस्त हो गई। नदीम की 56 गेंदों पर खेली गई 53 रनों की जुझारू पारी ने उन्हें टी20 विश्व कप इतिहास में अर्धशतक बनाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी का खिताब दिलाया, लेकिन यह ओमान के लिए काफी नहीं था। बढ़ते आवश्यक रन रेट के आगे मध्य क्रम बिखर गया, हालांकि महेश थीक्षाना और दुनीथ वेल्लालगे ने दबाव बनाए रखा। अंततः ओमान ने अपने 20 ओवरों में 120/9 का स्कोर बनाया, जो लक्ष्य से काफी कम था।

टी20 वर्ल्ड कप : मोस्का भाईयों की धमाकेदार बल्लेबाजी से इटली ने नेपाल को दस विकेट से हराया

मुंबई (एजेंसी)। मोस्का भाईयों की आक्रामक बल्लेबाजी से इटली ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 में नेपाल को दस विकेट से हराकर पहली जीत दर्ज की है। इटली की टीम की जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह पहली बार किसी आईसीसी टूर्नोमेंट में भाग ले रही है। उसे पहले मैच में स्कॉटलैंड ने आसानी से हरा दिया था पर इस मैच से उसने धमाकेदार वापसी की है। इस मैच में टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने 19.3 ओवर में 123 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को इटली ने केवल 12.4 ओवर में ही 124 रन बनाकर हासिल कर लिया। टीम की ओर से जस्टिन मोस्का ने 44 गेंद में नाबाद 60 रन जबकि एंथनी मोस्का ने 32 गेंद में नाबाद 62 रन बनाये।

इस मैच में जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए मोस्का भाइयों ने तेज शुरुआत की ओर दोनो ने ही अर्धशतक लगाये। पहले चार ओवर में ही दोनों ने मिलकर 50 रनों से अधिक बना दिये। इसके बाद जब पावर प्ले में भी अच्छी बल्लेबाजी की। जस्टिन ने 44 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के लगाकर नाबाद 60 रन जबकि एंथनी मोस्का ने 32 गेंद में 6 छक्के और 3 चौके लगाकर नाबाद 62 रन बनाये।

टी20 वर्ल्ड कप: ईशान किशन ने खेली धमाकेदार अर्धशतकीय पारी, रोहित-अभिषेक की बराबरी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के सलामी बल्लेबाज़ ईशान किशन ने नामीबिया के खिलाफ ऐसी तूफानी पारी खेली, जिसने पावरप्ले बल्लेबाज़ी की नई मिसाल पेश कर दी। महज़ 20 गेंदों में अर्धशतक पूरा करते हुए किशन ने मैच की दिशा शुरुआती छह ओवरों में ही तय कर दी। 24 गेंदों पर 61 रन की उनकी आक्रामक पारी में चौकों-छक्कों की बारिश देखने को मिली। इस प्रदर्शन के साथ ईशान ने टी20 इंटरनेशनल में पावरप्ले में भारत के लिए 50 रन बनाने वाले चुनिंदा बल्लेबाज़ों की सूची में अपनी जगह और मजबूत कर ली।

पावरप्ले में 50 रन: खास क्लब में भारतीय बल्लेबाज

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहले छह ओवर यानी पावरप्ले सबसे अहम माने जाते हैं। इसी दौरान मैच की रफ्तार तय होती है। भारत की ओर से 1-6 ओवर के भीतर 50 रन बनाने का कारनामा बहुत कम बल्लेबाज कर पाए हैं। इस खास सूची में सबसे ऊपर अभिषेक शर्मा हैं, जिन्होंने यह उपलब्धि तीन बार हासिल की है। उनके बाद रोहित शर्मा और ईशान किशन का नाम आता है, जिन्होंने दो-दो बार पावरप्ले में 50 रन पूरे किए। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल भी एक-एक बार यह कमाल कर चुके हैं।

टी20आई में भारत के लिए 1-6 ओवर में फिफ्टी

अभिषेक शर्मा (तीन बार)
रोहित शर्मा (दो बार)
ईशान किशन (दो बार)
केएल राहुल (एक बार)
यशस्वी जायसवाल (एक बार)

नामीबिया के खिलाफ ईशान का तूफान

दिल्ली में खेले गए मुकाबले में ईशान किशन ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। नामीबिया के गेंदबाज़ों पर दबाव बनाते हुए उन्होंने मैदान के हर कोने में शॉट लगाए। ईशान ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह उनकी पारी का सबसे खास पल रहा। उन्होंने कुल 24 गेंदों पर 61 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 शानदार छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 250 से अधिक रहा, जो टी20 क्रिकेट में बेहद प्रभावशाली माना जाता है। पावरप्ले के दौरान उनकी बल्लेबाजी ने भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

भारतीय ओपनिंग रणनीति का नया चेहरा

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में पावरप्ले का अधिकतम फायदा उठाने की रणनीति अपनाई है। रोहित शर्मा और केएल राहुल जैसे अनुभवी बल्लेबाज़ों ने इसकी नींव रखी, जबकि अभिषेक शर्मा और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों ने इसे आगे बढ़ाया। ईशान किशन का नाम इस सूची में शामिल होना

यह दर्शाता है कि वह बड़े मंच पर भी आक्रामक खेल दिखाने में सक्षम हैं। उनकी बल्लेबाज़ी शैली आधुनिक टी20 क्रिकेट की मांग के अनुरूप है–तेज रन, कम जोखिम और मैच पर शुरुआती नियंत्रण।

संजू सैमसन टी20 विश्व कप में डेब्यू करने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज भारतीय बने, देखें टॉप 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली । आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप ए मुकाबले में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारत और नामीबिया आमने–सामने हैं। इस मैच में विकेटकीपर–बल्लेबाज संजू सैमसन ने आखिरकार टी20 वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच खेला और खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। 31 साल 93 दिन की उम्र में डेब्यू करते ही वह भारत की ओर से टी20 वर्ल्ड कप में पहली बार खेलने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप में डेब्यू करने वाले उम्रदराज खिलाड़ी– संजू सैमसन का यह डेब्यू सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि एक आंकड़ों वाला मुकाम भी है। भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप में पहली बार खेलने के समय सबसे अधिक उम्र का रिकॉर्ड अमित मिश्रा के नाम है, जिन्होंने 2014 में पाकिस्तान के खिलाफ मीरपुर में 31 साल 117 दिन की उम्र में पहला मैच खेला था। सैमसन अब इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं। उनसे नीचे सूर्यकुमार यादव (31 साल 40 दिन, 2021 बनाम पाकिस्तान), आशीष नेहरा (31 साल 2 दिन, 2010 बनाम अफगानिस्तान) और लक्ष्मीपति बालाजी (30 साल 358 दिन, 2012 बनाम अफगानिस्तान) आते हैं। यह आंकड़े बताते हैं कि भारतीय टीम में टी20 वर्ल्ड कप डेब्यू का मौका कई बार अनुभवी खिलाड़ियों को भी देर से मिलता है।

लियोनेल मेस्सी चोटिल, इंटर मियामी के पहले मैच में खेलना संदिग्ध

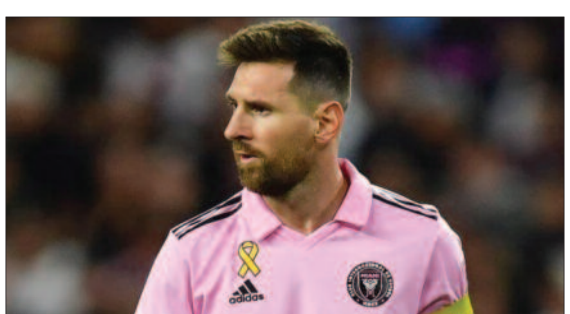

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया है जिसके कारण उनका इंटर मियामी की तरफ से एमएलएस कप में 21 फरवरी को एलएएफसी के खिलाफ होने वाले सत्र के पहले मैच में खेलना संदिग्ध है। इंटर मियामी की टीम ने बुधवार को मेस्सी के चोटिल होने के बारे में जानकारी दी। एमएलएस के लगातार दो बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेस्सी ने पिछले सप्ताहांत इक्वाडोर में सत्र से पहले खेले गए मैच में एक गोल किया, लेकिन दूसरे हाफ के लगभग 12 मिनट बाद उन्हें संभवतः हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। इंटर मियामी ने एक बयान में कहा, 'अभ्यास में उनकी वापसी आने वाले दिनों में उनकी फिटनेस की प्रगति पर निर्भर करेगी।'

आईसीसी ने नबी पर जुर्माना लगाया

अहमदाबाद । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज मोहम्मद नबी पर आचार संहित उल्लंघन के मामले में जुर्माना लगाया है। नबी पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मैच में आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के निर्देश को न मानने से जुड़ा है। जुर्माने के अलावा नबी के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। पिछले 24 महीने में उनकी यह पहली गलती थी। यह मामला अफगानिस्तान की पारी के 14वें ओवर का है जब नबी की अंपायरों के साथ गेंदबाज लुंगी एनगिडी के कलाई बैंड को लेकर बहस हो गयी। नबी ने अपनी गलती मान ली है और एमिरेट्स आईसीसी अंतर्राष्ट्रीय पैनल ऑफ मैच रेफरी के डेविड गिल्बर्ट की सजा को भी स्वीकार कर लिया है। ऐसे में आईसीसी की ओर से किसी औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं लगी है। इससे पहले मैदानी अंपायर जयरामन मदनगोपाल और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, थर्ड अंपायर नितिन मेनन और चौथे अंपायर के.एन. अनंथापद्मनाभन ने नबी पर आरोप लगाए थे। लेवल 1 के उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार के अलावा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना और एक या दो नकारात्मक अंक दिये जाते हैं। अफगानिस्तान की टीम को इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा था।

बटलर ने सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकार्ड बनाया

मुम्बई । इंग्लैंड की टीम के विकेटकीपर जोस बटलर ने भारत में जारी टी20 विश्कप के दौरान सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इससे पहले ये रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया के टिमोथी शैनन जेबेसीलन के नाम दर्ज था। टिमोथी ने सिडनी में 19 नवंबर 2021 को 119.86 मीटर करीब 393 फीट 2.897 इंच ऊंचाई वाला कैच पकड़ा था। बटलर ने ये रिकार्ड इंग्लैंड के ही पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन की देखरेख में बनाया है। बटलर के लिए सबसे ऊंचा कैच पकड़ना आसान नहीं था। उन्होंने करीब 60 मिनट तक इसके लिए तैयारी की थी और अंत में इसे पूरा किया। बटलर ने इसके बाद 122 मीटर ऊपर से ड्रोन से गिराए गए इस कैच को पकड़ा, ये तब लगभग 400 फीट जमीन से ऊपर था। गौरतलब है कि अभी तक किसी ने भी 120 मीटर से ऊपर का कैच नहीं पकड़ा है। बटलर को 60 मिनट इस रिकॉर्ड कैच के लिए मिले थे। 50 मीटर के कैच से उन्होंने शुरुआत की थी। पहले कुछ प्रयासों में तो उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि उनके साथ क्या हो रहा है। दगए वीडियो में बटलर केविन पीटरसन से ये कहते हुए भी नजर आए कि ये करना मुश्किल है, जबकि वर्ल्ड कप जीतना आसान है। बटलर ने ये भी कहा कि महेन्द्र सिंह धोनी और एडम गिलक्रिस्ट ने भी अब तक कभी इस प्रकार से कैच नहीं पकड़ा है। बटलर के लिए पहले गुलाबी गेंद हवा में ड्रोन से गिराई जा रही थी, जिसे वह पकड़ नहीं पा रहे थे तो उन्होंने सफेद गेंद से कैच पकड़ने के लिए कहा। सफेद गेंद से परेशानी पैदा कर रही थी तो उन्होंने फिर से लाल गेंद ली। इसके बाद 122 मीटर की दूरी वाला कैच पकड़ लिया और नया विश्व रिकॉर्ड कायम कर दिया।

टी20 विश्व कप : भारत के लिए चिंताजनक खबर, पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेगा ये धमाकेदार बल्लेबाज !

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तूफानी सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में नामीबिया के खिलाफ खेले गए मैच के लिए प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा गया है। अमेरिका के खिलाफ पिछले मैच के दौरान उन्हें वायरल बुखार था, लेकिन फिर भी उन्होंने खेलने का फैसला किया। दिल्ली पहुंचने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई और पेट में संक्रमण का पता चला, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मेडिकल जांच के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

टॉस के समय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पुष्टि की कि अभिषेक ठीक हो रहे हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह से मैच फिटनेस हासिल करने में समय लगेगा। हालांकि वे टीम के साथ स्टेडियम पहुंचे, लेकिन उन्होंने अभ्यास नहीं किया और सिर्फ मैदान पर घूमते हुए नजर आए। कप्तान ने यह भी संकेत दिया कि सलामी बल्लेबाज पाकिस्तान के खिलाफ आगामी मैच में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि उन्हें वापसी के लिए एक या दो और मैच खेलने की जरूरत पड़ सकती है। सूर्यकुमार ने टॉस के बाद कहा कि अभिषेक अभी पूरी तरह ठीक नहीं हैं, वे एक-दो मैच नहीं खेल पाएंगे। संजू टीम में आए हैं, वे भी अभिषेक जैसे ही विस्फोटक बल्लेबाज हैं। बुमराह सिराज की जगह आए हैं। बीसीसीआई ने भारतीय सलामी बल्लेबाज की सेहत के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेडिकल टीम फिलहाल अभिषेक की सेहत पर नजर रख रही है। बीसीसीआई ने ट्वीट किया कि अभिषेक शर्मा अभी भी अपनी बीमारी से उबर रहे हैं और चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी सेहत पर कड़ी नजर रख रही है।

भारत के खिलाफ मुकाबले को लेकर हमपर कोई दबाव नहीं : फरहान

कोलंबो । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने कहा है कि 15 फरवरी को भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले के लिए उनकी टीम तैयार है। फरहान ने कहा है कि इस महामुकाबले को लेकर उनकी टीम पर कोई दबाव नहीं है। पाक ने अपनी ग्रुप स्तर के शुरुआती मुकाबलों में नीदरलैंड और अमेरिका को हराया है। इसमें फरहान ने काफी अच्छी बल्लेबाजी भी की है जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। इसी को देखते हुए फरहान ने कहा कि दबाव भारतीय टीम पर अधिक होगा। इस बल्लेबाज ने कहा, जब आप दो लगातार मैच जीतते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। आने वाला मैच कोई बड़ी बात नहीं है, हम भारतीय टीम के खिलाफ पहली बार नहीं खेल रहे हैं। पहले भी खेल चुके हैं। इस बार उनके खिलाफ हम अलग प्रकार की रणनीति के साथ खेलेंगे। उन्होंने कहा, आपने हमें पहले कठिन हालातों में और संघर्ष करते हुए देखा है पर अब जबकि शादाब और नवाज रन बना रहे हैं। इसलिए उम्मीद है कि ये मुकाबला रोमांचक होगा और इसका सभी को आनंद आएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच कुछ साल में हुए कई मैच एकतरफा रहे हैं और भारत ने आसानी से जीत हासिल की है। इसको लेकर फरहान ने कहा कि मुझे लगता है कि एशिया कप के दौरान हमारा मैच एकतरफा नहीं था। हम अंत तक खेले और लड़े। उम्मीद है कि इस बार हम और बेहतर खेल दिखाएंगे। फरहान ने कहा, मुझे लगता है कि जब आप रन बनाते हैं तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। पिछली दो पारियों के बाद मेरा मनोबल भी बढ़ा है। भारत के खिलाफ मैच को हम एक आम मैच की तरह लेंगे और इसमें शांत दिमाग के साथ उतरेंगे। फरहान ने नीदरलैंड के खिलाफ पहले मैच में 47 रन जबकि अमेरिका के खिलाफ 73 रन बनाये थे।

पीएसएल 2026 सीज़न : स्टीव स्मिथ बने इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी, सियालकोट स्टैलियंस से जुड़े

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) के 11वें सीज़न से पहले हुए मेगा ऑक्शन ने क्रिकेट जगत में सनसनी फैला दी है। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को सियालकोट स्टैलियंस ने डायरेक्ट साइनिंग के तहत PKR 14 करोड़ (करीब 5 लाख अमेरिकी डॉलर) में अनुबंधित किया, जिससे वह क्करु इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। लीग के प्रारूप में बड़े बदलाव, दो नई फ्रेंचाइजी की एंट्री और ड्राफ्ट की जगह पहली बार ऑक्शन सिस्टम ने इस बार के सीज़न को और भी हाई-प्रोफाइल बना दिया है।

स्टीव स्मिथ की रिकॉर्डतोड़ डील

अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ स्टीव स्मिथ को नई टीम सियालकोट स्टैलियंस ने सीधे साइन किया। यह रकम PSL के इतिहास में किसी भी खिलाड़ी को मिली सबसे बड़ी राशि है। स्मिथ, जो टी20 फॉर्मेट में अपनी स्थिरता और मैच कंट्रोल के लिए जाने जाते हैं, 11वें एडिशन में टीम के ब्रांड एंबेसडर और मुख्य बल्लेबाजी स्तंभ की भूमिका निभाएंगे। स्मिथ हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम में चोटिल मिशेल मार्श की जगह लेने के कारण भी चर्चा में रहे। ऐसे में उनका PSL में आना लीग की ग्लोबल अपील को और मजबूत करता है।

ड्राफ्ट से ऑक्शन तक : PSL का बड़ा बदलाव

PSL ने इस सीज़न से ऐतिहासिक बदलाव करते हुए ड्राफ्ट सिस्टम की जगह प्लेयर्स ऑक्शन मॉडल लागू किया है। पिछले दस वर्षों से ड्राफ्ट फॉर्मेट में चल रही लीग अब इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की तरह बोली-प्रक्रिया के जरिए खिलाड़ियों को चुन रही है। लीग का विस्तार भी हुआ है–अब टीमों की संख्या छह से बढ़कर आठ हो गई है। सियालकोट और हैदराबाद दो नई फ्रेंचाइजी के रूप में शामिल हुई हैं। इससे प्रतियोगिता और व्यावसायिक आकर्षण दोनों में इजाफा होने की उम्मीद है।

ऑक्शन में विदेशी सितारों की चमक

लाहौर में आयोजित ऑक्शन में कई बड़े अंतरराष्ट्रीय नाम शामिल रहे। डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा, डेरिल मिशेल, मार्क चैपमैन, मुस्तफिजुर रहमान, डेवोन कॉनवे, रिली रोसौ, तबरेज शमशी, दासुन शनाका, कुसल मेंडिस और मार्नस लाबुशेन जैसे खिलाड़ियों पर फ्रेंचाइजियों ने दिलचस्पी दिखाई। कुल मिलाकर आठों टीमों ने 103 खिलाड़ियों को अपने स्क्वॉड में शामिल किया, जिससे आगामी सीज़न के लिए संतुलित और प्रतिस्पर्धी टीमें तैयार हुई हैं।

नसीम शाह सबसे महंगे पाकिस्तानी खिलाड़ी

तेज़ गेंदबाज़ नसीम शाह इस ऑक्शन में सबसे महंगे पाकिस्तानी खिलाड़ी बने। उन्हें इस्लामाबाद यूनाइटेड ने PKR 8.65 करोड़ में खरीदा। उनके साथ ऑलराउंडर फहीम अशरफ भी उसी टीम में PKR 8.5 करोड़ में शामिल हुए। रिटेंशन में पेशावर जाल्मी ने बाबर आजम को PKR 7 करोड़ में बरकरार रखा, जबकि सबसे महंगा रिटेंशन सैम अयूब रहे, जिन्हें 12.2 करोड़ रुपये में रिटेन किया गया।

नई फ्रेंचाइजी और बड़े निवेश

सियालकोट और हैदराबाद फ्रेंचाइजी के राइट्स विदेशी पाकिस्तानी निवेशकों ने क्रमशः PKR 185,000 करोड़ और PKR 175,000 करोड़ में हासिल किए। नए स्वामित्व ढांचे के बाद मुल्तान सुल्तांस का भी पुनर्गठन हुआ और टीम का नाम बदलकर रावलपिंडी कर दिया गया। यह निवेश दिखाता है कि PSL अब वैश्विक क्रिकेट लीग्स में अपनी मजबूत आर्थिक स्थिति बना रहा है।

इन 6 लोगों को नहीं खाना चाहिए मखाना, सेहत को फायदे नहीं मिलेंगे सिर्फ नुकसान

मखाना, जिसे हम अक्सर चाय के साथ या हलके स्नैक्स के तौर पर खाते हैं, सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें ढेर सारे पोषक तत्व होते हैं, जैसे प्रोटीन, फाइबर, और एंटीऑक्सीडेंट्स, जो हमारे शरीर को मजबूती देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि मखाना सभी के लिए सही नहीं होता? कुछ लोगों के लिए यह हानिकारक भी हो सकता है। अगर आप इनमें से किसी से जुड़ी समस्याओं से परेशान हैं, तो मखाना खाने से पहले एक बार सोच लीजिए। आइए जानते हैं किन 5 लोगों को मखाना खाने से परहेज करना चाहिए।

डायबिटीज के रोगी

मखाना में उच्च मात्रा में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जो ब्लड शुगर को बढ़ा सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को डायबिटीज है, तो उसे मखाना का सेवन सीमित मात्रा में और डॉक्टर की सलाह से करना चाहिए। इसके अलावा, मखाना का सेवन ज्यादा करने से शरीर में ग्लूकोज का स्तर असंतुलित हो सकता है, जिससे डायबिटीज की स्थिति खराब हो सकती है।

गैस्ट्राइटिस और पाचन समस्याओं वाले लोग

मखाना के सेवन से कुछ लोगों को पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसमें फाइबर की अधिक मात्रा होती है, जो कभी-कभी पेट में गैस, सूजन, और कब्ज जैसी समस्याएं पैदा कर सकती है। यदि किसी व्यक्ति को गैस्ट्राइटिस, पेट की जलन, या अन्य पाचन समस्याएं हैं, तो उसे मखाना खाने से बचना चाहिए या फिर इसे सीमित मात्रा में खानी चाहिए।

किडनी रोगी

मखाना में पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो किडनी के रोगियों के लिए हानिकारक हो सकता है। किडनी की बीमारी होने पर, शरीर से पोटेशियम की सही मात्रा बाहर नहीं निकल पाती, जिससे पोटेशियम का स्तर बढ़ सकता है और यह हृदय की समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए, किडनी रोगी को मखाना खाने से बचना चाहिए या फिर इसे बहुत कम मात्रा में लेना चाहिए।

एलर्जी से प्रभावित लोग

कुछ लोगों को मखाना से एलर्जी हो सकती है, जिससे उन्हें त्वचा पर दाने, खुजली, या अन्य एलर्जी के लक्षण हो सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को मखाना खाने के बाद कोई एलर्जी के लक्षण दिखते हैं, तो उसे मखाना से बचना चाहिए। ऐसे लोग मखाना के सेवन से पहले डॉक्टर से परामर्श लें।

हाई ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत से दो चार हो रहे लोगों को मखाना ना खाने के लिए कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि मखाना में सोडियम होता है और इससे हाई ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। इसीलिए हाई ब्लड प्रेशर से परेशान लोगों को मखाना ना खाने या कम खाने की कोशिश करनी चाहिए।

गर्भवती महिलाएं

गर्भवती महिलाओं को मखाना का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। मखाना में कुछ प्रकार के तत्व होते हैं जो शरीर में गर्मी पैदा कर सकते हैं, और ज्यादा सेवन से यह गर्भावस्था में असहज महसूस करवा सकता है। गर्भवती महिलाएं पहले डॉक्टर से सलाह लें कि मखाना उनका सेवन कर सकती हैं या नहीं, और यदि कर सकती हैं, तो कितनी मात्रा में करें।

मखाना खाने के फायदे : हालांकि, मखाना का सेवन बहुत से लोगों के लिए फायदेमंद होता है। इसमें उच्च मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स, और मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह हृदय स्वास्थ्य, पाचन, वजन घटाने, और त्वचा की सेहत के लिए भी लाभकारी है।

सुबह उठते ही पिएं लौंग का पानी, ब्लड शुगर से लेकर बॉडी डिटॉक्स तक मिलेंगे ये बेहतरीन फायदे

एंटीऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज और जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर लौंग का पानी आपके स्वास्थ्य, त्वचा और बालों के ग्रोथ के लिए बेहद फायदेमंद है. यह नेचुरल तरीके से आपको इस तरह के लाभ पहुंचाता है. आहार विशेषज्ञ और वेट मैनेजमेंट विशेषज्ञ डॉ. प्रत्यक्ष भारद्वाज इसे ॠएंटीऑक्सीडेंट का एक पावरहाउसॠ कहते हैं जो पाचन, प्रतिरक्षा और यहां तक ??कि वेट मैनेजमेंट में भी मदद करता है.

स्वास्थ्य लाभ

पाचन को बढ़ावा देता है और सूजन से लड़ता है : लौंग का पानी आपके पाचन तंत्र के लिए अद्भुत काम करता है।यह सूजन, गैस्ट्रिक समस्याओं और अपच को कम करने में मदद करता है. डॉ. भारद्वाज कहते हैं, ॠलौंग का पानी सूजन और गैस्ट्रिक समस्याओं के लिए एक प्राकृतिक उपाय है. यह डिटॉक्सिफिकेशन प्रक्रिया का भी समर्थन करता है.

वजन घटाने में मदद करता है : लौंग का पानी आपके मेटाबॉलिज्म को बहुत जरूरी बढ़ावा दे सकता है. इसका एक्टिव कंपाउंड , यूजेनॉल, फ़ैट मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मदद करता है, जिससे यह वेट मैनेजमें डेली रूटीन में सहायक होता है. ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है : यदि आप अपने ब्लड शुगर को नेचुरल तरीके से मैनेज करना चाहते हैं, तो लौंग का पानी आजमा कर देश सकते है. लौंग में मौजूद यूजेनॉल ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है और ओवरऑल मेटाबॉलिक हेल्थ का समर्थन करता है.

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है : लौंग के पानी में एंटीऑक्सीडेंट की हाई अमाउंट होने के कारण यह आपके रोग प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत बनाता है, जिससे आप आम संक्रमणों और बीमारियों से सुरक्षित रहते हैं.

आपके दांतों के लिए अच्छा : लौंग के पानी के एंटी बैक्टीरियल प्रॉपर्टी मुंह में सूजन को कम करके मौखिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं. लौंग के पानी से कुल्ला करने से आपकी सांसों को भी तरोताजा करने में मदद मिल सकती है.

सौंदर्य लाभ

मुंहासे और दाग-धब्बों से लड़ता है : लौंग के पानी के सूजनरोधी और रोगाणुरोधी गुण मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने, लालिमा को कम करने और साफ त्वचा को बढ़ावा देने में मदद करते हैं.

आपकी त्वचा को चमकदार बनाता है : लौंग के पानी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट मुक्त कणों से लड़ते हैं, जो सुस्ती और समय से पहले बुढ़ापे का कारण बन सकते हैं. नियमित उपयोग से आपकी त्वचा चमकदार और स्वस्थ दिख सकती है.

चिड़चिड़ी त्वचा को आराम देता है : अगर आपकी त्वचा में खुजली या जलन है, तो लौंग के पानी के शांत करने वाले गुण राहत दे सकते हैं.

बालों के लिए लाभकारी

बालों के रोम को मज़बूत बनाता है : लौंग का पानी स्कैल्प को पोषण देता है और बालों के रोम को मजबूत बनाता है, जिससे बालों का झड़ना कम होता है और विकास को बढ़ावा मिलता है.

रूसी से लड़ता है : लौंग के पानी के रोगाणुरोधी गुण रूसी और खुजली को कम करने में मदद करते हैं, जिससे आपकी स्कैल्प स्वस्थ रहती है.

बालों में चमक लाता है : लौंग के पानी से अपने बालों को धोने से उनमें प्राकृतिक चमक और कोमलता आ सकती है, जिससे आपके बाल ज्यादा जीवंत दिखते और महसूस होते हैं.

सावधानी बेहद जरूरी

माना कि लौंग के पानी के कई लाभ हैं, लेकिन नियंत्रित मात्रा में इसका सेवन करना बेहद जरूरी है, इसके अधिक इस्तेमाल से जलन या संवेदनशीलता हो सकती है. डॉ. भारद्वाज सलाह देते हैं कि अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप पेशेवर मार्गदर्शन के साथ लौंग के पानी को अपनी दिनचर्या में शामिल करें.

लौंग का पानी कैसे बनाएं

लौंग का पानी बनाना आसान और किफायती है. जानें बनाने की विधि

सामग्री

1 चम्मच साबुत लौंग

1 कप पानी

बनाने की विधि

सबसे पहले एक कप पानी उबालें और इसमें लौंग डालें और उन्हें 10-15 मिनट तक भीगने दें. लौंग निकालने के लिए पानी को छान लें। पीने या अपनी त्वचा या बालों पर इस्तेमाल करने से पहले इसे आरामदायक तापमान पर ठंडा होने दें. अतिरिक्त स्वाद और लाभों के लिए, आप इसमें नींबू का एक टुकड़ा या एक चम्मच शहद मिला सकते हैं. सुबह खाली पेट एक कप लौंग का पानी रोजाना पिने से बहुत लाभ मिलता है.

डायबिटीज के मरीज

भूलकर भी न करें इन फलों का सेवन, बढ़ सकता है ब्लड शुगर का लेवल

डायबिटीज एक गंभीर बीमारी है. आज के समय में इस बीमारी से करोड़ों लोग पीड़ित है. इस रोग से पीड़ितों को अपने खानपान का खास ख्याल रखना पड़ता है. इसके साथ ही जीवनशैली में भी बदलाव की जरूरत होती है. यह एक ऐसी बीमारी जिसमें डायबिटीज से पीड़ितों का ब्लड शुगर लेवल काफी बढ़ जाता हैं, जिसके चलते उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्या हो सकती है. यहां तक की हाई ब्लड शुगर के चलते कभी-कभी पीड़ितों की जान भी जा सकती है. इसलिए इसको कंट्रोल में रखना बेहद जरूरी होता है. आज हम इस खबर में बताने जा रहे हैं कि डायबिटीज मरीजों को डॉक्टरों के द्वारा चीकू फल खाने से बचने को क्यों कहा जाता है...

डायबिटीज में भूलकर भी ना खाएं चीकू

हम सबको पता है कि चीकू एक ऐसा फल है, जो न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभकारी होता है. खास बात यह है कि इस फल के अलावा बीज और पत्तियां भी काफी गुणकारी हैं. फिर भी डॉक्टरों के मुताबिक, डायबिटीज पेशेंट को चीकू फल खाने से बचना चाहिए, ऐसा इसलिए क्योंकि चीकू में कार्बोहाइड्रेट बहुत हाई अमाउंट में होता है और इस फल में शुगर की मात्रा भी ज्यादा होती है. बता दें, चीकू में मौजूद ज्यादातर कार्बोहाइड्रेट नेचुरल शुगर के रूप में होता है. इसलिए डॉक्टरों के द्वारा हाई ब्लड शुगर से पीड़ित लोगों को चीकू फल नहीं खाने की सलाह दी जाती है. इसके साथ ही डायबिटीज के मरीजों को इन फलों से भी बचना चाहिए. इसमें अनानास, लीची, केला, आम, तरबूज शामिल है.

प्री-डायबिटीज में भूलकर भी ना खाएं चीकू

प्री-डायबिटीज पेशेंट को भी म चीकू नहीं खाने की सलाह दी जाती है. बता दें, चीकू में शुगर की मात्रा अधिक होती है, जिससे मरीज का ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है. चीकू में कैलोरीज भी अधिक होती हैं. बता दें, चीकू का ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होने की वजह से इसका सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल तुरंत बढ़ने लगता है

ध्यान देनें वाली बात

यदि आपको हाई ब्लड शुगर (हाइपरग्लाइसेमिया) है तो आपका फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल 130 एमजी/डीएल से ऊपर रहेगा और रैंडम ब्लड शुगर 180 एमजी/डीएल से अधिक रहेगा. यदि आपका ब्लड शुगर लेवल लगातार इन सीमाओं से ऊपर है, तो आपको प्री-डायबिटीज या डायबिटीज हो सकता है. अगर इसे कंट्रोल नहीं किया गया, तो यह हार्ट डिजीज, तंत्रिका समस्याओं और किडनी की बीमारियों जैसी गंभीर चिकित्सा समस्याओं का कारण बन सकता है.

अगर आपको लो ब्लड शुगर (हाइपोग्लाइसीमिया) की समस्या है, तो आपका फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल 70 एमजी/डीएल से कम रहेगा और रैंडम ब्लड शुगर 60 एमजी/डीएल से कम रहेगा. आपकों लो ब्लड शुगर के कारण चक्कर आना, भ्रम, बेहोशी और दुर्लभ मामलों में दौरे पड़ सकते हैं. यह आमतौर पर इंसुलिन या एंटीडायबिटिक दवा लेने वाले मरीजों में पाया जाता है, या जो बहुत लंबे समय तक फास्टिंग करते हैं या बहुत लंबे समय तक एक्सरसाइज करते हैं.

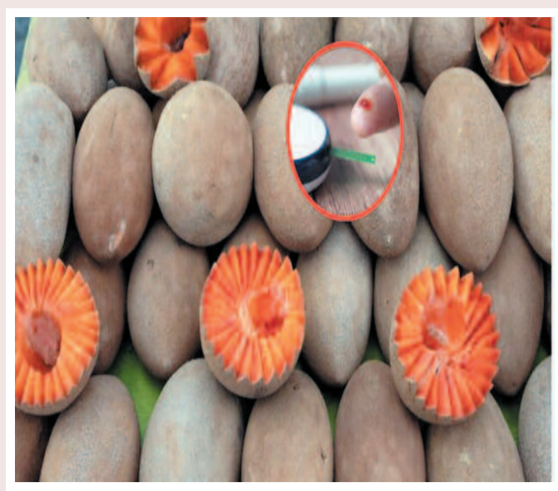

पैरों से पहचानें ब्लड शुगर बढ़ने के संकेत, दिखें तो तुरंत एक्शन की जरूरत

बीमारियों की बात करें तो डायबिटीज का नाम शायद सबसे पहले लिया जाएगा। बिजी और बिगड़ते लाइफस्टाइल, गलत खानपान के चलते शुगर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ती ही जा रही है। डायबिटीज यानि कि मधुमेह एक ऐसी बीमारी है जो मरीज के शरीर को अंदर ही अंदर खोखला कर देती है। यह शरीर के बाकी अंगों को प्रभावित करती है। जब बॉडी में शुगर की मात्रा बढ़ती है तो शरीर कई तरह के संकेत देने लगता है। डायबिटीज के कुछ खास लक्षण पैरों में भी दिखने लगते हैं। चलिए आपको उन्हीं लक्षणों के बारे में बताते हैं जिन्हें पहचान कर आपको फौरन अलर्ट हो जाना चाहिए

डायबिटीज के कारण पैरों में दिखने वाले संकेत

डायबिटीज एक गंभीर रोग है जिसके लक्षण खासतौर पर पैरों में दिख सकते हैं जो हाई ब्लड शुगर के कारण उत्पन्न होते हैं। अगर डायबिटीज को समय रहते नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह पैरों की नसों और रक्त संचार को प्रभावित कर सकता है।

पैरों में सूजन : हाई ब्लड शुगर के कारण शरीर में लिक्विड संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे पैरों में सूजन आ सकती है। यह आमतौर पर खराब ब्लड सर्कुलेशन और किडनी की समस्याओं के कारण होता है।

नसों का नुकसान : डायबिटीज के कारण डायबिटिक न्यूरोपैथी हो सकती है, जिससे पैरों में झुनझुनी, जलन या सुन्न होने की समस्या होती है। यह समस्या पैरों में घावों को महसूस करने की क्षमता को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे चोट लगने पर देर से पता चलता है। पैरों की त्वचा शुष्क और फटी हुई दिख सकती है क्योंकि हाई ब्लड शुगर के चलते त्वचा की नमी कम हो सकती है। त्वचा में दरारें आने से बैक्टीरिया और फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

नाखूनों में फंगल संक्रमण : डायबिटीज के मरीजों में नाखूनों पर फंगल संक्रमण आम होता है, जिससे वे मोटे, पीले और कमजोर हो सकते हैं। इंफेक्शन बढ़ने पर नाखूनों में दर्द और असहजता हो सकती है।

पैरों में घाव या अल्सर : शुगर मरीज के पैर में चोट या कट लगने के बाद घाव जल्दी नहीं भरता, जिससे अल्सर बनने का खतरा रहता है क्योंकि पैरों में रक्त संचार की कमी होने लगती है और अगर ध्यान न दिया जाए तो यह गैंग्रीन जैसी गंभीर समस्या में बदल सकता है।

पैरों में बहुत ज्यादा दर्द और ऐंठन : ब्लड सर्कुलेशन खराब होने से पैरों में तेज दर्द, ऐंठन या भारीपन महसूस हो सकता है। यह संकेत रक्त वाहिकाओं में रुकावट की ओर भी इशारा कर सकते हैं।

डायबिटीज के मरीजों को पैरों की देखभाल कैसे करनी चाहिए?

पैरों की नियमित जांच करें, किसी भी कट, सूजन, लाल धब्बे या संक्रमण के संकेतों पर नजर रखें।

पैरों को मॉइश्चराइज करें। फटी त्वचा और रूखेपन से बचने के लिए मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।

आरामदायक जूते पहनें । टाइट या अनफिटेड जूतों से बचें, जो पैरों में चोट पहुंचा सकते हैं।

नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें। नियमित रूप से नाखून काटें और संक्रमण से बचने के लिए साफ-सफाई रखें।

ब्लड शुगर कंट्रोल करें। नियमित रूप से ब्लड शुगर लेवल मॉनिटर करें और डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाएं लें।

मैं फेल हो सकती हूं मगर हार नहीं मानूंगी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की उभरती एक्ट्रेस पायल राजपूत ने अपनी मेहनत और संघर्ष की कहानी के साथ अपने मजबूत इरादे को जाहिर किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि वह कभी हार नहीं मानेंगी। पायल ने स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में कुछ लोग उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे दृढ़ हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, 'वे चाहते हैं कि मैं छोड़ दूं, और मैं खुद से सवाल करती हूं कि क्या मुझे ऐसा करना चाहिए। लेकिन फिर मैं पिछले 12 सालों में की गई कड़ी मेहनत के बारे में सोचती हूं। इसलिए मैं खुद से कहती हूं नहीं, मैं फेल हो सकती हूं, लेकिन हार नहीं मानूंगी।' नेपोटिज्म जैसे गंभीर मुद्दों पर पायल अक्सर अपने राय रखती रहती हैं। इससे पहले भी उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया और फिल्म इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद और फेवरेटिज्म पर खुलकर बात की थी। उन्होंने लिखा था कि एक्टर बनना सबसे मुश्किल करियर में से एक है। हर दिन अनिश्चितता के साथ शुरू होता है, जहां टैलेंट से ज्यादा विशेषाधिकार और कनेक्शन हावी हो जाते हैं।

पायल ने बताया था कि कई बार उन्हें शक होता है कि उनकी मेहनत और लगन ऐसी दुनिया में नोटिस होगी भी या नहीं। मौके अक्सर मशहूर सरनेम या पावरफुल एजेंट वाले लोगों के पास चले जाते हैं। फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और टैलेंट पर भरोसा रखा। फिलहाल पायल कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। वह तेलुगू फिल्म 'वेंकटलक्ष्मी' में नजर आने वाली हैं, जिसे मशहूर डायरेक्टर मुनि बना रहे हैं। मेकर्स इस फिल्म को तेलुगू, तमिल और हिंदी में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, पायल के पास एक और तमिल फिल्म है। अनटाइटल्ड फिल्म एक बड़े बजट का प्रोजेक्ट है, जिसे जाने-माने डायरेक्टर आर.एस. दुरई सेंथिलकुमार डायरेक्ट कर रहे हैं। शूटिंग का पहला फेज चेन्नई में पूरा हो चुका है। जानकारी के अनुसार यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक रोमांचक एक्शन-ड्रामा है। संगीत जिब्रान दे रहे हैं, सिनेमैटोग्राफी एस. वेंकटेश की है, एडिटिंग प्रदीप कर रहे हैं और आर्ट डायरेक्शन दुरईराज संभाल रहे हैं।

फिल्में समाज का आईना होती हैं; वे जिंदगी को वैसा ही दिखाती हैं, जैसा है

अभिनेत्री जोया आफरोज इन दिनों वेब सीरीज तस्करी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने हाल ही में बताया कि इंडस्ट्री धर्म को लेकर कभी भेदभाव नहीं करती है। अभिनेत्री ने हाल ही में फिल्म 'गांधी टॉक्स' की स्क्रीनिंग में शिरकत की थी। इस साइलेंट फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार ए. आर. रहमान ने दिया है। स्क्रीनिंग के दौरान अभिनेत्री ने बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने ए. आर. रहमान के 'कम्युनल' वाले बयान को सिरे से नकारते हुए कहा कि उनके धर्म के होने के बावजूद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में अब तक धर्म के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव झेलना नहीं पड़ा। जोया ने कहा, 'मेरा पर्सनल अनुभव अब तक ऐसा नहीं रहा है, और मुझे उम्मीद है कि आगे भी ऐसा नहीं होगा। हमारे देश में हम एकता और विविधता का जश्न मनाते हैं। मुझे लगता है कि हमें यही भावना हमेशा बनाए रखनी चाहिए।' जोया ने आगे फिल्मों की सामाजिक जिम्मेदारी पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, 'फिल्में समाज का आईना होती हैं; वे जिंदगी को वैसा ही दिखाती हैं, जैसा है। अगर कोई फिल्म बच्चों के लिए नहीं है, तो उन्हें नहीं दिखानी चाहिए। इसीलिए सर्टिफिकेशन सिस्टम है। मुझे लगता है कि इसे ऐसे ही रखना चाहिए।' 'गांधी टॉक्स' की बात करें तो यह फिल्म गांधी जी की तस्वीर को नोटों पर देखने और उनके आदर्शों के बीच के फर्क की कहानी को दिखाती है। इसकी कहानी एक ऐसे युवा व्यक्ति के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो पैसों के लिए संघर्ष करता है। उसकी जिंदगी में एक चोर की एंट्री होती है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। फिल्म व्यंग्य के जरिए समाज और मूल्यों पर सवाल उठाती है।

सिनेमा जगत में वर्किंग शिफ्ट को लेकर अदिति राव हैदरी की दो-टूक

अदिति राव हैदरी फिल्मों में अलग-अलग जॉनर के किरदार निभाती हैं। सोशल इश्यूज पर बनी फिल्में भी उन्होंने की हैं। असल जिंदगी में भी वह कई मुद्दों पर अपनी बात रखती हैं। हाल ही में उन्होंने इंडस्ट्री में लंबे काम के घंटों पर अपना नजरिया बताया है।

एक्टर्स को भी अपनी देखभाल करनी होती है

वह आगे कहती हैं, 'फिलहाल मैं अपनी जिंदगी और अपने करियर के उस दौर में हूं, जहां जरूरत से ज्यादा घंटे काम कर रही हूं। लेकिन कुछ दिन ऐसे होते हैं, जब सच में महसूस होता है कि एक्टर से अच्छा काम लेने के लिए उसको रिलैक्स रखना जरूरी होता है। हम मशीन नहीं हैं, हमारे अंदर फीलिंग्स हैं। हमारी देखभाल भी बहुत जरूरी है।'

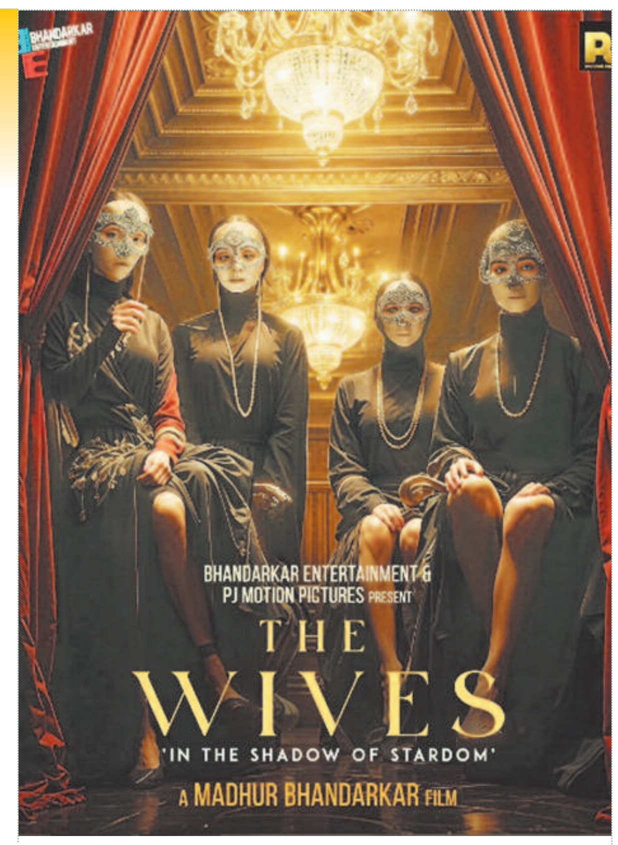

ग्लैमर, पावर और पब्लिक परसेप्शन के पीछे मौजूद अनदेखी इमोशनल दुनिया को एक्सप्लोर करती है 'द वाइव्स'

लगातार कई नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्ममेकर मधुर भंडारकर, चांदनी बार, पेज 3, फैशन, हीरोइन, ट्रैफिक सिग्नल और बबली बाउंसर जैसी अपनी दमदार और सामाजिक सिनेमा के लिए मशहूर टैलेंटेड डायरेक्टर ने अपनी आने वाली फिल्म 'द वाइव्स' की शूटिंग ऑफिशियली पूरी कर ली है। इस फिल्म में सोनाली कुलकर्णी, मौनी रॉय, रेजिना कैसेंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे दमदार कलाकार हैं। 'द वाइव्स' के साथ, भंडारकर एक बार फिर बॉलीवुड के अंडरबेली की ओर अपना लेंस घुमाते हैं, ग्लैमर, पावर और पब्लिक परसेप्शन के पीछे मौजूद अनदेखी इमोशनल दुनिया को एक्सप्लोर करते हैं। इंसानी रिश्तों और सोशल डायनामिक्स की कच्ची सच्चाई को कैप्चर करने के लिए जाने जाने वाले, फिल्ममेकर एक ऐसी कहानी का वादा करते हैं जो इंटिमेट, लेयर्ड और बहुत रेलिवेंट है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, मधुर भंडारकर ने शेयर किया, ''द वाइव्स' एक ऐसी कहानी है जो स्पॉटलाइट से आगे बढ़कर उन पर्सनल लाइफ को देखती है जो अक्सर फेम के आगे दब जाती हैं। यह इमेज और सक्सेस से चलने वाली दुनिया में रिश्तों, एम्बिशन, इनसिक्योरिटी और इमोशनल सर्वाइवल को एक्सप्लोर करती है। मैं इस कहानी को ईमानदारी और सेंसिटिविटी के साथ बताना चाहता था, और मैं अपनी कास्ट और क्रू का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने स्क्रीन पर इतनी ऑथेंटिसिटी लाई।' पी जे मोशन पिक्चर्स के प्रोड्यूसर प्रणव जैन ने भी प्रोजेक्ट को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए कहा, 'मधुर सर के साथ कोलेबोरेट करना हमेशा एक क्रिएटिव रूप से पूरा करने वाला एक्सपीरियंस होता है। उनमें कॉम्प्लेक्स, इंसानी कहानियों को बहुत ही रिलेटेबल तरीके से बताने की एक रेयर एबिलिटी है। 'द वाइव्स' बोल्ड, सोचने पर मजबूर करने वाली और इमोशनल रूप से ड्रिवन है, और मेरा मानना है कि यह उन ऑडियंस के दिल को छू जाएगी जो मीनिंगफुल सिनेमा पसंद करते हैं।'

शाहरुख के साथ 'मैं हूं ना 2' बनाने पर अब फराह खान ने तोड़ी चुप्पी

पिछले कुछ वक्त से फराह खान की पहली निर्देशित फिल्म 'मैं हूं ना' के सीक्वल बनने को लेकर चर्चाएं तेज हैं। कई रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है कि शाहरुख खान और फराह खान एक बार फिर 'मैं हूं ना 2' के लिए साथ आ रहे हैं। अब इन चर्चाओं पर खुद फराह खान ने प्रतिक्रिया दी है। जानिए कोरियोग्राफर-निर्देशक ने 'मैं हूं ना 2' को लेकर क्या बताया? एक बयान में फराह ने 'मैं हूं ना 2' को लेकर चल रही चर्चाओं पर स्पष्ट तौर पर प्रतिक्रिया दी। फराह ने साफ तौर पर 'मैं हूं ना 2' की खबरों को खारिज करते हुए कहा, 'इन सभी अफवाहों पर विश्वास न करें।' फराह के इस बयान के बाद ये स्पष्ट हो गया है कि 'मैं हूं ना 2' नहीं बन रही है। ऐसे में शाहरुख और फराह की हिट फिल्म के सीक्वल का इंतजार कर रहे दर्शकों को निराशा हाथ लगी है।

फराह खान की बतौर निर्देशक पहली फिल्म है 'मैं हूं ना'

साल 2004 में आई 'मैं हूं ना' फराह खान द्वारा निर्देशित पहली फिल्म है। इस फिल्म में शाहरुख खान प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। उनके साथ जायेद खान, अमृता राव, सुनील शेट्टी और सुष्मिता सेन भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'मैं हूं ना' एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें एक्शन भी दिखता है। फिल्म में शाहरुख खान ने मेजर राम का किरदार निभाया है, जो एक लड़की की सुरक्षा में एक कॉलेज में नकली स्टूडेंट बनकर पहुंचता है। वहां उसकी मुलाकात अपने भाई लक्ष्मण से होती है। इसके बाद कहानी कई मोड़ लेते हुए अंत में देशभक्ति पर आकर ठहरती है।

फराह ने आखिरी बार 'हैप्पी न्यू ईयर' का किया था निर्देशन

फराह खान के निर्देशन में शाहरुख खान ने तीन फिल्मों में काम किया है। इनमें 'मैं हूं ना' के अलावा 'ओम शांति ओम' और 'हैप्पी न्यू ईयर' भी शामिल है। फराह खान ने आखिरी बार 2014 में आई 'हैप्पी न्यू ईयर' को डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में शाहरुख के साथ दीपिका पादुकोण प्रमुख भूमिका में थीं।

मैं एक समय में एक ही फिल्म करने में यकीन रखता हूं

एक्टिंग की दुनिया में तकरीबन ढाई दशकों में हर तरह की भूमिकाओं में जान डालने वाले शाहिद कपूर किरदारों के मामले में रिस्क लेने से नहीं हिचकिचाते। रूमानी किरदारों में सराहे गए शाहिद ने अपनी उस चॉकलेटी बॉय की इमेज से निकलने के लिए 'कमीने' जैसी ग्रे शेड वाली भूमिका करने से भी परहेज नहीं किया। 'हैदर', 'उड़ता पंजाब', 'कबीर सिंह', 'जर्सी' और 'फर्जी' जैसी अलग-अलग किरदार कर चुके शाहिद इन दिनों 'ओ रोमियो' में एक अलग अंदाज में दिख रहे हैं। उनसे खास बातचीत।

करियर की शुरुआत में आप ऑडिशन दर ऑडिशन देते जाते थे और आज आपके लिए रोल लिखे जाते हैं?

क्या वाकई मेरे लिए रोल लिखे जाते हैं? मैं खुद को इतनी अहमियत नहीं देता, मगर ये सच है कि 'इश्क विश्क' से पहले मैं तकरीबन 200 ऑडिशन कर चुका था। मैं समझता हूं कि एक कलाकार को खुद को समय के साथ संवारते और निखारते हुए आगे बढ़ना चाहिए। मैं तो शुरुआत से ही एक समय में एक ही फिल्म करने में यकीन रखता हूं। आज हमारी पूरी फिल्म फ्रेटर्निटी इस बात को समझ चुकी है कि हमें एक वक्त में एक ही फिल्म पर फोकस करना होगा।

आपने शुरुआत रोमांटिक रोल्स से की, मगर आगे चल कर आप 'कमीने', 'उड़ता पंजाब', 'कबीर सिंह' और 'फर्जी' जैसी भूमिकाओं की तरफ झुक गए?

एक अदाकार के रूप में आपको लड़ना पड़ता है, साबित करना पड़ता है कि आप सिर्फ एक ही तरह की भूमिका नहीं बल्कि कई तरह के रोल्स कर सकते हैं। क्या होता है न कि जब आपको एक रोल में सक्सेस मिल जाती है, तो लोग उसी तरह के किरदार ऑफर करने लगते हैं, तो आपको उससे अलग हटकर करने का जुनून होना चाहिए कि मुझे किसी एक बॉक्स में मत डालो, वरना आप उस लूप में फंस जाते हैं।

फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज के साथ आपकी जोड़ी और केमिस्ट्री काफी अलग मानी जाती है, हमने सुना है कि आपने उनके निर्देशन वाली 'हैदर' के लिए आपने अपनी फीस नहीं ली थी?

हां, मैंने उस फिल्म के लिए पैसे नहीं लिए थे। अगर मैं अपनी फीस लेता तो वो फिल्म नहीं बन पाती, क्योंकि वो फिल्म काफी एक्सपेरिमेंटल थी। जब मुझे उस फिल्म का प्रस्ताव मिला, तो मुझे लगा कि अगर ये कहानी हम बना पाए और मैं इस रोल को कर पाया, तो ये फिल्म मेरे लिए एक खास फिल्म साबित होगी। कमाल की बात ये है कि वो उसी तरह की फिल्म साबित हुई, सच कहूं, तो वो पैसे वाली फिल्म थी ही नहीं। एक एक्टर और सिनेमा प्रेमी को भाने वाली फिल्म थी वो। तो कभी-कभी ऐसी फिल्में एक कलाकार को कर लेनी चाहिए।

आप मीशा और ज़ैन जैसे दो बच्चों के पिता हैं, क्या बच्चे आपके स्टारडम से वाकिफ हैं? वो आपकी फिल्में देखते हैं?

बिल्कुल वाकिफ हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि उनके पिता क्या काम करते हैं। जहां तक फिल्मों की बात है, तो जो फिल्में वो देख सकते हैं, जरूर देखते हैं। जाहिर है, मेरी सभी फिल्में बच्चों के देखने योग्य नहीं होती। (मुस्कुराते हैं) उन्होंने 'जब वी मेट' देखी थी, 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' भी उन्हें पसंद आई थी। मेरी स्वीट फिल्में उन्होंने देखी हैं।

अपने करियर में आप सबसे मुश्किल दौर से कब गुजरे?

मुश्किल दौर हर समय होता है। देखिए हमारी इंडस्ट्री में रेलेवंस, सामयिकता बहुत जरूरी है, एक एक्टर और स्टार के रूप में। ये दोनों चीजें साथ में चलती हैं। लोग मुझसे परफॉर्मेंस की उम्मीद करते हैं और ये भी कहते हैं कि मुझमें एक तरह का स्टारडम है, तो फिर उसे एक साथ में लेकर चलना बड़ा मुश्किल होता है। मुझे किसी इमेज में बंधना पसंद नहीं है। कभी-कभी स्टारडम आपको बांध देता है कि यही करो, यही अच्छा लग रहा है। मुझे लगता है कि मैं खुलकर एक्सप्लोर करूं, अलग भूमिकाएं करूं, मगर साथ ही मैं स्टारडम भी चाहता हूं, तो फिर वो जद्दोजहद जो होती है, उसे मैनेज करना बहुत मुश्किल होता है। फिर आजकल दर्शकों का मूड बदलता रहता है। कभी-कभी लगता है कि उनका मूड अच्छा है और कभी लगता है कि क्या अजीब-सा मूड है। तो ये आसान नहीं है।

लैम्बोर्गिनी कार हादसा : आरोपी शिवम मिश्रा गिरफ्तार, कानपुर पुलिस ने कोर्ट में किया पेश

कानपुर (एजेंसी)। शहर की सड़कों पर फर्राटा भरती रफ्तार आखिरकार कानून के स्पीड ब्रेकर से टकरा ही गई। ग्वालटोली की वीआईपी रोड पर हुए लैंबोर्गिनी हादसे के आरोपी शिवम मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया। तेज रफ्तार कार से छह लोगों को घायल करने वाली यह घटना अब 'हाई-प्रोफाइल रफ्तार बनाम आम सड़क' की कहानी बन गई है। हादसे के बाद आरोपी के पिता ने बेटे के दिल्ली में इलाज का दावा किया, लेकिन पुलिस की 'लोकेशन सर्विस' कुछ और ही बता रही थी। करीब 90 घंटे की तलाश के बाद स्पेशल टीम ने शिवम को कानपुर से ही पकड़ लिया। इस बीच शहर में चर्चा यही रही कि रफ्तार भले ही सुपरकार की हो, गिरफ्तारी लोकल ही होती है। चश्मदीदों के मुताबिक, कार ने पहले ऑटो को टक्कर मारी, फिर मोटरसाइकिल से जा भिड़ी और एक सवार हवा में उछल गया। हादसे ने एक बार फिर सवाल उठाया है क्या, महंगी गाड़ी के साथ सड़क पर 'अतिरिक्त अधिकार' भी मिल जाते हैं? जवाब साफ है- ट्रैफिक नियमों में ब्रांड का कोई कॉलम नहीं होता। पुलिस कमिश्नर के नेतृत्व में कार्रवाई तेज रही। मेडिकल परीक्षण के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया।

महाशिवरात्रि पर दरगाह में पूजा रोकने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कर्नाटक की लाडले मशक दरगाह परिसर में पूजा की रोक वाली याचिका पर सुनवाई से इंकार किया। याचिका में महाशिवरात्री पर होने वाली पूजा पर रोक लगाने की मांग की हुई थी। यह दरगाह 14वीं सदी के सूफी संत और 15वीं सदी के हिंदू संत राघव चैतन्य से जुड़ी मानी जाती है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा कि मामला कर्नाटक हाईकोर्ट में लंबित है इसलिए संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर नहीं की जा सकती। इससे पहले फरवरी 2025 में कर्नाटक हाईकोर्ट ने 15 हिंदू श्रद्धालुओं को महाशिवरात्रि के अवसर पर राघव चैतन्य शिवलिंग पर पूजा की अनुमति दी थी। 2022 में इस स्थल को लेकर विवाद हुआ था।

मध्य प्रदेश के सिंगरौली में जादू-टोना के शक में दो की हत्या, हिरासत में आरोपी

सिंगरौली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले से रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर आई है। जहां जादू-टोने के शक में दो लोगों की हत्या की गई है। वहीं, दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने हत्याकांड को अंजाम देने वाले आरोपी को हिरासत में लिया है। पुलिस ने घटनास्थल पर चबूतरे पर एक साथ कई नारियल और कुल्हाड़ी बरामद की है। पुलिस के अनुसार अंतरवा गांव में छत्रपति सिंह की शादी के बाद संतान नहीं थी और पत्नी को गर्भपात हो गया था। इसके लिए वह पड़ोसी केवल सिंह और फूलमती को जिम्मेदार मानता था। उसका कहना था कि इन दोनों के जादू-टोना करने के चलते वह पिता नहीं बन पा रहा है। इस बात को लेकर छत्रपति ने केवल सिंह और फूलमती पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किया। इस दौरान दो लोग बीच बचाव के लिए आए, तब उन पर भी छत्रपति ने हमला किया। परिणाम स्वरूप केवल सिंह और फूलमती की मौत हो गई है, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। वहीं, गांव के लोगों का कहना है कि छत्रपति शादी के बाद जब पिता नहीं बना और पत्नी को गर्भपात हो गया। वह इसके लिए पड़ोसियों पर आरोप लगाता था। छत्रपति को शक था कि पड़ोसियों ने जादू-टोना किया है। इस वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी छत्रपति सिंह ने अपने को एक मकान में कैद कर लिया। पुलिस को जब इस बात की सूचना मिली तो मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद उसे हिरासत में लिया गया।

3 बहनों की खुदकुशी के मामले में आया नया मोड़, पुलिस ने बरामद किया पिता का फोन

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद के इंदिरापुरम इलाके में तीन सगी बहनों द्वारा 9वीं मंजिल से कूदकर जान देने के मामले में पुलिस की जांच अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई है। पुलिस ने वह मोबाइल फोन बरामद किया है, जो कि लड़कियों के पिता चेतन कुमार ने घटना से करीब 15 दिन पहले दिल्ली के शालीमार गार्डन में एक दुकानदार को बेच दिया था। पुलिस उपायुक्त (ट्रांस हिंडन) निमिष पाटिल के अनुसार, मोबाइल का डेटा रिकवर करना जांच के लिए सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। शुरुआती बयानों से संकेत मिले हैं कि 16 वर्षीय निशिका, 14 वर्षीय प्राची और 12 वर्षीय पाखी किसी ऑनलाइन कोरियन गेम की आदी थीं। पिता का दावा है कि ये लड़कियां पिछले 3 साल से इस गेम में इस कदर डूबी हुई थीं कि उन्होंने स्कूल जाना भी छोड़ दिया था। पुलिस अब फॉरेंसिक जांच के जरिए यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या यह कोई टास्क-आधारित गेम था जिसने उन्हें इस आत्मघाती कदम के लिए उकसाया। घटनास्थल से मिली 9 पन्नों की एक डायरी ने इस त्रासदी के पीछे के पारिवारिक तनाव और सांस्कृतिक टकराव को उजागर किया है। डायरी से मिली मुख्य बातें निम्नलिखित हैं कि लड़कियों ने बार-बार लिखा कि वे कोरियन संस्कृति से प्यार करती हैं और इस अपनी जिंदगी मानती थीं। डायरी के अनुसार, परिवार उन पर कोरियन प्रभाव छोड़ने और भारतीय रीति-रिवाजों को अपनाने का दबाव बना रहा था। पिता द्वारा फोन बेचे जाने के बाद लड़कियां गहरी निराशा में थीं। उनका अपने ऑनलाइन कोरियन दोस्तों से संपर्क टूट गया था। डायरी में मारपीट और सख्त सजा का भी जिक्र है। लड़कियों ने आखिरी संदेश में लिखा, आपकी मार से हमारे लिए मौत बेहतर है... सॉरी पापा।

फिलहाल पुलिस मोबाइल डेटा और डायरी के पन्नों का मिलान कर रही है। हालांकि शुरुआती जांच में किसी विशिष्ट सुसाइड ऐप के ठोस सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन फोन की फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि इस दर्दनाक कदम के पीछे असली वजह ऑनलाइन गेमिंग थी या घरेलू परिस्थितियां। 4 फरवरी को हुई इस घटना ने डिजिटल युग में बच्चों की मानसिक स्थिति और माता-पिता के साथ उनके संवाद की कमी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हर क्षेत्र में निर्णय उसी क्षेत्र के विशेषज्ञों को लेने चाहिए : मोहन भागवत

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक अलग और सशक्त वेटरिनरी काउंसिल के गठन की पैरवी कर दी। उन्होंने कहा कि जानवरों और जनसुरक्षा से जुड़े फैसले वेटरिनरी डॉक्टरों और विषय-विशेषज्ञों के निर्देश पर तय होने चाहिए। संघ प्रमुख भागवत नागपुर में इंडियन सोसायटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ कैनाइन प्रैक्टिस (आईएसएसीपी) के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। अपने संबोधन की शुरुआत में आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा, मैंने इसी कॉलेज में पढ़ाई की है। हालांकि मुझे वेटरिनरी क्षेत्र छोड़े 50 साल हो चुके हैं। ऐसा नहीं कि मुझे कुछ याद नहीं, लेकिन आप लोगों जितना ज्ञान अब मेरे पास नहीं है। फिर भी पूर्व छात्र के रूप में आपने मुझे बुलाया, इसके लिए मैं उनका बहुत आभारी हूं।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि-आधारित देश को तब तक लाभ मिलता रहा, जब तक किसान खेती के साथ पशुपालन और मत्स्य पालन भी करते रहे। भागवत ने वेटरिनरी पेशे के दायरे को सीमित मनाने की सोच को गलत बताकर कहा, पहले माना जाता था कि वेटरिनरी डॉक्टरों की भूमिका सीमित है, लेकिन यह सोच सही नहीं है। समाज, जनस्वास्थ्य और नीति निर्माण में उनकी बड़ी भूमिका हो सकती है।

दिल्ली में हाल ही में लावारिस कुत्तों को लेकर हुए विवाद का जिक्र कर भागवत ने कहा कि बहस दो चरम सीमाओं में बंट गई थी, एक पक्ष कह रहा था कि सभी कुत्तों को मार दो, दूसरा कह रहा था कि उन्हें छुओ भी मत। लेकिन अगर इंसानों को कुत्तों के साथ रहना है, तब यह सोचना होगा कि कैसे साथ रहें।

उन्होंने वैज्ञानिक और व्यावहारिक समाधान पर जोर देकर कहा, कुत्तों की संख्या नसबंदी के जरिए नियंत्रित की जा सकती है। इंसानों के लिए जोखिम कम करने के कई उपाय हैं। ये भावनाओं से नहीं, ज्ञान से निकले समाधान हैं। भागवत ने बताया कि उनके विचार उनकी वेटरिनरी पृष्ठभूमि से प्रभावित हैं।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के आश्रम में बच्चों के साथ यौन शोषण का आरोप, स्वामी ने बताया षड्यंत्र

प्रयागराज (एजेंसी)। माघ मेले में विवादों में रहे ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को लेकर नया विवाद उठ खड़ा हुआ है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष और शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी ने उनकी सेवा में लगे आश्रम के बच्चों के साथ यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों को लेकर उन्होंने प्रयागराज जिला कोर्ट में 28 जनवरी को 173(4) के तहत कंप्लेंट रजिस्टर करने के लिए अर्जी दाखिल की है। इस अर्जी पर अब तक दो तारीखों पर एडीजे रेप एंड पोक्सो स्पेशल कोर्ट में सुनवाई भी हो चुकी है। इस मामले में वादी आशुतोष ब्रह्मचारी के कोर्ट में बयान दर्ज हो चुके हैं। कोर्ट के आदेश पर प्रयागराज पुलिस भी मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

गौरतलब है श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष और शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी ने आरोप लगाया है कि माघ मेले के दौरान एक नाबालिग और एक बालिग बच्चा उनके पास आया था। जिसने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर कुकर्म का गंभीर आरोप लगाया था। हालांकि जो बच्चा बालिग हो गया है उसके साथ कुकर्म की घटना उस समय हुई थी, जबकि वह नाबालिग था। आरोप लगाया गया है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिष्य ही इन बच्चों पर गुरु सेवा के नाम पर संबंध बनाने का दबाव बनाते थे। बच्चों को यह समझाते थे कि इससे उन्हें आशीर्वाद मिलेगा। आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा है कि कोर्ट ने इस मामले में झूंसी थाना पुलिस से रिपोर्ट भी मांगी थी। लेकिन कोर्ट पुलिस की रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं हुई और कोर्ट ने अगली तारीख 13 फरवरी की लगाई है।

वहीं इस मामले में वाराणसी में मौजूद ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भी मीडिया से बात कर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने और गौ हत्या बंद करने को लेकर उनके अभियान के चलते उन्हें जानबूझकर फंसाया जा रहा है और उन पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं जिनकी सभ्य समाज में कल्पना नहीं की जा सकती है। लेकिन हम लोगों ने सभी प्रमाण कोर्ट के सामने रख दिए हैं।

पुणे में बंगाल के मजदूर की पीट-पीटकर हत्या, सीएम ममता हुईं दुखी व आक्रोशित

-बोलीं- एक युवक को उसकी भाषा, पहचान और जड़ों की वजह से निशाना बनाया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने पुणे में हुई बंगाल के मजदूर की हत्या की निंदा की। उन्होंने इस घटना को हेट क्राइम बताते हुए कहा कि किसी राज्य में बाहरी लोगों के प्रति नफरत को हथियार और निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। सीएम ममता ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर घटना का वीडियो पोस्ट करते हुए गहरा दुख और आक्रोश जताया। उन्होंने पोस्ट में लिखा- मैं शब्दों से परे विचलित हो गई हूं, क्रोधित हूं और आहत हूं। पुरुलिया के बंडवान का 24 साल का प्रवासी मजदूर सुखेन महतो, जो अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला था, उसकी पुणे, महाराष्ट्र में बर्बर हत्या कर दी गई। ममता ने कहा कि यह सीधा-सीधा हेट क्राइम है। एक युवा को उसकी भाषा, पहचान और जड़ों की वजह से निशाना बनाया गया, उसे प्रताड़ित किया गया और मार डाला। यह उसी माहौल का नतीजा है, जहां जेनोफोबिया को हथियार बनाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ममता ने दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी और कड़ी से कड़ी सजा की मांग की। सुखेन के परिवार से कहना चाहती हूं कि इस असीम दुख की घड़ी में पूरा बंगाल आपके साथ खड़ा है। न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। बता दें यह पहली बार नहीं है जब ममता बनर्जी ने दूसरे राज्यों, खासकर बीजेपी शासित राज्यों में बंगाल के प्रवासी मजदूरों पर हमलों के मुद्दे पर आवाज उठाई है। वह पहले भी देशभर में बंगाली भाषी लोगों के साथ उत्पीड़न के खिलाफ केंद्र सरकार को घेरती रही हैं।

पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम सुखेन महतो है और वह पुरुलिया के बंडवान का रहने वाला था। बुधवार दोपहर पुणे के शिकारपुर पुलिस थाने के अंतर्गत कोरेगांव भीमा क्षेत्र से उसका शव मिला था। आरोप है कि उसे बंगाली में बात करने के कारण पीट-पीटकर मार डाला। इस मामले में उसके बड़े भाई तुलसीराम महतो ने शिकारपुर थाने में हत्या की शिकायत दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि सुखेन 2021 से पुणे में प्रवासी मजदूर के रूप में काम कर रहा था। वह कोरेगांव भीमा के पास सनतबाड़ी इलाके में एक कार पार्ट्स निर्माण कंपनी में काम करता था। उसका शव उसी इलाके से बरामद हुआ।

सरमा एक दिन भी मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के योग्य नहीं, उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगे

एआईयूडीएफ के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने लगाया आरोप

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के एक कथित शूटिंग वीडियो को लेकर राज्य की राजनीति में विवाद बढ़ता जा रहा है। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने सीएम सरमा की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर कहा कि वे एक दिन भी मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के योग्य नहीं हैं। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि सरमा को चुनाव लड़ने से भी रोका जाए। अजमल का आरोप है कि पिछले छह महीनों से एक समुदाय विशेष के खिलाफ नफरत भरे भाषण दे रहे हैं। 7 फरवरी को साझा किए गए वीडियो में मुख्यमंत्री दो मुस्लिम व्यक्तियों की ओर राइफल ताने हुए दिखाई दे रहे थे। यह वीडियो बाद में हटा लिया गया, लेकिन विवाद बढ़ गया।

असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने भी मामले में दिसपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। कांग्रेस का आरोप है कि असम बीजेपी के आधिकारिक 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) हैंडल से साझा किया गया वीडियो भड़काऊ और सांप्रदायिक है। वीडियो में कथित रूप से 'विदेशियों से मुक्त असम, कोई रहम नहीं' और 'तुम पाकिस्तान क्यों नहीं चले गए?' जैसे वाक्य लिखे थे। कांग्रेस का कहना है कि इसतरह के शब्द राज्य के बंगाली मूल के मुसलमानों को निशाना बनाते हैं, जिन्हें अक्सर 'मिया' या 'बांग्लादेशी' कहकर संबोधित किया जाता है। कांग्रेस नेताओं ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। इस मुद्दे पर सीपीआई(एम) नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मुख्यमंत्री के खिलाफ निर्देश जारी करने की मांग की है। वरिष्ठ वकील ने मामले की त्वरित सुनवाई का अनुरोध किया, जिस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि सुनवाई की तारीख दी जाएगी। वहीं एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी हैदराबाद में शिकायत दर्ज कर वीडियो को नफरत फैलाने वाला बताया और आपराधिक कार्रवाई की मांग की। वहीं, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने आरोपों से इंकार कर कहा कि उन्हें वीडियो की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है, तब उन्हें

गिरफ्तार किया जा सकता है, उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ अपने रुख पर कायम रहने की बात दोहराई।

एआईएमआईएम नेता का हिंदू संगठनों पर तंज.... हिंदू भाई 4 नहीं बल्कि 14 बच्चे पैदा करें

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। एआईएमआईएम (एआईएमएआईएम) के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली मुजफ्फरनगर पहुंचे, जहां उन्होंने दो नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे पर कहा कि देश की आबादी बढ़ने से राष्ट्र मजबूत होता है। शौकत अली ने हिंदू संगठनों के चार बच्चे पैदा करने वाले बयानों पर तंज कसते हुए कहा कि हिंदू भाइयों को 4 नहीं बल्कि 14 बच्चे पैदा करने चाहिए। उन्होंने चीन का उदाहरण देकर तर्क दिया कि चीन अपनी विशाल आबादी के कारण ही हमसे अधिक मजबूत है, इसलिए भारत को भी अपनी जनसंख्या बढ़ानी चाहिए। मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के नाम से हो रहे निर्माण पर शौकत अली ने कहा कि संविधान किसी भी नाम से धार्मिक स्थल बनाने की अनुमति देता है। उन्होंने सवाल किया कि यदि कोई अपने बेटे का नाम बाबर रखकर काम शुरू करे, तब क्या उस लाइसेंस नहीं मिलेगा? शौकत ने आरोप लगाया कि देश में दाढ़ी, टोपी और गौश्त के नाम पर मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है और मॉब लिंचिंग की घटनाएं बढ़ रही हैं। उनके अनुसार, यदि सरकार को जनसंख्या से आपत्ति है, तब वह हम दो हमारे दो का कानून लेकर आए।

असम में मुस्लिम बहुल जिलों में बढ़े वोटर, आदिवासी क्षेत्रों में घटे, 2.43 लाख नाम हटाए गए

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के समापन के बाद मंगलवार को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। इस नई सूची में बड़े पैमाने पर फेरबदल देखने को मिला है, जहां मसौदा सूची की तुलना में कुल 2.43 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। यह कमी मसौदा सूची के कुल नामों का लगभग 0.97 प्रतिशत है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, असम के 35 जिलों में से 24 जिलों में मतदाताओं की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि 11 जिलों में मतदाताओं की संख्या बढ़ी है।

आंकड़ों का विश्लेषण करने पर एक विशिष्ट जनसांख्यिकीय पैटर्न सामने आया है। राज्य के अधिकांश मुस्लिम-बहुल जिलों में मसौदा सूची की तुलना में अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि देखी गई है। इसके विपरीत, बहुसंख्यक आदिवासी आबादी वाले तीन पहाड़ी जिलों और बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पांच जिलों में मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट आई है। इसके साथ ही कामरूप और गुवाहाटी शहर वाले कामरूप

(मेट्रोपॉलिटन) जिलों में भी मतदाताओं की संख्या कम हुई है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों ने एक त्रुटि मुक्त मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए गहनता से काम किया है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि जब भी किसी राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण होता है, तो अक्सर इसी तरह की कमी देखने को मिलती है। इस पूरे घटनाक्रम पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि यह तो केवल शुरुआत है और आने वाले समय में विशेष पुनरीक्षण के दौरान और भी संदिग्ध मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाएंगे। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि तमाम डराने-धमकाने और धमकियों के बावजूद उन्होंने संदिग्ध नामों के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराईं, जिसका परिणाम इस सूची में दिखाई दे रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि स्वयं मुख्यमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र जलुकबाड़ी में भी मतदाताओं की संख्या में बड़ी कमी आई है। जलुकबाड़ी, जहां से सरमा पांच बार विधायक रहे हैं, वहां करीब 2.11 लाख मतदाताओं में से 4,310 नाम हटा दिए गए हैं। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पिछले साल दिसंबर में प्रकाशित मसौदा सूची में यहां 2,10,624 नाम थे, जो अब घटकर 2,06,314 रह गए हैं। इस क्षेत्र में कुल 2.05 प्रतिशत नाम हटाए गए हैं, जिनमें 2,754 पुरुष, 1,555 महिलाएं और एक तृतीय लिंग मतदाता शामिल है। अंतिम सूची के अनुसार अब इस क्षेत्र में 97,653 पुरुष और 1,08,654 महिला मतदाता पंजीकृत हैं। चुनाव आयोग का मानना है कि इस प्रक्रिया से राज्य की लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी, हालांकि आदिवासी और मैदानी इलाकों के बीच आंकड़ों का यह असंतुलन आने वाले समय में राजनीतिक चर्चा का विषय बन सकता है।

पूर्व सेना प्रमुख की किताब लीक मामले में आपराधिक साजिश की एफआईआर दर्ज, विदेशों तक पहुंची जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल (रिटायर्ड) एमएम नरवणे की संस्मरण पुस्तक फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी के लीक होने का मामला अब एक गंभीर अंतरराष्ट्रीय साजिश के रूप में उभर रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शुरुआती जांच में यह संकेत मिले हैं कि इस पुस्तक को रक्षा मंत्रालय की अनिवार्य क्लीयरेंस के बिना एक सोची-समझी रणनीति के तहत सार्वजनिक किया गया। इस घटना की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आपराधिक साजिश की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि किताब का डिजिटल संस्करण भारत से पहले कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और अमेरिका जैसे देशों में सर्कुलेट हुआ और वहां की ऑनलाइन वेबसाइटों पर बिक्री के लिए उपलब्ध करा दिया गया। तकनीकी विश्लेषण से पता चला है कि लीक हुई कॉपी को सबसे पहले डोमेन एक्सटेंशन वाले एक प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया

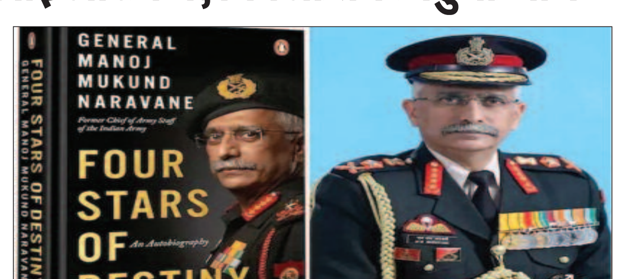

गया था, जो ब्रिटिश इंडियन ओशन टेरिटरी से संबंधित है। इसके बाद यह अन्य कई होस्टिंग साइट्स पर वायरल हो गई। स्पेशल सेल अब किताब के 13 अंकों वाले इंटरनेशनल स्टैंडर्ड बुक नंबर (आईएसबीएन) की गहनता से जांच कर रही है। विदेशी वेबसाइटों पर जो आईएसबीएन कोड मिला है, वह प्रकाशक पेंगुइन इंडिया द्वारा इसी किताब के लिए जारी किए गए कोड से मेल खाता पाया गया है। इस संबंध में प्रकाशक से भी पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि बिना आधिकारिक अनुमति के यह विवरण विदेशी बाजार तक कैसे पहुंचा। इसी बीच, संसदीय गलियारों में भी इस मामले और अन्य बयानों को लेकर हलचल तेज है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संकेत दिए हैं कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाया जा सकता है। सरकार का आरोप है कि उन्होंने सदन में निराधार बयान देकर सदस्यों को गुमराह किया है। हालांकि, यह प्रस्ताव कब पेश होगा, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियों का पूरा ध्यान पूर्व आर्मी चीफकी किताब से जुड़े डेटा लीक के पीछे के विदेशी कनेक्शन को बेनकाब करने पर है।

वंदे मातरम को सभी 6 छंदों के साथ गाना अनिवार्य... मदनी का आरोप, ये आदेश हमारी धार्मिक आजादी पर हमला

-वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही सम्मान देना अनिवार्य, सिख संगठन ने भी जताया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने वंदे मातरम के सभी छंद गाने का विरोध किया है। मुसलमान संगठन ने कहा कि केंद्र सरकार का ये आदेश हमारी धार्मिक आजादी पर हमला है।

उलेमा-ए-हिंद ने मोदी सरकार के आदेश को एकतरफा और मनमाना बता दिया है। जमीयत के प्रेसिडेंट मौलाना अरशद मदनी ने पोस्ट में कहा कि मुसलमान किसी को भी वंदे मातरम गाने या बजाने से नहीं रोकते, लेकिन गाने के कुछ छंद मातृभूमि को एक देवता के रूप में दिखाते हैं। ये हमारी धार्मिक मान्यताओं के खिलाफ हैं।

केंद्र सरकार ने गुरुवार को आदेश जारी कर राष्ट्रगीत वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही सम्मान देना अनिवार्य होगा। आदेश के मुताबिक राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकेंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे।

इस पर नाराज मदनी ने कहा कि एक मुसलमान सिर्फ एक अल्लाह की पूजा करता है, इसलिए मुसलमान को यह गाना गाने के लिए मजबूर करना संविधान के आर्टिकल 25 और सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का साफ उल्लंघन है। इस गाने को जरूरी बनाना और नागरिकों पर थोपने की कोशिश देशभक्ति का इजहार नहीं है, बल्कि यह चुनावी राजनीति, एक सांप्रदायिक एजेंडा और बुनियादी मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने की कोशिश है। देश के लिए प्यार का असली पैमाना नारों में नहीं, बल्कि किरदार और कुर्बानी में है। इसकी शानदार मिसालें मुसलमानों और जमीयत उलेमा-ए-हिंद के ऐतिहासिक संघर्ष में खास तौर पर देखी जा सकती हैं।

वहीं सिख संगठन दल खालसा ने वंदे मातरम अनिवार्य करने के फैसले पर कड़ा ऐतराज जाहिर किया है। उन्होंने इस आदेश को सिख पहचान व धार्मिक भावनाओं के खिलाफ बताया है। दल खालसा के नेता कंवरपाल सिंह बिट्टू ने कहा कि यह फैसला भारतीयता के नाम पर हिंदुत्व विचारधारा को सिख समुदाय पर थोपने का प्रयास है। सिख होने के नाते हम इस फैसले को स्वीकार नहीं करने वाले है। यह निर्णय सिख समुदाय की भावनाओं और उनकी धार्मिक पहचान के विपरीत है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)